हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

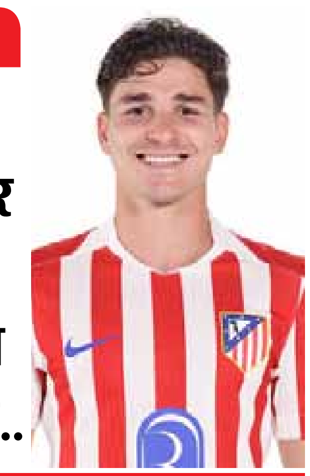

अल्वारेज के ट्रांसफर को लेकर बार्सिलोना और मैड्रिड..

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 29 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 185, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारत नेपाल को हर संभव मदद देने के लिए प्रयासरत

320 भारतीय अभी भी लापता, तमिलनाडु के 21 पर्यटक लौटे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने कहा है कि विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित नेपाल को वह आवश्यकतानुसार हर संभव मानवीय, तकनीकी, चिकित्सा और बचाव सहायता उपलब्ध करा रहा है। भारत का उद्देश्य राहत सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ खोज एवं बचाव अभियान, चिकित्सा सहायता और प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था बहाल करने में उसकी मदद करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अभी तक 320 भारतीयों से संपर्क नहीं हो सका है। तमिलनाडु के 21 पर्यटक स्वदेश लौट आए हैं और त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे 63 भारतीयों को भी बचा लिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से काठमांडू पहुंचे 21 भारतीय नागरिक आज दिल्ली पहुंच गए। ये सभी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। भारत के राजदूत ने काठमांडू में उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य और स्थिति की जानकारी ली थी। दूसरी ओर त्रिशूली-1 जलविद्युत

परियोजना में काम कर रहे 63 भारतीयों को भी सुरक्षित बचा लिया गया है। सरकार उनके सुरक्षित स्वदेश वापसी की व्यवस्था कर रही है। इसके अलावा चीन की ओर फंसे 96 भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से जमीन के रास्ते नेपाल पहुंच चुके हैं। अब उन्हें वहां से सुरक्षित निकालकर भारत लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज नेपाल में बाढ़ से बचाए गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्रियों के समूह से एयरपोर्ट पर मुलाकात की। उनकी आपबीती सुनकर वे भावुक हो गये। उन्होंने इस बचाव कार्य के लिए नेपाली सेना मुख्यालय और सरकार का धन्यवाद दिया। प्रवक्ता के अनुसार इस समय करीब 320 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है या उन्हें लापता माना जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि स्थिति लगातार बदल रही है और अलग-अलग सूचियों का मिलान किए जाने के कारण यह संख्या बढ़ या घट सकती है। इसके अलावा करीब 100 भारतीय मूल के लोग भी संपर्क से बाहर हैं। इनमें ऐसे लोग शामिल हो सकते हैं जो कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे, लेकिन उनके पास भारतीय नागरिकता के बजाय किसी अन्य देश की नागरिकता है।

बाढ़ से हुआ नुकसान कई अरब डॉलर का हो सकता है : नेपाल के वित्तमंत्री

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने शुक्रवार को कहा कि देश को इस आपदा से कई अरब डॉलर का नुकसान होने की आशंका है। वित्त मंत्री वागले ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन से बातचीत में कहा कि अगले एक-दो सप्ताह में जब नुकसान का विस्तृत आकलन होगा, तब इसकी कुल लागत कम-से-कम कुछ अरब डॉलर तक पहुंचने की आशंका है। उन्होंने शुरुआती नुकसान के अनुमान को "काफी चिंताजनक" बताया। वहीं, नेपाल सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में तत्काल राहत पहुंचाने के लिए रसुवा और नुवाकोट को एक-एक करोड़ रुपये, जबकि धाडिंग को 50 लाख रुपये जारी किए हैं। प्रभावित लोगों तक भोजन, पानी, टेंट, कंबल, सोलर लैंप, जनरेटर और पावर बैंक जैसी जरूरी सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा प्रभावित इलाकों में ईंधन की आपूर्ति भी जारी है। गौरतलब है कि, 10 सितंबर को नेपाल-चीन सीमा के पास बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा ढहने के बाद यह आपदा आई। इस घटना से करीब एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र प्रभावित हुआ और 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा झटका महसूस किया गया। इसके बाद भारी मात्रा में पानी भोटेकोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में पहुंच गया, जिससे नदियों का जलस्तर बढ़ा और कई इलाकों में व्यापक बाढ़ आ गई। बाढ़ ने जनजीवन के साथ-साथ सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत, समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी राजदूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा, "हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, अमेरिका, अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है। यह उपलब्धि अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाती है और अमेरिकी तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जैवलिन प्रणाली का उत्पादन जैवलिन संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाता है, जो आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन की साझीदारी है। इससे पहले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की कि भारत युद्ध में परखी जा चुकी एफजीएम-148 जैवलिन टैंक-रोधी मिसाइल प्रणाली को अमेरिका से खरीदने जा रहा है। उन्होंने इसे अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में बड़ी प्रगति बताया।

गोर ने एक्स पर लिखा, "बड़ी खबर! भारत ने युद्ध में परखी जा चुकी जैवलिन एंटी-टैंक प्रणाली खरीदने की योजना बनाई है। जैसा कि अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने मई 2026 में हुए शांगरी-ला संवाद में बताया था, यह अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में एक बड़ा कदम है और सह-उत्पादन की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है। बयान में अमेरिकी रक्षा सचिव के मई 2026 के शांगरी-ला संवाद में दिए गए बयान का हवाला दिया गया है और लगभग साढ़े चार करोड़ डॉलर मूल्य की जैवलिन मिसाइलों की प्रारंभिक बिक्री के लिए साल 2025 में अमेरिका द्वारा दी गई मंजूरी के आधार पर संभावित सह-उत्पादन के अवसरों पर प्रकाश डाला गया है। यह घटनाक्रम गहरी रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है, जिससे भारत की कवच रोधी क्षमताओं में वृद्धि होती है और संयुक्त रक्षा विनिर्माण लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जाता है। बयान में कहा गया है कि यह ऐतिहासिक हस्ताक्षर भारतीय सेना को जारी अमेरिकी समर्थन की गहराई को प्रदर्शित करते हुए अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी को और मजबूत करता है।

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने विश्व संस्कृत दिवस पर दी शुभकामनाएं, संस्कृत को बताया भारत की ज्ञान परंपरा का आधार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संस्कृत को भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति और चेतना का मूल आधार बताते हुए कहा कि यह भाषा जितनी प्राचीन है, उतनी ही वैज्ञानिक भी है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि संस्कृत में लिखे गए भारत के वेद, उपनिषद और शास्त्र सदियों से पूरी मानवता को ज्ञान का मार्ग दिखाते आ रहे हैं। उन्होंने संस्कृत भाषा के संरक्षण और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे विद्वानों और आचार्यों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, सभी को विश्व संस्कृत दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति और चेतना का मूल आधार संस्कृत भाषा जितनी प्राचीन है, उतनी ही वैज्ञानिक भी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संस्कृत में रचित वेद, उपनिषद और शास्त्र भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत हैं और लंबे समय से मानवता को ज्ञान एवं जीवन मूल्यों का मार्गदर्शन देते रहे हैं। अमित शाह ने संस्कृत भाषा को संरक्षित करने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी विद्वानों और आचार्यों को नमन किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने में इन विद्वानों और आचार्यों की भूमिका अविस्मरणीय है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने 'विश्व संस्कृत दिवस' की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अतिरिक्त केंद्रीय मंत्रियों ने शुक्रवार को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर 'विश्व संस्कृत दिवस' की शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, "विश्व संस्कृत दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं! संस्कृत भारत के ज्ञान, दर्शन और सभ्यता की कालजयी भाषा है। सदियों से इसने हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक परंपराओं को आकार दिया है। आइए, हम संस्कृत की इस अमूल्य निधि को संरक्षित, प्रोत्साहित और प्रसारित करने का संकल्प लें; साथ ही, आधुनिक दुनिया में इसके महत्व को बढ़ाते हुए आने वाली पीढ़ियों को इसकी शाश्वत ज्ञान-परंपरा से जोड़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "यह भाषा भारत के ज्ञान, विचार और रचनात्मकता की हमेशा चलने वाली वाहक रही है। कई क्षेत्रों में इसका अच्छा असर आज भी देखा जा सकता है। इस खास दिन पर, भारत और दुनिया में संस्कृत का अध्ययन और अध्यापन करने वालों के लिए शांति की कामना करते हैं। वे इसमें मौजूद दिव्य खज़ानों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि "संस्कृत भारत का गौरव है जिसे श्रावण मास की पूर्णिमा को 'संस्कृत दिवस' के रूप में मनाते हैं। संस्कृत ने हज़ारों वर्षों से भारत की ज्ञान-परंपरा को समृद्ध किया है। यह केवल संवाद की भाषा नहीं बल्कि भारत की मेधा, चिंतन, दर्शन और संस्कृति का जीवंत भंडार है।

भारत बना केन्या का सबसे बड़ा पेट्रोलियम सप्लायर, यूएई-सऊदी अरब छूटे पीछे

नई दिल्ली। खाड़ी और अरब देशों को पछाड़कर कई देशों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों का प्रमुख निर्यातक भारत बन गया है। इनमें एक महत्वपूर्ण नाम पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या का भी है। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार मार्गों में व्यवधानों के कारण संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिसके बाद केन्या को पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन के लिए भारत का रुख करना पड़ा है। इस स्थिति ने भारत को खाड़ी देशों से आगे निकलते हुए केन्या के लिए पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना दिया है। केन्या लंबे समय से सरकारी समर्थन वाले समझौतों के तहत पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद करता रहा है। इनमें पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन शामिल हैं, जिनकी आपूर्ति मुख्य रूप से सऊदी अरामको, अबू

धाबी नेशनल ऑयल कंपनी और एमिरेट्स नेशनल ऑयल कंपनी जैसी कंपनियों से होती थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में पैदा हुई आपूर्ति बाधाओं और बदलती वैश्विक बाजार परिस्थितियों के बाद केन्या को अपना ईंधन स्रोत बदलना पड़ा। ऊर्जा विश्लेषकों और बाजार आंकड़ों के अनुसार, भारत ने केन्या को गैसोलीन, डीजल, जेट ईंधन और ईंधन तेल की आपूर्ति में संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को पीछे छोड़ दिया है।

पीएम एससीओ समिट में करेंगे पुतिन से द्विपक्षीय वार्ता

जिनपिंग से भी होगी मुलाकात, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान का दौरा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। सरकार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के मध्य एशिया दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि मोदी शनिवार से उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की यात्रा पर जाएंगे। एससीओ शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक बिश्केक में आयोजित किया जाएगा। बिश्केक में प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ भी मुलाकात प्रस्तावित है। दोनों नेताओं की यह बैठक ऐसे समय में होगी, जब सितंबर में भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित होना है।

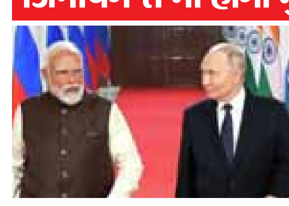

12-13 सितंबर को होने वाले इस सम्मेलन में भारत शी जिनपिंग की मेजबानी करेगा। एससीओ सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री की अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों का कार्यक्रम भी तैयार किया जा रहा है।

एससीओ में आतंकवाद पर भारत का जोर : इस वर्ष एससीओ की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ भी है। भारत 2017 से संगठन का पूर्ण सदस्य है, जबकि पाकिस्तान भी एससीओ का सदस्य है। ऐसे में शिखर सम्मेलन के दौरान भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से मुकाबले का मुद्दा प्रमुखता से उठा सकता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

दिसंबर के बाद पुतिन से पहली द्विपक्षीय मुलाकात

पुतिन के दिसंबर 2025 में एससीओ/द्विपक्षीय कार्यक्रम के लिए भारत दौरे के बाद मोदी और रूसी राष्ट्रपति के बीच यह पहली द्विपक्षीय बैठक होगी। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसी सप्ताह मॉस्को का दौरा किया था। उन्होंने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में हिस्सा लेने के साथ राष्ट्रपति पुतिन से भी मुलाकात की थी। जयशंकर और पुतिन की बातचीत में व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा और परमाणु सहयोग समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई थी। पुतिन ने भारत को उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति का भरोसा भी दिलाया था। उन्होंने कहा था कि रूस भारतीय किसानों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। जयशंकर ने बातचीत के दौरान पुतिन को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी सितंबर में BRICS शिखर सम्मेलन के लिए उनकी मेजबानी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

भारतीय वायु सेना ने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई

नई दिल्ली। नेपाल में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने से विनाशकारी सैलाब के कारण मची तबाही से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना राहत और बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभा रही है। आपदा के कुछ ही घंटों बाद वायु सेना ने सी-130जे विमान के जरिए 10 टन आवश्यक राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई, जिसमें दवाइयां, अस्थायी शेल्टर, कंबल और हाइजीन किट शामिल थीं। दूसरी खेप लेकर वायु सेना के सी -17 ग्लोबमास्टर विमान ने 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री (खाद्य पैकेट और जरूरी दवाइयां) लेकर काठमांडू के लिए उड़ान भरी। भारत अब तक कुल 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। वायु सेना ने नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण राहत कार्यों के लिए अपने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट फ्लीट को स्टैंडबाय पर रखा है। इसमें सी-17, सी-130जे और सी-295 विमान हैं। एक सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट आज देर शाम तक राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए उड़ान भरेगा। वायु सेना के एमआई-17 हेलीकाप्टर भी नेपाली लोगों की मदद के लिए चौबीसों घंटे उड़ान भर रहे हैं। राहत सामग्री लेकर नेपाल जाने वाले विमानों का संचालन वायु सेना के हिंडन स्टेशन से किया जा रहा है।

भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गया: होसबाले

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ में अपरिचित को परिचित एवं परिचित को मित्र बनाने की परम्परा रही है। स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुता इन तीनों अवधारणाओं को विश्व के अनेक देशों ने अलग-अलग रूपों में स्वीकार किया। ऐसे राष्ट्र जहां केवल स्वतंत्रता को महत्व दिया गया वहां स्वच्छंदता व्याप्त हो गयी। जबकि सोवियत रूस जैसे देश ने समानता को वरीयता दी, यह विचार भी टिक नहीं पाया। भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गया है। इन तीनों तत्वों का मूलाधार सामाजिक समरसता है।

सरकार्यवाह शुक्रवार को यहां संघ के काशी मध्य तिलक नगर में आयोजित रक्षाबन्धन उत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। सिगरा स्थित डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बतौर मुख्य वक्ता सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने योग वशिष्ठ के एक श्लोक का उल्लेख कर कहा कि ऐसे लोग जो हमारे बन्धु नहीं हैं, उनसे प्रतिदिन मिलने से निकटता बढ़ती है और वह हमारे बन्धु बन जाते हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना

रांची। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए भी भावनात्मक रहा। मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उनकी बड़ी बहन अंजनी सोरेन ने मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की चचेरी बहनों ने भी उन्हें राखी बांधी और उनके उत्तम एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़ी बहन का स्नेहपूर्वक आशीर्वाद लिया तथा छोटी बहनों को स्नेह, आशीर्वाद

एवं शुभकामनाएं दीं। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने समस्त झारखंडवासियों को श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाल जीवन की कामना की। इस आत्मीय अवसर पर मुख्यमंत्री की माता रूपी सोरेन सहित परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर सीमा पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, 76 किलो मेथम्फेटामाइन की गोलियां जब्त

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने असम और मिजोरम में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में कुल 76 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। इस कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस), 1985 के तहत कार्रवाई की गई है।

असम में ट्रक से 56 किलो नशीला पदार्थ बरामद : डीआरआई अधिकारियों ने 25 अगस्त 2026 को असम राइफल्स की 38वीं बटालियन के जवानों के सहयोग से

एक खुफिया सूचना के आधार पर अभियान चलाया। सिलचर से करीब 40 किलोमीटर दूर लालपानी में असम-मणिपुर सीमा के पास मणिपुर के जिरिबाम से आ रहे वाहनों के एक बड़े काफिले में शामिल संदिग्ध 12-पहिया ट्रक को रोका गया। ट्रक की गहन तलाशी के दौरान चालक की सीट के पीछे चालक केबिन में विशेष रूप से बनाई गई एक गुप्त गुहा मिली। इसमें 1 किलोग्राम वजन के 36 ईंटनुमा पैकेट और 200 ग्राम वजन के 100 छोटे पैकेट रखे हुए थे। इन पैकेटों में गुलाबी-नारंगी रंग की गोलियां थीं, जिनमें मेथम्फेटामाइन होने का संदेह था। मौके पर नशीले पदार्थों की जांच के लिए इस्तेमाल की जाने वाली परीक्षण किट से नमूनों की प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें एम्फेटामाइन की मौजूदगी के संकेत मिले। इसके बाद 56 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ और तस्करी में इस्तेमाल किए गए ट्रक को एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत जब्त कर लिया गया। वाहन में सवार एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया।

ब्यावरा में भीषण बस हादसा, पुल से नीचे गिरे यात्री; 4 की मौत, 11 घायल

राजगढ़। राजगढ़ जिले के ब्यावरा में भोपाल बायपास ब्रिज पर शुक्रवार सुबह करीब 8.30 बजे एक तेज रफ्तार यात्री बस भीषण हादसे का शिकार हो गई। कर्व वाले ब्रिज पर बस अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और ऊपरी स्लीपर सीटों पर सवार कुछ यात्री खिड़कियां टूटने के बाद ब्रिज से नीचे जा गिरे। कुछ यात्री पुल पर ही गिर पड़े। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में बस चालक और बेंगलुरु में पदस्थ साइबर इंस्पेक्टर रवि केबी भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल ब्यावरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है।

मदद को आगे आए टिम कुक, एप्पल करेगा जमीनी राहत कार्यों में आर्थिक सहयोग

नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक भीषण बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही के बीच दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से मदद के हाथ आगे बढ़ रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने नेपाल और तिब्बत में आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि एप्पल जमीनी स्तर पर चल रहे राहत प्रयासों को समर्थन देने के लिए आर्थिक सहायता राशि दान कर रहा है। टिम कुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल और तिब्बत में भयावह बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में मदद के लिए एप्पल स्थानीय स्तर पर चल रहे प्रयासों का समर्थन करेगा। गौरतलब है कि नेपाल में 26 अगस्त को आई फ्लैश फ्लड ने रसुवागढ़ी क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। बताया गया है कि भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का प्रवाह हिमस्खलन के कारण बाधित हो गया था। इसके बाद अचानक पानी का दबाव बढ़ा और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास स्थित तिमुरे गांव समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री द्वारा युवाओं के हित में किए जा रहे प्रयास स्वागत योग्य : सुरेन्द प्रजापति

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा युवाओं को व्यापक स्तर पर सरकारी नौकरी और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य के विकास के लिए एक दूरदर्शी कदम है। वरिष्ठ समाजसेवी और स्थानीय नेता सुरेन्द्र प्रजापति इस पहल को राज्य के युवाओं के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। युवाओं को राज्य के भीतर ही काम मिलने से बिहार की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती और गति मिलेगी साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार मिलने से बिहार के युवाओं का अन्य राज्यों में पलायन रुक सकेगा। कौशल विकास (Skill Development) और स्थानीय उद्योगों के विस्तार के साथ इस योजना का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी हो सकेगा। स्वरोजगार और उद्योग-धंधों को प्रोत्साहन देने से युवाओं के बीच आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होगी। मुख्यमंत्री द्वारा टीआरई-4 के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देने की घोषणा का स्वागत करते हुए उन्होंने भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने की अपील की।

वैशाली पुलिस ने शुरू की अभया ब्रिगेड, महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा करेगी गरुड़ा टीम

हाजीपुर। हाजीपुर-वैशाली पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 'अभया ब्रिगेड' और 'गरुड़ा टीम' का गठन किया है। यह पहल रक्षाबंधन के अवसर पर की गई। साइबर थाना, वैशाली की पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष चांदनी सुमन ने दोनों टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन विशेष टीमों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस पहल से महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस की सक्रियता और पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। 'अभया ब्रिगेड' और 'गरुड़ा टीम' महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित मामलों पर विशेष निगरानी रखेंगी। आवश्यकता पड़ने पर ये टीमें उन्हें तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराएंगी। पुलिस की इस पहल का लक्ष्य महिलाओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। रक्षाबंधन के मौके पर शुरू की गई यह योजना वैशाली पुलिस के महिला सुरक्षा के प्रति संकल्प को दर्शाती है। वैशाली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का विषय है। पुलिस का संकल्प है—'हर बहन सुरक्षित, हर बेटी सशक्त'।

नागालैंड के राज्यपाल नंद किशोर यादव हाजीपुर पहुंचे, रक्षाबंधन पर बहन से बंधवाई राखी

हाजीपुर। नागालैंड के राज्यपाल नंद किशोर यादव रक्षाबंधन के अवसर पर हाजीपुर स्थित अपनी बहन के घर पहुंचे। राज्यपाल बनने के बाद भी उन्होंने पारिवारिक परंपरा का पालन करते हुए अपनी बहन से राखी बंधवाई। बहन ने राज्यपाल का स्वागत किया और पारंपरिक रीति-रिवाज से उनकी कलाई पर राखी बांधी। राखी बांधने के बाद बहन ने राज्यपाल नंद किशोर यादव के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। राज्यपाल नंद किशोर यादव ने भी अपनी बहन को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार भेंट किया। उन्होंने भाई-बहन के रिश्ते को जीवन के सबसे आत्मीय और भावनात्मक संबंधों में से एक बताया। राज्यपाल ने कहा कि पद और जिम्मेदारियां बदलने के बावजूद पारिवारिक रिश्तों का महत्व बना रहता है। राज्यपाल के इस पारिवारिक मिलन को लेकर परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों में उत्सुकता देखी गई। यह त्योहार सादगीपूर्ण और पारिवारिक माहौल में मनाया गया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच विश्वास, स्नेह, सम्मान और जिम्मेदारी के रिश्ते को मजबूत करने का पर्व है। राज्यपाल के इस दौरे ने रक्षाबंधन के अवसर पर पारिवारिक परंपराओं और रिश्तों के महत्व को रेखांकित किया।

बाढ़ के पानी में भैंस धोते समय बुजुर्ग डूबा, मौत, गहरे पानी में जाने से गई जान, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर थाना क्षेत्र की चांदपुरा पंचायत के हैबतपुर ढाब में गुरुवार शाम करीब चार बजे एक 65 वर्षीय वृद्ध की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान चांदपुरा पंचायत के वार्ड नंबर-5 निवासी हुलास राय, पिता स्वजन राय के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हुलास राय हैबतपुर ढाब में बाढ़ के पानी में अपनी भैंस धो रहे थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और कुछ लोग पानी में भी कूदे, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही हुलास राय गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही राघोपुर थानाध्यक्ष अवधेश कुमार और एसआई राजू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच की और शव को अपने कब्जे में ले लिया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया। थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि भैंस धोने के दौरान बाढ़ के पानी में डूबने से वृद्ध की मौत हुई है। उन्होंने पुष्टि की कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

पटना- आईपीएस अधिकारी की पत्नी ने की आत्महत्या की कोशिश, हालत नाजुक

पटना। पटना में एक आईपीएस अधिकारी की पत्नी ने आत्महत्या की कोशिश की है। उन्हें गंभीर हालत में पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उनके ड्राइवर ने गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे उन्हें पुलिस की गाड़ी से उन्हें पटना के IGIMS अस्पताल पहुंचाया था, जिसके बाद डॉक्टरों ने तुरंत उपचार शुरू किया। IGIMS के इमरजेंसी के ट्रामा सेंटर में उन्हें करीब 2 घंटे तक रखा गया। उसके बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए महिला को दानापुर-सगुना मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। इस दौरान ड्राइवर के अलावा परिजन या कोई दूसरा वहां मौजूद नहीं था। इस घटना ने पुलिस महकमे में हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, घटना के पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। IPS अधिकारी की पत्नी ने आखिर इतना बड़ा घातक कदम क्यों उठाया, इसे लेकर संचय बना हुआ है। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव या कोई अन्य वजह है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आगे की जानकारी जुटा रही है। पुलिस की जांच और परिजनों के बयान के बाद ही इस सवाल का जवाब मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री, राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक विजेता को करेंगे सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री आवास पर संध्या 5 बजे राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक विजेता पैरा खिलाड़ी सोमन राणा और झंडू कुमार को खेल सम्मान से सम्मानित करेंगे। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि गया जिले के सोमन राणा और नालंदा के झंडू कुमार ने राष्ट्रमंडल खेल में पदक जीत कर ना सिर्फ राज्य का नाम रोशन किया है बल्कि बिहार के अन्य खिलाडियों का भी हौसला बढ़ाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री आवास पर, बिहार के प्रतिभावान पैरा खिलाड़ी सोमन राणा को 30 लाख तथा झंडू कुमार को 15 लाख की खेल सम्मान राशि का चेक देकर सम्मानित करेंगे। आगे श्री शंकरण ने कहा कि सोमन राणा, बिहार के गया जिले से संबद्ध उत्कृष्ट पैरा एथलीट हैं। उनका खेल सफर बॉक्सिंग से प्रारंभ हुआ तथा वे राष्ट्रीय स्तर पर बॉक्सिंग में प्रतिस्पर्धा कर चुके हैं। तत्पश्चात वे भारतीय सेना में शामिल हुए। वर्ष 2006 में जम्मू-कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में सेवा के दौरान लैंडमाइन विस्फोट में उन्होंने अपना दाहिना पैर खो दिया। अपने जीवन के तीसरे दशक के उत्तरार्ध में पैरा एथलेटिक्स की शुरुआत करने के बावजूद उन्होंने निरंतर कठिन प्रशिक्षण, अनुशासन एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। उनकी वर्षों की कठिन मेहनत, निरंतर साधना एवं दृढ़ संकल्प को राष्ट्रमंडल खेल–2026 में पुरुष F57 शॉट पुट में स्वर्ण पदक के रूप में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई। इस उपलब्धि के साथ वे इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के प्रथम खिलाड़ी बने। झंडू कुमार, वर्ष 1997 में हरनौत, जिला नालंदा, बिहार में जन्मे, बचपन में ही पोलियो से प्रभावित हो गए, जिससे उनके पैर की गतिशीलता प्रभावित हुई। उनके परिवार को उनके उपचार पर अपनी सीमित आर्थिक बचत खर्च करनी पड़ी, जिसके कारण उन्हें गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं निरंतर प्रयास के माध्यम से उन्होंने सभी बाधाओं को पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। राष्ट्रमंडल खेल–2026 में पुरुष पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया। दोनों खिलाड़ियों को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया है तथा 'खेलो इंडिया संवाद' के दौरान माननीय प्रधानमंत्री द्वारा श्री झंडू कुमार की संघर्षपूर्ण यात्रा एवं उपलब्धि की विशेष रूप से सराहना की गई। यह सम्मान उनकी उपलब्धियों के राष्ट्रीय महत्व तथा बिहार की खेल प्रतिभाओं की बढ़ती पहचान को दर्शाता है। मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के अंतर्गत निर्धारित सरकारी नियुक्ति के लिए दोनों खिलाड़ी योग्य पात्र हैं। दोनों खिलाडियों की ऐतिहासिक उपलब्धी अन्य खिलाडियों के लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम की प्रेरणादायी मिसाल है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वृक्ष सुरक्षा दिवस पर पेड़ को बांधी राखी और किया वृक्षारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पटना स्थित राजधानी वाटिका-1 में 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' के अवसर पर वृक्ष को रक्षा सूत्र बाँधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने नागलिंगम के पौधे का रोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना, वृक्षों एवं पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए केवल वृक्ष लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी रक्षा और देखभाल करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से बिहारवासी पर्यावरण संरक्षण, जीव-जंतुओं की सुरक्षा तथा वृक्षारोपण के प्रति लगातार जागरूक हो रहे हैं।

पूर्व डीएम कंवल तनुज ने रक्षाबंधन पर महादलित बहनों को भेजा वस्त्र और मिठाइयां

नई सोच एक्सप्रेस

जिले के पूर्व डीएम एवं वर्तमान में बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सचिव कंवल तनुज ने रक्षाबंधन के मौके पर शहर में रहने वाले महादलित बहनों के लिए वस्त्र मिठाइ व गुलाब का फूल बुके भेजा है पूर्व डीएम ने अपने संदेश में कहां की आप सभी बहनों से दिल से लगाव है आपके द्वारा भेजी गई राखी मुझे मिल चुका है मैने उन राखियो को कलाई में बांध लिया हूं मिठाई व वस्त्र पाकर महादलित टोला की अनिता देवी तेतरी देवी , खुशी कुमारी, प्रिया कुमारी, गीता कुमारी, सविता देवी, काजल कुमारी मनोरमा देवी, रीना कुमारी, गुंजा देवी,चिंता देवी, चंद्र मुन्नी देवी, शांति देवी, उर्मिला देवी, जिनवा देवी,ने कहा कि जब डीएम थे तो व राखी बंधवाने उन लोगों के महादलित टोला में आते थे उनको यहां से जाने के बाद पर प्रत्येक वर्ष वे लोग राखी भेजती हैं और डीएम ने भी उन लोगों के लिए मिठाई व वस्त्र कपड़ा भेजते है डीएम के प्रशासक मो शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान को महादलित बस्ती के बहनों ने राखी भेजने की जिम्मेदारी दी थी सल्लू ने राखी को सही सलामत पूर्व डीएम कंवल तनुज के पास पहुंचाया उसके बाद सल्लू खान के माध्यम से पुर्व डीएम ने वस्त्र व मिठाइयां गुलाब का फूल भेजवाया जिसके बाद महादलित बहन की बीच वितरण करवाया । बता दे की बहनों ने कहा कि जब तक डीएम के पद पर औरंगाबाद रहे तब तक महादलित बहनों में राखी बंधवानों के साथ यहां मकर संक्रांति के मौके पर तिलकुट पूरा दही स्वयं आकर भोजन करते थे जाने के बाद भी वहां भी मकर संक्रांति के मौके पर भेजते हैं कोरोना कल में महादलित दाहिना और भाइयों के लिए राशन समर्गी सहित आर्थिक सहयोग अभी भेजी थी और हमेशा हम लोगों का हाल-चाल लेने के लिए याद करते हैं ।

रक्षाबंधन पर बैकटपुर धाम पहुंचे शिक्षा मंत्री मिथलेश कुमार तिवारी, बाबा गौरीशंकर का किया जलाभिषेक

नई सोच एक्सप्रेस

बख्तियारपुर।श्रावण मास की पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथलेश कुमार तिवारी ने शुक्रवार को प्राचीन एवं ऐतिहासिक श्री गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर, बैकटपुर पहुंचकर बाबा गौरीशंकर बैकुंठनाथ महादेव की पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक किया। उन्होंने बाबा से राज्य एवं प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्री गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर न्यास समिति के सचिव राजाराम सिंह ने शिक्षा मंत्री को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरुण साह, खुसरूपुर भाजपा नगर अध्यक्ष सोनी जायसवाल, खुसरूपुर प्रखंड भाजपा अध्यक्ष रणवीर सिंह, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, बैकटपुर के मुखिया उचित कुमार राम सहित मंदिर न्यास समिति के सदस्य राजनंदन सिंह, पंकज कुमार, राजेश सिंह एवं झूलन पासवान मौजूद रहे। इसके अलावा निलेश रंजन, संजय सिंह, पप्पू यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। रक्षाबंधन एवं पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।

पर्यावरण की रक्षा करना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य हैः- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ के कारगिल पार्क में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर पौधे को रक्षा सूत्र बांधकर संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कहा कि"जैसे बहन भाई की रक्षा की कामना करती है, वैसे ही आज हमें पेड़-पौधों की रक्षा का संकल्प लेना होगा। यही असली रक्षाबंधन है। उन्होंने ने महोगनी के पौधे को राखी बांधते हुए कहा किः पर्यावरण ही जीवन है "एक पेड़ एक जिंदगी है। यह हमें ऑक्सीजन, छाया, फल देता है। इसकी रक्षा करना हमारा धर्म है।"हरित बिहार की सोच हम-सभी को रखना चाहिए पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर यह प्रण हमने भी लिया है कि जब तक वह पौधा एक विशाल पेड़ नहीं बन जाता,तब तक उसकी पूरी देखभाल की जाएगी इस पहल का उद्देश्य समाज और आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है ताकि लोग पेड़ों की कटाई रोककर हरियाली को बढ़ावा। "रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ-साथ प्रकृति से भी अपना रिश्ता जोड़ें। एक पौधा लगाएं और उसे भाई की तरह पालें। आज समाज को प्लास्टिक मुक्त और नशा मुक्त समाज के साथ-साथ पेड़ मुक्त नहीं, पेड़ युक्त बिहार बनाना है।आज मैंने इस पौधे को राखी बांधकर वचन दिया है कि मैं और मेरा परिवार इसकी देखभाल करेगा। जल है तो जीवन है हरियाली है तो खुशहाली है।पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब बिहार की बागडोर संभाली थी तब बिहार की हरियाली परत मात्र 7 प्रतिशत थी जो बढ़कर आज 19 प्रतिशत हो गई है हमें अपने हरियाली परत को देश की औसत परत 33 प्रतिशत के बराबर पहुंचाना है इसमें सभी बिहारवासियों का सहयोग बहुत जरूरी है।आज हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकना बहुत जरूरी है अगर हम अपने बच्चों के बेहतर भविष्य देखना चाहते हैं हम सबों अपने एवं मां पिता बच्चों के जन्मदिन के अवसर एक एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसका संरक्षण भी साथ साथ करना चाहिए।इस अवसर पर प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी प्रखंड अध्यक्ष धनंजय प्र कुशवाहा जिला प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव मुन्ना मांझी ध्रुव प्रसाद प्रो आनंद वर्मा संजय प्र कुशवाहा पुरूषोत्तम कुमार सहित कई वन विभाग के अधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

महिला सफाईकर्मी से मारपीट का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नगर निगम के वार्ड संख्या 47 में कार्यरत एक महिला सफाईकर्मी ने वार्ड पार्षद सतीश कुमार और निगम के सुपरवाइजर विशाल कुमार पर मारपीट व दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। महिला सफाईकर्मी प्रीति कुमारी ने इस संबंध में बहादुरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिसके लिए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।प्रीति कुमारी के अनुसार, गुरुवार सुबह वह नगर निगम कार्यालय में हाजिरी लगाने पहुंची थीं। इसी दौरान सुपरवाइजर विशाल कुमार ने उन्हें हाजिरी लगाने से रोक दिया। कारण पूछने पर दोनों के बीच कहासुनी हुई। प्रीति का आरोप है कि सुपरवाइजर ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट भी की।सुपरवाइजर के इस व्यवहार की शिकायत लेकर प्रीति वार्ड संख्या 47 के पार्षद सतीश कुमार के पास गईं। महिलाकर्मी का आरोप है कि पार्षद ने उनकी शिकायत सुनने के बजाय बीच सड़क पर उनके साथ मारपीट की। **पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहीः** इसके बाद प्रीति ने अधिकारियों और बहादुरपुर थाना पुलिस को लिखित शिकायत दी।महिला सफाईकर्मी ने अपने साथ हुए इस व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। बहादुरपुर थाना प्रभारी ने बताया कि महिला सफाईकर्मी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

'रक्षाबंधन पर सरकार से छात्रों को तोहफा मिला है'

नई सोच एक्सप्रेस

» छात्र नेता दिलीप बोले- 2 रात से सोए नहीं थे, आंदोलन में कुछ टीचर्स मुझे कंट्रोल करने लगे

पटना। 'हम पिछली 2 रात से सोए नहीं हैं। रातें रोते-रोते बीत रही थी। मेरे अगल-बगल जो छात्र दिख रहे हैं,वे आंसू पोछते-पोछते थक गए। मेरी जो दुर्गति हुई, वो मैं ही जानता हूं। ये 10 दिन मेरी जिंदगी के सबसे कठिन दिन थे। हमने सरकार से जो मांग की, वो पूरी हुई है। हम सब बहुत खुश हैं। रक्षाबंधन पर सीएम सम्राट चौधरी की ओर से हमें तोहफा दिया गया है।' ये कहना है छात्र नेता दिलीप कुमार का, जो छात्रों के साथ बीते 10 दिनों से गर्दनीबाग में आंदोलन कर रहे थे। दिलीप काफी भावुक हो गए। उन्होंने इसे छात्र एकजुटता की बड़ी जीत बताई और इसे रक्षाबंधन का तोहफा बताया। दरअसल, TRE-4 में अब एक ही परीक्षा होगी। सरकार ने TRE-4 की एकल परीक्षा कराने की छात्रों की मांग को गुरुवार को मान लिया। वन कैंडिडेट-वन रिजल्ट' की मांग समेत अन्य मांगों को भी स्वीकारा गया है। छात्रों की सभी मांगें स्वीकार होने के बाद छात्र नेता अमन औक जह्नानवी ने अपना अनशन भी तोड़ दिया। इधर, सरकार के बैकफुट पर आने से छात्रों में काफी खुशी है। गर्दनीबाग में गुरुवार रात छात्रों ने पटाखे जलाकर आतिशबाजी की। **दिलीप बोले- दो रात से सोए नहीं, रातें रोते-रोते बीतीः** दिलीप कुमार ने कहा, जिस तरह से ट्रोल किया गया और बदनाम करने की कोशिश की गई, मेरे लिए बेहद कठिन था। मुझपर आरोप लगाए गए कि मैं शिक्षा विभाग से मिल गया हूं और आंदोलन में सेटिंग कर ली है। पिछले 10 दिनों से छात्र गर्दनीबाग धरना स्थल पर बैठे थे। पहले ही ऐलान किया था कि अगर छात्रों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो बिहार बंद किया जाएगा। यह छात्र एकजुटता की बहुत बड़ी जीत है। दिलीप कुमार ने कहा, BSSC में संविदा कर्मियों के वेटेज को हटाने की बात कही गई है। लाइब्रेरियन की बहाली को लेकर भी आश्वासन मिला है। साथ ही दरोगा और सिपाही भर्ती में भी मांगों को शामिल किए जाने की बात कही गई है। **छात्र नेता बोले- अगर पत्नी SDM बनी है तो पहले मिठाई खिलाने दीजिए':** दिलीप कुमार की पत्नी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल उठाए गए। किसी ने दावा किया कि उनकी पत्नी BPSC 70वीं में SDM बन गई हैं, तो किसी ने उन्हें RO बताया। इस पर दिलीप कुमार ने कहा कि इसका जवाब आने वाले दिनों में दिया जाएगा। अगर मेरी पत्नी SDM बनी है तो पहले कुछ लोगों को आकर बधाई देने दीजिए, मिठाई खिलाने दीजिए। **कहा- कुछ शिक्षक मुझे कंट्रोल कर रहे थेः** दिलीप कुमार ने कहा कि आंदोलन के दौरान कई शिक्षक उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन आरोप लगाया कि कुछ शिक्षकों ने TRE-4 के PT और MAINS का कोर्स तक बेचना शुरू कर दिया था। अब ऐसे लोगों को छात्रों का पैसा वापस करना चाहिए। **'धरना खत्म हुआ है, छात्रों की लड़ाई नहीं':** आंदोलन खत्म होने के ऐलान के साथ दिलीप कुमार ने साफ किया कि छात्रों की आवाज उठाना बंद नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल से छात्रों के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और आगे भी यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने भावुक होकर कहा, आज धरना जरूर खत्म हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम छात्रों के मुद्दे पर बोलना छोड़ देंगे। छात्र हमारी जान हैं। मेरे अंतरात्मा में छात्र बसते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टाइल बाजार ने कर्मचारियों के बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

पटना।स्टाइल बाजार में परिवार की भावना कार्यस्थल की सीमाओं से कहीं आगे तक फैली हुई है। इस रक्षाबंधन के अवसर पर कंपनी ने पटना में अपने कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन के माध्यम से प्रेम, देखभाल और सुरक्षा के इस त्योहार के स्थायी संदेश को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पटना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अधिकारियों से मिलने का अवसर मिला। बच्चों ने समाज की सुरक्षा के लिए समर्पित पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें राखियां बांधीं। स्टाइल बाजार के प्रबंध निदेशक श्रेयांस सुराना ने कहा कि स्टाइल बाजार में हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी संगठन के केंद्र में हैं और उनके परिवार भी स्टाइल बाजार परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। त्योहार हमें इस एकजुटता की भावना को मनाने और अगली पीढ़ी तक महत्वपूर्ण मूल्यों को पहुंचाने का अवसर देते हैं। इस रक्षाबंधन पर हमें अपने कर्मचारियों के बच्चों को एक साथ लाकर पुलिसकर्मियों के सम्मान और समुदायों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करने में खुशी हुई।

शराब के लिए पैसा नहीं देने पर पत्नी के मुंह में गोली मारकर हत्या

फतुहा। शराब के लिए पैसे मांगने पर पत्नी की मुंह में गोली मारकर हत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। बिहार में शराबबंदी को लेकर सरकार लगातार 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का दावा करती रही है। लेकिन जमीन पर सामने आने वाली घटनाएं इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। समस्तीपुर के मोरवा क्षेत्र में छठी समारोह के दौरान शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर पत्नी की कथित गोली मारकर हत्या की घटना ने एक बार फिर शराबबंदी की वास्तविक स्थिति पर बहस छेड़ दी है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि बिहार में शराबबंदी पूरी तरह सफल है, तो शराब आखिर पहुंच कहां से रही है? जब शराब उपलब्ध नहीं होने का दावा किया जाता है, तब शराब पीने के लिए पैसे मांगने और शराब के नशे में हिंसा करने की घटनाएं कैसे सामने आ रही हैं? सरकार को केवल कानून बनाने और आंकड़े प्रस्तुत करने के बजाय शराब की उपलब्धता के वास्तविक स्रोतों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। शराबबंदी लागू होने के बाद सरकार ने अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई का दावा किया है। पुलिस और प्रशासन द्वारा छापेमारी तथा गिरफ्तारी भी की जाती है। इसके बावजूद यदि समाज में शराब पहुंच रही है, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न है। डॉ. पटेल ने कहा कि 'जीरो टॉलरेंस' केवल भाषणों और सरकारी विज्ञापनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसका वास्तविक अर्थ तभी होगा, जब शराब की अवैध बिक्री, तस्करी और सप्लाई की पूरी श्रृंखला को समाप्त किया जाए। शराब के साथ बढ़ती हिंसा भी चिंता का विषय है। शराब के कारण घरेलू विवाद, मारपीट, आर्थिक बर्बादी और गंभीर अपराध जैसी घटनाएं सामने आती हैं। हाल की घटना ने यह सवाल फिर खड़ा किया है कि शराबबंदी का उद्देश्य केवल शराब की बोतल पकड़ना है या परिवारों को शराब की सामाजिक और आर्थिक बुराइयों से बचाना भी है। सरकार को शराबबंदी की सफलता का मूल्यांकन केवल गिरफ्तारियों और बरामदगी की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से करना चाहिए कि आम नागरिक तक शराब की पहुंच वास्तव में कितनी कम हुई है।

श्री श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र की भाव धारा पर आधारित भद्र परिक्रमा सत्संग का आयोजन

दानापुर। दानापुर के हाथीखाना मोड़ स्थित शुक्रबार को सत्संग मंदिर से श्री श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र की भाव धारा पर आधारित भद्र परिक्रमा सत्संग का आयोजन सगुना मोड़ पर आम लोगों के बीच किया गया है। संचालक राजेंद्र सिंह ने बताया कि आम लोगों को इसकी जानकारी देने के उद्देश्य से प्रभात फेरी भी निकाली गई। प्रभात फेरी में शामिल राजेंद्र सिंह, विनोद कुमार शर्मा, संजय कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, सुनील कुमार एवं रणधीर कुमार उर्फ मुन्ना आदि ने बताया कि भद्र परिक्रमा का यह कार्यक्रम 18 अगस्त से दानापुर सत्संग मंदिर हाथीखाना मोड़ के सौजन्य से शुरू हुआ था,जो यह 17 सितंबर तक चलेगा।

मीशो पर राखी के ऑर्डर्स में 36% की वृद्धि, नॉन-मेट्रो भारत और छोटे विक्रेताओं ने बढ़ाई त्योहारी मांग

» नॉन-मेट्रो बाजारों से आए लगभग 73% ऑर्डर्स, जबकि विक्रेताओं की भागीदारी में सालाना लगभग 72% की वृद्धि; परंपरा और पर्सनलाइजेशन ने त्योहारी खरीदारी को दिया नया आयाम

पटना।पिछले एक महीने के दौरान मीशो पर राखी की खरीदारी में तेजी देखने को मिली। इस दौरान प्लेटफॉर्म ने पिछले वर्ष की समान राखी शॉपिंग अवधि की तुलना में ऑर्डर्स में लगभग 36% की वृद्धि और जीएमवी में लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष मीशो पर राखी के कुल ऑर्डर्स में लगभग 73% हिस्सेदारी नॉन-मेट्रो भारत की रही। यह दर्शाता है कि देश के बड़े शहरों से आगे अब छोटे शहर भी त्योहारी ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सबसे तेज वृद्धि टियर 3 और टियर 4 बाजारों में दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के छोटे औद्योगिक शहर दादरी ने लगभग 105% सालाना वृद्धि के साथ सबसे आगे स्थान बनाया। इसके बाद नबरंगपुर (ओडिशा), कासगंज, धमतरी और नैनपुर (मध्य प्रदेश) जैसे शहरों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस राखी सीजन में ग्राहकों के भुगतान व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिला। मीशो पर 58% राखी ऑर्डर्स प्रीपेड माध्यमों से किए गए, जो प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन खरीदारी के प्रति ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। त्योहारी मांग ने अधिक कारोबारियों को भी प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित किया। राखी उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं की संख्या में सालाना 72% की वृद्धि दर्ज की गई। अधिक छोटे व्यवसायों और उद्यमियों ने अपने प्रोडक्ट कैटलॉग का विस्तार करते हुए देशभर में त्योहारी मांग का लाभ उठाया। नए डिजाइन और फॉर्मेट के बावजूद पारंपरिक राखियों की मांग मजबूत बनी रही। इस सीजन में ग्रीटिंग कार्ड के साथ आने वाला ब्रेसलेट-स्टाइल राखी सेट सबसे अधिक बिकने वाला उत्पाद रहा। इसके साथ ही ग्राहक अपने त्योहार को अधिक व्यक्तिगत और खास बनाने वाले विकल्प भी तलाशते नजर आए। पर्सनलाइज्ड नेम राखियों की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो ऐसे गिफ्टिंग विकल्पों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाती है जिन्हें खास तौर पर प्राप्तकर्ता के लिए तैयार किया गया हो। राखी 2026 ने मीशो पर त्योहारी ई-कॉमर्स के बढ़ते दायरे को एक बार फिर रेखांकित किया। छोटे शहरों से बढ़ती मांग, प्रीपेड ऑर्डर्स में वृद्धि और विक्रेताओं की बढ़ती भागीदारी ने यह दिखाया कि मीशो भारत के अधिक से अधिक उपभोक्ताओं और उद्यमियों को ई-कॉमर्स से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

95:95:99 अभियान-2026 के तहत एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा, पटना।बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के तत्वावधान में 95:95:99 अभियान-2026 के अंतर्गत बिहटा प्रखंड के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं युवा क्लब के सदस्यों के बीच एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों, जांच एवं उपचार से संबंधित सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना तथा एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बबलु कुमार ने बताया कि छात्र-छात्राओं व युवाओं को HIV के संक्रमण के प्रमुख कारण, बचाव के तरीके, समय पर जांच कराने की आवश्यकता तथा उपचार की उपलब्धता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने, स्वयं जागरूक रहने तथा अपने साथियों एवं समुदाय को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर टी.पी. उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिहटा की प्रभारी प्रधानाध्यापक श्रीमती अनिता राकेश ने अपने संबोधन में कहा कि "आज के युवा समाज के सबसे प्रभावशाली वर्ग हैं। एचआईवी/एड्स के प्रति सही जानकारी ही बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। विद्यालयों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी मिलती है और वे स्वयं जागरूक होकर अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक कर सकते हैं। हमें एचआईवी से संक्रमित लोगों के प्रति भेदभाव नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सहयोग की भावना रखनी चाहिए।" कार्यक्रम में युवाओं को "Breakfree – सेहत की ओर डिजिटल सफर" के माध्यम से एचआईवी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। डिजिटल माध्यम से युवाओं को Self Risk Assessment के बारे में भी जागरूक किया गया, जिससे वे अपने स्वास्थ्य एवं संभावित जोखिमों के संबंध में स्वयं आकलन कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की ओर कदम बढ़ा सकें। कार्यक्रम में युवा क्लब के सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। उपस्थित युवाओं ने एचआईवी/एड्स से संबंधित जानकारी प्राप्त कर अपने स्तर से समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सही जानकारी, समय पर जांच, सुरक्षित व्यवहार और उपचार तक पहुंच—एचआईवी/एड्स से बचाव एवं नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यामाहा वाईजेडएफ-आर2 का भारत में ग्लोबल डेब्यू; आर-सीरीज़ का नया अध्याय शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।इंडिया यामाहा मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने आज भारत में ऑल-न्यू और वैश्विक स्तर पर पहली वाईजेडएफ-आर2 के लॉन्च की घोषणा की, जिससे देश में कंपनी के प्रतिष्ठित आर -सीरीज़ पोर्टफोलियो को और मजबूती मिली है। 2,30,500 (एक्स-शोरूम, दिल्ली) की शुरुआती कीमत वाली वाईजेडएफ- आर2, अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल लाइनअप का विस्तार करने और भारतीय राइडर्स की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करने वाले उत्पाद पेश करने की यामाहा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस अवसर पर यामाहा मोटर इंडिया ग्रुप के चेयरमैन, श्री हाजिमे आओता ने कहा वाईजेडएफ-आर2 का लॉन्च यामाहा की दीर्घकालिक विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। वाईजेडएफ-आर2 केवल किसी नए सेगमेंट में प्रवेश मात्र नहीं है; यह उन राइडर्स के लिए तैयार की गई मोटरसाइकिल है जो यामाहा आर-सीरीज़ की मूल भावना के प्रति प्रतिबद्ध हैं। प्रामाणिक त्-सीरीज़ डीएनए, हल्के वजन की उच्च परफॉर्मेंस और बेहतरीन ईंधन दक्षता के संयोजन के साथ, यह हमारी सुपरस्पोर्ट दुनिया का एक रोमांचक और सुलभ द्वार खोलती है

पटना सिटी में आपकी सेवा और सरलता सदैव स्मरणीय रहेगी-- राजेश बल्लभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना सिटी। पटना स्थित गिरिराज उत्सव पैलेस में वरिष्ठ समाजसेवी राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव द्वारा अनुमंडल शांति समिति के बैनर तले पटना सिटी के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी सत्यम सहाय का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । सहाय के कुशल कार्यशाली, आत्मीय व्यवहार व सफल कार्यकाल हेतु पटना सिटी के विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा उनका सम्मान किया गया । वहीं वर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी कशिश बख्शी का भी सभी ने स्वागत किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव ने बताया कि सत्यम सहाय ने अपने कार्यकाल में कई ऐसे भी कार्य किए जिसमे कई निर्दोष को बचाने से ले कर कई सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़ कर भाग लेने का काम किया है । सत्यम सहाय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल को स्वर्णिम काल के रूप में आजीवन याद रखने की बात कही । समारोह में एएसपी राज किशोर सिंह, राकेश बल्लभ उर्फ़ डब्बू यादव, चुन्नू चंद्रवंशी, बिजय कुमार यादव, बलराम चौधरी, रवि शंकर प्रीत, अंजू शर्मा, विजय कुमार सिंह, संजय अलबेला, राजेश पांडेय,श्री संतोष शर्मा, प्रफुल्ल पांडेय, रव्यांशु प्रीत, विजय कृष्ण, उत्कर्ष दीप सहित सभी सम्मानित प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी मजबूत विकास की रफ्तार रखी बरकरार, जीडीपीआई में 10.9% की बढ़ोतरी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत की प्रमुख सामान्य बीमा कंपनियों में शामिल एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी अपनी मजबूत विकास गति बरकरार रखी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में हासिल गति को आगे बढ़ाते हुए प्रमुख कारोबारी क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत की। विविधीकृत पोर्टफोलियो, अनुशासित क्रियान्वयन और मजबूत पूंजी आधार से कंपनी के कारोबार को मजबूती मिली। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ नवीन चंद्र झा ने कहा, "हमने वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत मजबूत तरीके से की है और सभी प्रमुख मानकों पर निरंतर वृद्धि दर्ज की है। हमने मजबूत आधार तैयार किया है और उम्मीद है कि यह विकास गति हमें वित्त वर्ष के अंत में मजबूत प्रदर्शन तक ले जाएगी। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में हमारा जीडीपीआई 3,506 करोड़ रुपये और व्यापक आय 573 करोड़ रुपये रही। यह ग्राहक विश्वास और तेजी से क्रियान्वयन के आधार पर संतुलित विकास और लाभप्रदता पर हमारे फोकस को दर्शाता है। हम अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने तथा अपने ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीजों की सुरक्षा के वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के सीएफओ जितेंद्र अत्रा ने कहा, "हम सामान्य बीमा कंपनियों के बीच इंड एएस फ्रेमवर्क अपनाने वाले पहले संस्थान हैं। यह हमारी वित्तीय रिपोर्टिंग यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है और इससे हमारे हितधारकों के लिए पारदर्शिता और तुलनात्मकता को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में हमने व्यापक आय में 17.4% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। जीडीपीआई में 10.9% की वृद्धि प्रमुख कारोबारी क्षेत्रों में निरंतर गति को दर्शाती है। वहीं, कारोबार के विस्तार के साथ हमारा ध्यान वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर भी पूरी तरह केंद्रित है। 2.0 गुना के सॉल्वेंसी रेशियो के साथ हम वित्तीय मजबूती और अनुशासन बनाए रखते हुए टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।" वित्त वर्ष 2027 में आगे बढ़ते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का फोकस अनुशासन के साथ कारोबार का विस्तार करने, अंडरराइटिंग को मजबूत करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर बना हुआ है। बढ़ते और विविधीकृत पोर्टफोलियो, मजबूत पूंजी स्थिति तथा टेक्नोलॉजी और डिस्ट्रीब्यूशन में निरंतर निवेश के साथ एसबीआई जनरल इंश्योरेंस अपनी विकास गति को बनाए रखने, देश में बीमा की पहुंच बढ़ाने और भारत के बदलते सामान्य बीमा क्षेत्र में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए मजबूत स्थिति में है।

बैकुंठधाम में ओपी का हुआ शुभारंभ शिव भक्तों में खुशी की लहर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई है। बैकुंठधाम गौरीशंकर मंदिर में नए पुलिस आउट पोस्ट का विधिवत शुभारंभ किया गया। ओपी शुरू होने से क्षेत्र में कानून व्यवस्था और मजबूत होगी तथा लोगों को त्वरित न्याय मिल सकेगा। शुभारंभ समारोह के दौरान ओपी प्रभारी संतोष कुमार को फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के महासचिव प्रेम कुमार , न्यास समिति के सचिव राजा राम सिंह ,वरिष्ठ पत्रकार बीएन चौबे, अविनाश कुमार पांडेय, सुनील कुमार, कन्हैया पांडेय, नरेंद्र पांडेय, अजय राज, रंजन के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अब नहीं जाना पड़ेगा दूर थाना इससे पहले बैकुंठधाम के लोगों को छोटी-बड़ी शिकायतों के लिए दूर मुख्य थाना जाना पड़ता था। ओ पी खुलने के बाद अब शिकायत और सुरक्षा संबंधी सभी कार्य स्थानीय स्तर पर ही हो सकेंगे। रात में गश्ती भी बढ़ेगी जिससे चोरी और आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगेगा।पुलिस ने जनता से की सहयोग की अपील नए ओपी प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि पुलिस जनता की सेवा के लिए है। बैकुंठधाम ओपी के शुरू होने से पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरी कम होगी। अपराध मुक्त क्षेत्र बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है। इसमें आप सभी का सहयोग जरूरी है। अगर कहीं भी अपराध या गलत गतिविधि दिखे तो तुरंत ओपी को सूचना दें स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि खुलने से महिलाओं और बुजुर्गों को काफी सुविधा होगी और क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बनेगा। मौके पर राजेन्द राणा पासवान, अरविंद यादव, मदन पासवान , राजा सिंह,शिव कुमार सिंह समेत सैंकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे । ओपी का विधिवत उद्घाटन पुलिस के वरीय अधिकारी जल्द ही करेगे ।

29 अगस्त को होगा विश्व हिंदी परिषद का क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। विश्व हिंदी परिषद की ओर से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से 29 अगस्त 2026 को बिहार लोक भवन, पटना में क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री सैयद अता हसन होंगे, जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिंदी परिषद के संरक्षक श्री इंद्रेश कुमार करेंगे। सम्मेलन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एकता एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान सहित हिंदी और भारतीय भाषाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होगा। सम्मेलन में हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के वर्तमान परिदृश्य, हिंदी की वैश्विक संभावनाओं, नई पीढ़ी और हिंदी, क्षेत्रीय भाषाओं एवं बोलियों के संरक्षण तथा साहित्य-संस्कृति के माध्यम से राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर विद्वान, साहित्यकार, शिक्षाविद एवं भाषा-सेवी अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर हिंदी एवं भारतीय भाषाओं, साहित्य, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। पद्मश्री श्री शांतमनु जी, चुनाव आयुक्त, जम्मू-कश्मीर तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक श्री रमाकांत चंदन की पुस्तकों का विमोचन भी प्रस्तावित है। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार, मुख्य समन्वयक श्री शैलेश वत्स, बिहार-झारखंड केंद्रीय प्रभारी एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल किशोर वर्मा तथा सह-संयोजक प्रो. मधु प्रभा सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर सम्मेलन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के संवर्धन, भारतीय ज्ञान-परंपरा, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के विमर्श को व्यापक मंच प्रदान करना है।

रक्षाबंधन पर पावरलिफ्टिंग खिलाड़ियों को ट्रैकसूट देकर छात्राओं ने दी विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।रक्षाबंधन के पावन अवसर पर नेशनल सीनियर इक्विप्ड पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में भाग लेने जा रही बिहार की पावरलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों को ट्रैकसूट प्रदान कर शुभकामनाओं एवं उत्साहवर्धन के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर छात्राओं ने खिलाड़ियों को राखी बाँधकर उन्हें विजयी भव का शुभ संदेश दिया और राष्ट्रीय प्रतियोगिता से मेडल के साथ लौटने की कामना की। नेशनल सीनियर इक्विप्ड पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप २०२६ का आयोजन 29 अगस्त 2026 से गाजीपुर उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में बिहार की टीम भाग ले रही है। इस अवसर पर लायंस रीजन जीईटी कोऑर्डिनेटर लायन राजीव भार्गव, बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव अशोक कुमार मेहता कदमकुआँ थाना के प्रभारी जन्जय राय (इंस्पेक्टर) एवं उनके सहकर्मी अक्षय (सब-इंस्पेक्टर), अनिल (सब-इंस्पेक्टर), राजीव रंजन ओझा (सब-इंस्पेक्टर) एवं राज तिलक (कांस्टेबल) उपस्थित रहे। सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि बिहार की पावरलिफ्टिंग टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेगी और पदकों के साथ बिहार लौटकर राज्य का नाम गौरवान्वित करेगा।

मेहरा परिवार में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। प्रखंड के गौसपुर ईजरा पंचायत में मेहरा परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। राखी बांधने के बाद बहनों ने भाइयों से जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन लिया। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। परिवार में रक्षाबंधन को लेकर उत्साह का माहौल रहा। मेहरा परिवार की बड़ी बेटी राजकुमारी ने अपने भाइयों बीरेंद्र नाथ एवं जीतेंद्र नाथ की कलाई पर राखी बांधी। वहीं दूसरी पीढ़ी की खुशी, नंदनी, आयुषी मेहरा एवं पीहू मेहरा ने अपने भाइयों आशीष कुमार, आदर्श कुमार, गौतम कुमार, रितिक राज, आयुष मेहरा, पीयूष मेहरा एवं अमन मेहरा को राखी बांधी। रक्षाबंधन के इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के प्रेम, विश्वास एवं आपसी स्नेह के इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने पत्रकारों के साथ मनाया रक्षाबंधन, बांधी राखी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, पटन देवी कॉलोनी स्थित ओम शांति सेंटर में शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर पत्रकारों के साथ राखी बंधन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्र की प्रमुख बीके रानी दीदी ने पत्रकारों की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें शिव बाबा की सौगात भेंट की। समारोह से पूर्व केंद्र की ब्रह्माकुमारी बहनों ने उपस्थित पत्रकारों को 'ओम शांति' का पट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, आपसी प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया। राखी बंधन समारोह में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. एस.एन. श्याम, अमिताभ श्रीवास्तव, अंजनी मिश्रा, रमेश कुमार मिश्रा, आनंद केसरी, राज किशोर सिंह सहित वरिष्ठ छायाकार जुलकर नयन, अशोक कुमार समेत अन्य पत्रकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर केंद्र परिसर में आध्यात्मिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। उपस्थित पत्रकारों ने ब्रह्माकुमारी बहनों के इस आयोजन की सराहना करते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया

मोतीहारी। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही बाजारों और घरों में चहल-पहल रही। बहनों ने रंग-बिरंगी राखियों की खरीदारी की, वहीं घरों में रक्षाबंधन की तैयारियां होती रहीं।सुबह पूजा-अर्चना के बाद बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भाइयों ने बहनों का मुंह मीठा कराया और उन्हें उपहार भेंट किए। बाजारों में राखी की दुकानों पर भी काफी भीड़ देखी गई। रक्षाबंधन को लेकर खासकर छोटे बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। बहनें भाई की पसंद की राखियां खरीदने के लिए बाजार पहुंचीं। पर्व के दौरान भाई-बहन के प्रेम और आपसी स्नेह का सुंदर नजारा देखने को मिला।

अचानक लगी आग में घर जलकर राख, हजारों की संपत्ति का नुकसान

मोतीहारी।सुगौली नगर के नावडीह वार्ड संख्या-03 स्थित पुरवारी टोला में राम अवतार राम के घर में अचानक आग लगने से पूरा घर जलकर राख हो गया। अगलगी की घटना में घर में रखा सामान समेत अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।घर में आग लगने की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और आग बुझाने के प्रयास में लग गए। ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक घर और उसमें रखा काफी सामान जलकर नष्ट हो चुका था। घटना की सूचना पर जदयू नेता अलीहसन मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जैतापुर उपडाकघर के उपडाकपाल अमन कुमार ठाकुर पर यौन शोषण और धमकी का मामला दर्ज

मोतीहारी। रामगढ़वा प्रखंड अंतर्गत जैतापुर उपडाकघर में पदस्थापित उपडाकपाल अमन कुमार ठाकुर के खिलाफ पलनवा थाना में संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पलनवा थाना कांड संख्या 174/26 के तहत दर्ज इस मामले के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से चिरैया मिश्रौलिया के निवासी और जैतापुर उपडाकघर में कार्यरत आरोपी उपडाकपाल अमन कुमार ठाकुर पर 45 वर्षीय पीड़िता मनोरमा देवी (पति मानिरका दास) ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने डरा-धमकाकर उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और उनका यौन शोषण करता रहा। इस मामले में पीड़िता ने साक्ष्य के तौर पर आरोपी की कॉल डिटेल्स भी पुलिस को उपलब्ध कराई है, जिसके आधार पर तकनीकी जांच की जा रही है। मामला तब और गंभीर हो गया जब आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता की 15 वर्षीय नाबालिग बेटी पर भी गलत नीयत से दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब मां और बेटी ने इसका विरोध किया, तो आरोपी द्वारा उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी जाने लगीं। पीड़िता के पति बाहर रहकर मजदूरी करते हैं और हाल ही में घर लौटे हैं। आरोप है कि आरोपी ने परिवार की इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए पति का अपहरण करवाने और जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस इस संवेदनशील मामले की सभी पहलुओं से गहनता से जांच कर रही है। पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस केंद्र से 'पुलिस दीदी' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मोतीहारी।पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पुलिस केंद्र से 'पुलिस दीदी' अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि स्कूल एवं कॉलेजों के आसपास विद्यालय खुलने और छुट्टी के समय विशेष निगरानी रखी जाए। इस दौरान असामाजिक तत्वों एवं मनचलों पर विशेष नजर रखने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों की भी लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा कि 'पुलिस दीदी' अभियान का उद्देश्य विद्यालय और महाविद्यालय जाने वाली छात्राओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस की नियमित निगरानी और सक्रिय उपस्थिति से छात्राओं में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी तथा असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूल-कॉलेज के आसपास नियमित गश्त और निगरानी सुनिश्चित करें।

पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति का जहानाबाद आगमन

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विवेक चौधरी का जहानाबाद आगमन पर जिला अतिथि गृह में प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारियों की ओर से उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया गया। उनके आगमन को लेकर जिला अतिथि गृह परिसर में सुरक्षा एवं स्वागत की विशेष व्यवस्था की गई थी। पुलिस जवानों ने न्यायमूर्ति को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। जिला अतिथि गृह पहुंचने पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, जिला पदाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया तथा पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार ने न्यायमूर्ति विवेक चौधरी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पौधा भी भेंट किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के प्रति जागरूकता का संदेश देता है। न्यायमूर्ति के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक एवं न्यायिक पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद अधिकारियों ने न्यायमूर्ति से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर जिले की प्रशासनिक एवं न्यायिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों के साथ अपर समाहर्ता विनय कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा, अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी आकांक्षा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सैनिक भाइयों की कलाई पर सजा बहनों का प्यार, NCC कैडेटों ने बांधा स्वनिर्मित रक्षासूत्र

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की छात्राओं ने सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान और स्नेह का अनूठा संदेश दिया। कॉलेज की एनसीसी कैडेटों एवं एनएसएस वॉलेंटियरों ने गया कॉलेज परिसर में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचकर सैनिकों, एनसीसी प्रशिक्षकों एवं कैडेटों की कलाइयों पर अपने हाथों से बनाई रंग-बिरंगी राखियां बांधीं।प्रधानाचार्या डॉ. सीमा पटेल के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी एवं एनसीसी केयर टेकर ऑफिसर डॉ. नगमा शादाब ने सूबेदार अरविंद शर्मा, सूबेदार कुमुद कुमार, सूबेदार श्याम भगत, हवलदार योगेंद्र सिंह एवं सीताराम की कलाइयों पर रक्षासूत्र बांधकर की। इसके बाद छात्राओं ने सैनिक भाइयों और एनसीसी कैडेटों को तिलक लगाया अक्षत छिड़का और राखी बांधकर मिठाई खिलाई।इस अवसर पर डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने देश की सुरक्षा में दिन-रात जुटे सैनिकों के त्याग, वीरता और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि "देश के सैनिक हैं तभी देश और देश की माताएं-बहनें सुरक्षित हैं। हम सभी अपने सैनिक भाइयों के ऋणी हैं।" उन्होंने युवाओं में चरित्र अनुशासन नेतृत्व भाईचारा और देशभक्ति की भावना विकसित करने में एनसीसी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम में एनएसएस वॉलेंटियर शिवानी सिंह, भारती कुमारी, संचिता कुमारी, कशिश कुमारी, श्रुति कुमारी सहित एनसीसी कैडेट प्रीति कुमारी, साक्षी कुमारी, पूजा कुमारी, प्रिया कुमारी, रूबी, रितु, कुमकुम, स्नेहा, नंदनी, रिंकी, शाहीन परवीन, सुहानी कुमारी, रागिनी कुमारी, संध्या, अनुराधा, सलोनी एवं भारती ने भाग लिया।रक्षासूत्र बंधवाने के बाद सैनिक एनसीसी अधिकारी प्रशिक्षक और कैडेट काफी उत्साहित नजर आए। सभी ने छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन सावन महोत्सव के तहत कॉलेज की एनसीसी इकाई, एनएसएस इकाई एवं कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

आरसीएस कॉलेज में ABVP ने मनाया रक्षाबंधन, छात्राओं ने बांधी राखी

नई सोच एक्सप्रेस

मंझौल, बेगूसराय। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) उत्तर जिला केंद्र मंझौल नगर इकाई की ओर से आरसीएस कॉलेज मंझौल परिसर में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सगुन भारती, शालिनी राज और रितिका रानी ने किया। इस दौरान छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों और छात्र भाइयों को राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के प्रतीक पर्व को मनाया। ABVP बिहार प्रांत की विशेष आमंत्रित सदस्य श्वेतनिशा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल कलाई पर बांधा जाने वाला धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प है। वरिष्ठ छात्र नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता बचपन की खट्टी-मीठी यादों से लेकर जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों तक हमेशा अनमोल बना रहता है। जिला संयोजक अनुभव आनंद, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह गप्पू, कॉलेज प्राचार्य प्रो. कमलेश कुमार समेत अन्य वक्ताओं ने रक्षाबंधन को सामाजिक समरसता और पारिवारिक प्रेम का पर्व बताया। कार्यक्रम में सबइंस्पेक्टर रितिका कुमारी, अजय कुमार, रणधीर कुमार, सप्लाई इंस्पेक्टर हर्ष कुमार सहित शिक्षक, छात्र-छात्राएं और ABVP कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेतहाशा महँगाई के खिलाफ कॉंग्रेस पार्टी का विशाल मशाल जुलूस निकाल भारी विरोध किया

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। स्थानीय राजेन्द्र आश्रम स्थित कॉंग्रेस कार्यालय से बेतहासा मंहगाई के खिलाफ कॉंग्रेस पार्टी के तत्वाधान में विशाल मशाल जुलूस निकाला कर भारी विरोध किया गया। मशाल जुलूस राजेंद्र आश्रम, शहिद भगत सिंह तीन मुहानी, जिला स्कूल, होते हुए गया समाहरणालय के पास सभा में तब्दील हो गई। समाहरणालय के पास आयोजित सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार झुंना ने किया। बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष,डॉ शशि शेखर सिंह,प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा, उमा कांत गुप्ता, दामोदर गोस्वामी,सैफुल्ल इस्लाम, अजय सिंह, रणजीत सिंह,खिजीर हायात, टिंकू गिरी, मदीना खातून, सुनैना रानी अंजनी, धर्मेन्द्र निराला,अर्जुन गुप्ता,शंभु शरण सिंह,मदन सिंह, उदय शंकर पालित, संजय चंद्रवंशी,कृष्ण गुप्ता, उपेन्दर द्विवेदी, शमी खान,नवीन कुमार,शिव नाथ प्रसाद, आदि ने कहा कि विगत कुछ माह में एका एक रोजमर्रा के खाने-पीने के समान चीनी, गुड़, खाद्य तेल, आटा, चावल, दाल , बिस्कुट आदि के दामों में बेतहासा वृद्धि होने से गरीब, मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों के गृहिणियों के आँखों में आंसू तथा सरकार के प्रति भारी आक्रोश है। नेताओं ने कहा कि चीनी के दाम में वृद्धि होने के जो कारण सामने आ रही है, वो मुख्य रूप से ईख का एथनॉल बना कर पेट्रोल में मिलने का काम केंद्र सरकार द्वारा करने से दो नुकशान हो रहा है, एक चीनी का दाम दुगना हो गया दूसरा पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से गाड़ी का माइलेज कम एवं मशीनें भी खराब हो रहे हैं। नेताओं ने कहा कि बढ़ाती हुई महंगाइ से सम्पूर्ण देशवासी त्राहि- त्राहि कर रहे हैं, कॉंग्रेस पार्टी आमजनों के साथ संसद से सड़क तक चरणबद्ध आंदोलन चला कर हर हाल में मंहगाई को कम कराएंगे, अन्यथा मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे ।

बहनों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर उतरीं 'पुलिस दीदी', गया में अभया ब्रिगेड का विशेष पहरा

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। रक्षाबंधन के मौके पर गया में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने विशेष सतर्कता बरती। शुक्रवार को पुलिस केन्द्र गया से सुबह 7 बजे पुलिस दीदी पेट्रोलिंग टीम (अभया ब्रिगेड) को वरीय पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया गया।फ्लैग ऑफ के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने अभया ब्रिगेड की महिला पुलिसकर्मियों को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सक्रियता से काम करने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पुलिस के प्रति भरोसा मजबूत करने पर जोर दिया।अभया ब्रिगेड की टीम ने गया शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों में विशेष पेट्रोलिंग की। इस दौरान असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी भी की गई। पुलिस टीम ने प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैदी बनाए रखी।अभया ब्रिगेड की सक्रिय मौजूदगी का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और उनमें सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना रहा।वही पुलिस की महिला टीम ने लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जागरूकता को बढ़ावा दिया।वरीय पुलिस अधीक्षक पुलिस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण गया पुलिस की प्राथमिकता है। शहर में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और आमजन को सुरक्षित वातावरण देने के लिए इस तरह की पेट्रोलिंग लगातार जारी रखी जाएगी।

लनामिवि, दरभंगा के विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग द्वारा श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर संस्कृत दिवस समारोह आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रतियोगिता में कुमकुम, मुस्कान, रूपेश एवं दयानंद ने पाया टॉप 3 में स्थान, प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो से किया गया हौसला-अफजाई

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग के द्वारा श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर विभाग में संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ कृष्णकान्त झा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो हृषिकेश झा-मुख्य अतिथि, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो दयानंद झा-सारस्वत अतिथि, विभागीय प्राध्यापक डॉ आर एन चौरसिया-स्वागत कर्ता एवं विषय प्रवेशक के रूप में संबोधित किया। दीप प्रज्वलन से समारोह प्रारंभ हुआ। मंगलाचरण कुमकुम कुमारी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन जिग्नेश कुमार ने किया। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर एवं मोमेंटो से किया गया। इस अवसर पर रितु कुमारी, मुस्कान कुमारी, शंकर कुमार, रूपेश कुमार, ज्योति कुमारी, खुशबू कुमारी, श्वेता शिवानी, कुमकुम कुमारी, जिग्नेश कुमार, दयानंद कुमार, उदय कुमार उदेश, मंजू अकेला एवं योगेन्द्र पासवान आदि ने सक्रिय योगदान किया। समारोह में संस्कृत भाषा में निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित किये गये। भाषण प्रतियोगिता में कुमकुम कुमारी-प्रथम, मुस्कान कुमारी-द्वितीय एवं रूपेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि निबंध प्रतियोगिता में कुमकुम कुमारी-प्रथम, रूपेश कुमार-द्वितीय एवं दयानंद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रतियोगिताओं में क्रमशः शंकर कुमार एवं खुशबू कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर हौसला-अफजाई किया गया। डॉ कृष्णकान्त झा ने संस्कृत भाषा एवं साहित्य और संस्कृत दिवस के इतिहास एवं महत्व को विस्तार से रेखांकित करते हुए बताया कि संस्कृत सम्पूर्ण विश्व की सर्वाधिक प्राचीन, समृद्ध एवं मधुर भाषा है। इसका व्याकरण वैज्ञानिक एवं कंप्यूटर के लिए सर्वाधिक उपयोगी है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार के मंत्री कर्ण सिंह के प्रयास से श्रावणी पूर्णिमा के दिन सत्रारंभ दिवस के रूप में 1969 से संस्कृत दिवस मनाया जा रहा है। प्रो हृषिकेश झा ने कहा कि संस्कृत ज्ञान का आधुनिक समय में काफी प्रासंगिकता है। इंटरनेट एवं कंप्यूटर आदि के माध्यम से संस्कृत का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। प्रो दयानाथ झा ने कहा कि प्राचीन काल में संस्कृत लोकभाषा के रूप में प्रसिद्ध थी। इसमें संस्कार और संस्कृति विद्यमान है। यह परिष्कृत एवं शुद्ध भाषा है। डॉ आर एन चौरसिया ने कहा कि संस्कृत ज्ञान-विज्ञान समृद्ध एक पवित्र भाषा है, जिसे भारत की आत्मा कहा जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक परंपरा एवं मानवीय मूल्य की आधारशिला है। कहा कि यह केवल पूजा-पाठ या मंत्र की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान, तर्कशास्त्र का अक्षय भी स्रोत है।

रक्षाबंधन पर लायंस क्लब ने बहनों को दिया निःशुल्क सफर का तोहफा

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।रक्षाबंधन के अवसर पर लायंस क्लब छपरा टाउन की ओर से महिलाओं और बहनों की सुविधा के लिए छपरा नगर निगम क्षेत्र में दो टोटो का निःशुल्क परिचालन कराया गया। क्लब की इस पहल का उद्देश्य पर्व के दौरान महिलाओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना था। लायंस क्लब के अध्यक्ष आदित्य सोनी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है। इस अवसर पर माताओं और बहनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क टोटो सेवा शुरू की गई, ताकि उन्हें आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। सदस्य मनीष कुमार मनी ने कहा कि रक्षाबंधन महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सहयोग का संदेश देने का भी अवसर है। क्लब की ओर से समय-समय पर सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य किए जाते हैं।क्लब की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की और इसे सेवा, सहयोग एवं सामाजिक समर्पण का सराहनीय उदाहरण बताया। मौके पर लायन कोषाध्यक्ष अमित सोनी, अभिषेक किशोर, लियो उज्ज्वल मिश्रा, लियो सत्यम सोनी एवं लियो रोहित शर्मा मौजूद रहे।

बेटियो की सुरक्षा को लेकर सड़को पर उतरी 'अभया ब्रिगेड' की पुलिस दीदिया

नई सोच एक्सप्रेस

» मधुबनी में निकाला गया फ्लैग मार्च, महिलाओ व बेटियो को दिया सुरक्षा का भरोसा

मधुबनी/बिहार।महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा को लेकर मधुबनी में शुक्रवार को 'अभया ब्रिगेड' की पुलिस दीदियों ने फ्लैग मार्च निकाला। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में नई स्कूटी के साथ निकली पुलिसकर्मियों ने शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरकर महिलाओं और बेटियो को सुरक्षा एवं सहयोग का संदेश दिया।फ्लैग मार्च का शुभारंभ पुलिस केंद्र परिसर से किया गया। इस दौरान एएसपी रश्मि ने फीता काटकर पुलिस दीदियो के दल को रवाना किया। उन्होने कहा कि 'अभया ब्रिगेड' महिलाओं एवं बेटियोको सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। किसी भी मुश्किल की घड़ी में पुलिस उनके साथ खड़ी रहेगी। बताया गया कि महिलाओं एवं लड़कियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर 'अभया ब्रिगेड पुलिस दीदी' की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में पुलिस दीदियों के लिए बड़ी संख्या में स्कूटर एवं मोटरसाइकिल उपलब्ध कराई गई हैं।फ्लैग मार्च के माध्यम से महिलाओं एवं बेटियों को आपात स्थिति में बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने तथा आम लोगों को भी महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गांधी मैदान में गूंजे शहीदों के शौर्य की गाथा, कारगिल स्मारक बनाने की उठी मांग

नई सोच एक्सप्रेस

गया। शहर के ऐतिहासिक गांधी मैदान के दक्षिण पश्चिम हिस्से में वर्षों से इस्तेमाल हो रहे कूड़ा डंपिंग स्थल को हटाकर वहां कारगिल शहीद स्मारक स्थल विकसित करने की मांग कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार जिला प्रशासन और गया नगर निगम से की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस स्थल पर गया जिले के कारगिल शहीद कुतलूपुर टिकारी निवासी राम पुकार शर्मा और धर्मशाला परैया निवासी मिथिलेश पंडित की स्मृति में स्मारक बनाया जाए।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि बिहार के कारगिल शहीदों की सूची में अब तक दोनों शहीदों के नाम पटना गांधी मैदान के समीप स्थित कारगिल चौक पर दर्ज नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष शहादत दिवस पर दोनों शहीदों का नाम कारगिल चौक पर शामिल करने की मांग उठाई जाती रही है, लेकिन सरकार की ओर से इस दिशा में अब तक अपेक्षित पहल नहीं हुई।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि हाल में विधानसभा अध्यक्ष सह गया विधायक डॉ. प्रेम कुमार के नेतृत्व में हुई जिला प्रशासन की बैठक में गांधी मैदान से कूड़ा डंपिंग हटाने की घोषणा की गई है। ऐसे में खाली होने वाले स्थल को कारगिल शहीदों की स्मृति में विकसित करना शहर के लिए गौरव की बात होगी।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गया का गांधी मैदान पहले से ही ऐतिहासिक महत्व रखता है। यहां प्रसिद्ध गांधी मंडप और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अस्थि कलश से जुड़ा स्मृति स्थल मौजूद है। गांधी मंडप का निर्माण प्रसिद्ध शिल्पकार उपेंद्र महारथी की देखरेख में हुआ था और वर्ष 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन किया था। परिसर के दोनों छोरों पर ऐतिहासिक कैथोलिक चर्च भी स्थित हैं।वही नेताओं ने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक परिसर में कारगिल शहीदों की स्मृति में स्थल का निर्माण होने से गांधी मैदान की ऐतिहासिक महत्ता के साथ देशभक्ति और शौर्य की स्मृति भी जुड़ जाएगी

संक्षिप्त समाचार

कवि सत्यनारायण का निधन, हिन्दी काव्य के एक युग का अवसान

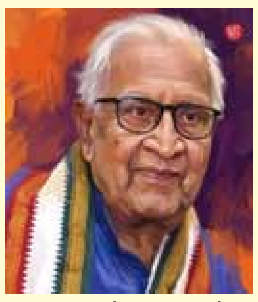

पटना। बिहार के राज्य-गीत के अमर रचनाकार एवं वरिष्ठ कवि सत्यनारायण का निधन हिन्दी साहित्य के लिए अपूरणीय क्षति है। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष अनिल सुलभ ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि 'बिहार-गीत' सहित उनकी समस्त रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों की कंठ-हार बनी रहेंगी। 13 सितंबर 1935 को भोजपुर के कौलोडिहरी गांव में जन्मे सत्यनारायण ने 1974 आंदोलन के दौरान नुक्कड़ कवि सम्मेलनों से व्यापक पहचान बनाई। उनकी रचनाओं में जनचेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सरोकारों की सशक्त अभिव्यक्ति मिलती है। उनकी प्रमुख कृतियों में 'तुम ना नहीं कह सकते', 'टूटते जल बिम्ब', 'नुक्कड़-कविता', 'धरती से जुड़कर', 'सुनें प्रजाजन', 'सभाध्यक्ष हँस रहा है' और 'स्मृतियों में' शामिल हैं। 'सभाध्यक्ष हँस रहा है' और 'लोकतंत्र अबरा के मेहरी' जैसी रचनाएँ 1974 आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के बीच बेहद लोकप्रिय रहीं। उन्हें नागार्जुन सम्मान, गोपाल सिंह नेपाली पुरस्कार, रमण साहित्यकार पुरस्कार और डॉ. शंभुनाथ सिंह नवगीत पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया था।

मेजर ध्यानचंद खेलोत्सव : सोनपुर मंडल में अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

पटना। शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद खेलोत्सव (खेलो इंडिया) के अंतर्गत सोनपुर मंडल में अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गुब्बारे उड़ा कर किया गया। अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता के विकास का सशक्त मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। यह अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता 28 अगस्त से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें सोनपुर मंडल के विभिन्न विभागों की टीमें भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

रक्षाबंधन पर ब्रह्मकुमारी की बहनों ने आर्मी जवानों को बांधा रक्षा सुत्र

दानापुर। रक्षाबंधन के पर्व पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने झारखंड एण्ड बिहार सब एरिया जीओसी मेजर जनरल जितेंद्र सिंह एवं डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर अमित बेदी अधिकारी एवं दर्जनों जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान जवानों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सुरक्षित जीवन की कामना की तथा देश की सेवा में निरंतर तत्पर रहने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया गया। मौके पर ईश्वरीय संस्था की शिवानी, रुबी एवं प्रतिमा बहन ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास, स्नेह और कर्तव्य के प्रति समर्पण का भी संदेश देता है। इस अवसर पर पूर्व सैनिक संघ का प्रदेश मिडिया प्रभारी उपेन्द्र सिंह के अलावा अन्य सैन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

टीवीएस मोटर ने लॉन्च की टीवीएस ज्युपिटर डुअल टोन स्पैक्ट्रल रेंज

पटना। टीवीएस वेनु के भाग और दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली ग्लोबल लीडर, टीवीएस मोटर कंपनी ने आज टीवीएस ज्युपिटर डुअल-टोन स्पेक्ट्रल रेंज लॉन्च की है, जो भारत के सबसे प्रगतिशील फैमिली स्कूटर में एक नया और शानदार एडिशन है। इस नई रेंज के साथ 110 सीसी स्कूटर सेगमेंट में दो नए डुअल-टोन स्पेक्ट्रल कलर - स्पेक्ट्रल ब्लू और स्पेक्ट्रल कॉपर - पेश किए गए हैं। इस तरह टीवीएस ज्युपिटर शानदार रंगों के साथ स्टाइल, आराम और टेक्नोलॉजी का संयोजन लाने वाला सेगमेन्ट का पहला स्कूटर बन गया है। नए मॉडल के बारे में बात करते हुए, अनिरुद्ध हल्दर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, हैड कम्यूटर एंड ईवी बिज़नेस और हैड कॉर्पोरेट ब्रांड एंड मीडिया, टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, "युवाओं और शहरी भारतीय परिवारों का झुकाव नए अनुभवों, डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी की ओर लगातार बढ़ रहा है, रोज़मर्रा की मोबिलिटी को लेकर उनकी उम्मीदें बदल रही हैं। टीवीएस ज्युपिटर ने भारत में स्कूटर के चलन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है, लाखों परिवारों का प्यार और भरोसा जीता है और 'भारत का स्कूटर' होने का दर्जा हासिल किया है।

ट्रेन के झटके से हुई मौत। बहन के यहां राखी बंधवाने जा रहा था युवक

नवादा। जिले के वारिसलीगंज में घर से शुक्रवार को निकलकर गयाजी में रह रही बहन से राखी बंधवाने निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना गया क्यूल रेल खंड के बाघी बरडिहा गुमटी के पास उस वक्त घटी जब गया की तरफ से आ रही एक मालवाहक ट्रेन और क्यूल की ओर से आ रही पैसेंजर के क्रॉसिंग से दिगभ्रमित युवक की कनपटी में गार्ड वाले बोगी से झटका लगा और पत्थर पर गिरते ही युवक ने दम तोड़ दिया। खेती कार्य के सहारे जीवन यापन चलाने वाला 40 वर्षीय युवक पप्पू सिंह वारिसलीगंज थाने के मय गांव का रहने वाला था। मृतक पप्पू अपने पीछे तीन संतान छोड़ गया है। जिसमें एकमात्र पुत्री की शादी वे पिछले वर्ष कर चुका था।

रक्षाबंधन पर वृक्षों की कलाई हुई रंगीन, गया में मनाया गया बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी। रक्षाबंधन के पर्व पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ प्रकृति से भी सुरक्षा का रिश्ता जोड़ा गया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार के तत्वावधान में शुक्रवार को गया वन प्रमंडल के विभिन्न वन क्षेत्रों में बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस मनाया गया। इस दौरान स्कूली छात्राओं, वनकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय मोहरा व फतेहपुर, नवोदय विद्यालय जहानाबाद, अंबेडकर छात्रावास भूसुंडा, प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय इमामगंज तथा बुद्ध वाटिका पार्क पीपरघट्टी, डोभी समेत विभिन्न स्थानों पर किया गया। छात्राओं और उपस्थित लोगों ने पेड़ों को परिवार के सदस्य की तरह मानते हुए उनकी देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण के प्रहरी नहीं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। पेड़ वायु को शुद्ध करने जलवायु संतुलित रखने मिट्टी और जल संरक्षण तथा जैव-विविधता को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए पौधे लगाना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है लगाए गए पौधों को पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना। कार्यक्रम के माध्यम से "वृक्ष लगाएं, वृक्ष बचाएं और वृक्षों की सुरक्षा को जन-आंदोलन बनाएं" का संदेश दिया गया। विद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय समुदायों को वृक्ष संरक्षण से जोड़ने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने आसपास के पेड़ों की रक्षा करने, अनावश्यक कटाई रोकने में सहयोग देने और दूसरों को भी वृक्ष संरक्षण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। वन विभाग ने कहा कि पेड़ को बांधा गया रक्षासूत्र महज धागा नहीं बल्कि प्रकृति की रक्षा और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है।

मेहनत लाई रंग: सीएचओ नवीन का स्टाफ नर्स पद पर चयन

नई सोच एक्सप्रेस

बनमा ईटहरी। प्रखंड के पहलाम गांव निवासी नवीन कुमार का बिहार तकनीकी सेवा आयोग की स्टाफ नर्स भर्ती में चयन हुआ है। नवीन की सफलता से परिवार के साथ ही क्षेत्र के लोगों में खुशी है। नवीन कुमार वर्तमान में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सरबेला एवं महारस में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। नौकरी के साथ पढ़ाई जारी रखते हुए उन्होंने स्टाफ नर्स भर्ती में सफलता हासिल की है। चयन सूची में नाम आने के बाद उनके सहकर्मियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। नवीन कुमार के पिता अशोक कुमार गुप्ता, माता इंदु देवी और बड़े भाई दिवाकर कुमार गुप्ता ने उनकी सफलता पर खुशी जताई। परिजनों ने बताया कि नवीन शुरू से ही मेहनती रहे हैं और उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर लगातार प्रयास किया। सरबेला और महारस में स्वास्थ्य सेवा के दौरान लोगों से जुड़े रहने वाले नवीन की सफलता पर स्थानीय लोगों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है। लोगों का कहना है कि नवीन कुमार ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल कर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। स्टाफ नर्स पद पर चयन के बाद नवीन कुमार को सहकर्मियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

धूमधाम से मनाया गया रक्षा बंधन का पर्व, भाई-बहन के अटूट प्रेम का दिखा अनोखा संगम

नई सोच एक्सप्रेस

बनमा ईटहरी (सहरसा)। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पावन पर्व रक्षा बंधन बनमा ईटहरी प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवनभर उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। रक्षा बंधन को लेकर सुबह से ही घरों में विशेष तैयारी की गई थी। बहनों ने पूजा की थाली सजाई, जिसमें राखी, रोली, चंदन, अक्षत, मिठाई एवं अन्य पूजन सामग्री रखी गई थी। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं। इसके बाद भाइयों ने बहनों को उपहार एवं मिठाई भेंट कर उनके प्रति अपने प्रेम और स्नेह का इजहार किया। प्रखंड क्षेत्र के बनमा ईटहरी, कुशमी, सरबेला, महरास, घोरदौड़, पहलाम सहित विभिन्न गांवों में रक्षा बंधन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। गांव से लेकर बाजार तक पर्व की रौनक बनी रही। राखी, मिठाई, कपड़े और उपहार की दुकानों पर लोगों की भीड़ जुटी रही। बाजारों में बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आकर्षक एवं रंग-बिरंगी राखियों की खरीदारी के लिए बहनों की भीड़ दुकानों पर लगी रही। पर्व के अवसर पर कई परिवारों में दूर-दराज में रहने वाले भाई-बहन भी एक-दूसरे से मिलने पहुंचे। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों की हर परिस्थिति में साथ देने और उनकी रक्षा करने का वचन दिया। इस दौरान कई परिवारों में सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना भी की गई। रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का भी प्रतीक है। बदलते समय के साथ भले ही पर्व मनाने के तरीके बदल रहे हों, लेकिन भाई-बहन के बीच प्रेम और अपनापन आज भी इस पर्व की सबसे बड़ी पहचान बना हुआ है। पर्व को लेकर बच्चों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। नन्हीं बहनों ने अपने भाइयों को आकर्षक राखियां बांधीं, जबकि भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान और मिठाइयां बनाई गईं तथा परिवार के सदस्यों ने एक साथ बैठकर पर्व की खुशियां साझा कीं। रक्षा बंधन के अवसर पर बनमा ईटहरी प्रखंड क्षेत्र में पूरे दिन उत्सव का माहौल बना रहा। लोगों ने एक-दूसरे को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत बनाने का संदेश दिया। कुल मिलाकर प्रखंड क्षेत्र में रक्षा बंधन का पर्व प्रेम, स्नेह और उल्लास के वातावरण में शांतिपूर्ण एवं पारंपरिक तरीके से संपन्न हुआ।

सावन बीता तो पनियहवा में बढ़ी मछली की मांग, दुकानों पर उमड़े शौकीन

नई सोच एक्सप्रेस

पिपरासी। सावन का महीना समाप्त होते ही पनियहवा बाजार में मछली की दुकानों और होटलों की रौनक लौट आई है। शुक्रवार को सुबह से ही मछली खरीदने वालों की आवाजाही शुरू हो गई। सावन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने धार्मिक आस्था के चलते मांसाहार से दूरी बनाए रखी थी। अब महीना समाप्त होने के बाद लोगों ने फिर से मछली का स्वाद लेना शुरू कर दिया है। पनियहवा बाजार की मछली दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों ने मांग को देखते हुए विभिन्न प्रजातियों की ताजी मछलियां बिक्री के लिए रखी थीं। खरीदारी बढ़ने से दुकानदारों में भी उत्साह नजर आया। वहीं, बाजार के मछली होटलों में भी दोपहर के बाद ग्राहकों की संख्या बढ़ने लगी। शाम होते-होते कई दुकानों और होटलों पर चहल-पहल और बढ़ गई। मछली खरीदने के साथ लोग होटल में बैठकर पसंदीदा व्यंजनों का आनंद लेते दिखे। कारोबार बढ़ने की उम्मीदः दुकानदारों का कहना है कि सावन समाप्त होने के बाद मछली की मांग में तेजी आई है। आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है। मांग बढ़ने से कारोबारियों को भी बेहतर बिक्री की आस जगी है।

सलखुआ में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

नई सोच एक्सप्रेस

सलखुआ। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शुक्रवार की सुबह से ही पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखा गया। बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और उनकी लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधा। भाइयों ने भी अपनी बहनों को रक्षा का वचन दिया और स्नेह स्वरूप उपहार भेंट किए। त्योहार को लेकर बाजारों में मिठाई और राखियों की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी रही। प्रखंड के विभिन्न गांवों में सुबह से ही पारंपरिक गीतों और चहल-पहल से वातावरण भक्तिमय और आनंदमय बना रहा। दूर-दराज से आए भाई-बहनों के मिलन से परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मानकों को ताक पर रख घुटने भर पानी में ढल रहा नाला, आक्रोशित लोगों ने काम कराया बंद

नई सोच एक्सप्रेस

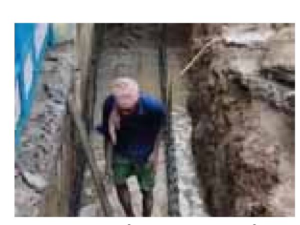

भागलपुर। भागलपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर चार स्थित नाथनगर अनाथालय रोड में बन रहे मुख्य नाले के निर्माण में बड़ी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। ठेकेदार द्वारा मानकों को ताक पर रखकर कराए जा रहे घटिया निर्माण से नाराज स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर काम को पूरी तरह बंद करा दिया। लोगों का आरोप है कि करीब 30 लाख रुपये की लागत वाली इस योजना में भारी अनियमितता बरती जा रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नाले की खुदाई के बाद उसमें बारिश का पानी लबालब भरा हुआ था। नियम के मुताबिक, पानी को मोटर या अन्य संसाधनों से बाहर निकालने के बाद ही ढलाई या लेवलिंग का काम शुरू होना चाहिए था। लेकिन ठेकेदार के कर्मियों ने पानी निकाले बिना ही उसमें सीधे सीमेंट, बालू और छर्री से बना मसाला (कंक्रीट) डालना शुरू कर दिया। इस धांधली का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मजदूर घुटने भर पानी के बीच ही कंक्रीट का मसाला डाल रहे हैं, जिससे सीमेंट पानी में बह जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। जब लोगों ने मौके पर मौजूद मुंशी से निर्माण कार्य का एस्टीमेट (प्राक्कलन) दिखाने को कहा, तो उसने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद लोग आक्रोशित हो गए और हंगामा करते हुए काम रुकवा दिया। स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने इस मामले में मेयर डॉ. वसुंधरा लाल से उच्च स्तरीय जांच और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है। काम बंद होने और हंगामे की सूचना मिलते ही वार्ड पार्षद मनीष यादव तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पार्षद मनीष यादव ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कनीय अभियंता से बात की है। निर्माण कार्य में जो भी गड़बड़ी पाई जाएगी, उसे हर हाल में दुरुस्त कराया जाएगा। उन्होंने स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। मामला तूल पकड़ते देख नगर निगम के अधिकारी भी आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने निर्माण स्थल का जायजा लिया और ठेकेदार और विभागीय कर्मियों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि एस्टीमेट और मानकों के अनुरूप ही गुणवत्तापूर्ण काम कराया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि कमोबेश यही स्थिति इस समय पूरे भागलपुर शहर में बन रहे नालों की है। हर जगह संवेदक अपनी मनमानी कर रहे हैं, जिससे सरकारी राशि का बंदरबांट हो रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि संबंधित इंजीनियर और नगर निगम का तकनीकी विभाग इस पूरी लापरवाही पर मौन साधे बैठा है, जिससे उनकी कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

महिला विकास मंच ने सरहद के रखवालो की कलाई पर बांधा स्नेह का रक्षा सूत्र, सीमा पर गूंजा भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

» रक्षाबंधन पर भारत-नेपाल सीमा बनी भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की साक्षी, सम्मान के साथ हुआ पौधरोपण

मधुबनी/बिहार। जयनगर भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व पर भारत-नेपाल सीमा पर भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। घर-परिवार से दूर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर देश की सुरक्षा में तैनात एसएसबी के जवानों के साथ-साथ सीमा चौकी पर ड्यूटी कर रहीं महिला जवानो की कलाई पर भी महिला विकास मंच की सदस्यो ने रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें भाई-बहन के रिश्ते का अपनत्व दिया। महिला सशक्तिकरण एवं महिला अधिकारो के क्षेत्र में कार्यरत महिला विकास मंच, मधुबनी जिला इकाई की सदस्यों ने जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी के नेतृत्व में जयनगर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी 48वीं बटालियन के अधिकारियो, पुरुष जवानो एवं महिला जवानो के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान महिलाओं ने जवानों एवं महिला कर्मियो को तिलक लगाया, राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह व्यक्त किया। मिथिला की परंपरा के अनुरूप सभी का सम्मान भी किया गया। सीमा चौकी पर ड्यूटी कर रही महिला जवानो की कलाई पर राखी बांधना कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। महिला विकास मंच की सदस्यों ने कहा कि देश की रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने में हमारी बेटियां भी किसी से पीछे नहीं हैं। ये महिला जवान भी अपने परिवार और अपनों से दूर रहकर सीमा पर पूरी जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाती है। रक्षाबंधन के दिन उनकी कलाई पर राखी बांधकर उन्हे यह एहसास कराया गया कि वे अपने घर से भले ही दूर हैं, लेकिन देश की बहनें और परिवार उनके साथ खड़ा है। महिला विकास मंच की सदस्यों ने कहा कि बेटे से बेटी कम नहीं होती और देश की सीमा पर ड्यूटी करने वाला कोई भी जवान अपने परिवार से कम नहीं होता। पुरुष जवान हों या महिला जवान, सभी अपने घर-परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा में अपना कर्तव्य निभा रहे है। इसलिए पर्व-त्योहार के अवसर पर उन्हें परिवार की कमी महसूस न हो, यही सोचकर उनके साथ रक्षाबंधन मनाया गया। उन्होंने कहा कि सीमा पर जवानो के मुस्तैद रहने के कारण ही देशवासी अपने घरो में सुरक्षित होकर चैन की नींद सो पाते हैं। जवान जब कठिन परिस्थितियों में भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं, तो उनके त्याग और समर्पण के प्रति समाज का भी दायित्व बनता है कि उन्हें सम्मान और अपनत्व का एहसास कराया जाए। राखी का यह धागा इसी प्रेम, विश्वास, सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान एसएसबी अधिकारियों एवं जवानो ने महिला विकास मंच की सदस्यो का स्वागत एवं सम्मान किया। अधिकारियो ने संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यो की सराहना की। संस्था की ओर से एसएसबी अधिकारियों एवं जवानो को सम्मानित भी किया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर सामाजिक सरोकार को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए फलदार पौधो का रोपण भी किया गया। महिला विकास मंच की सदस्यों एवं उपस्थित लोगो ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और समाज में अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए लोगो को प्रेरित किया। इस अवसर पर महिला विकास मंच जयनगर, मधुबनी एवं रोटी बैंक जयनगर के सदस्य भी उपस्थित रहे। भारत-नेपाल सीमा पर आयोजित यह कार्यक्रम रक्षाबंधन को भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़ाते हुए देश की सुरक्षा में तैनात पुरुष एवं महिला जवानो के प्रति समाज के सम्मान, कृतज्ञता और अपनत्व का सुंदर संदेश दे गया।

नहाने के दौरान तीन किशोरियां बहीं, एक का शव मिला, दो लापता

नई सोच एक्सप्रेस

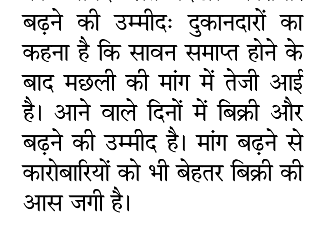

भागलपुर। जिले के कहलगांव अनुमंडल अंतर्गत पीरपैंती प्रखंड में रक्षाबंधन के ही दिन एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। श्रीमतपुर-हजूरनगर पंचायत के ओलनी टोला स्थित मरगंग घाट पर शुक्रवार दोपहर नहाने गईं तीन किशोरियां नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गईं। स्थानीय गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद एक किशोरी का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। बताया जा रहा है कि ओलनी टोला निवासी तीन किशोरियां दोपहर करीब 12 बजे मरगंग घाट पर स्नान करने गई थीं। नहाने के क्रम में नदी के तेज बहाव के कारण अचानक उनका पैर फिसल गया और देखते ही देखते तीनों गहरे पानी में समा गईं। घाट पर मौजूद अन्य लोगों ने जब उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाना शुरू किया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत अपने स्तर से बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन नदी की रफ्तार तेज होने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। नदी में लापता होने वाली किशोरियों में दो सगी बहनें शामिल हैं। स्थानीय गोताखोरों ने काफी खोजबीन के बाद 16 वर्षीय चंदा कुमारी का शव पानी से बाहर निकाल लिया है। वहीं, उसकी बड़ी सगी बहन मोनाली कुमारी (18 वर्ष) और पड़ोस की अभिलाषा कुमारी (8 वर्ष) अब भी लापता हैं। हादसे की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मरगंग घाट पर सैकड़ों स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पीड़ित परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन और पुलिस को दे दी गई है। वहीं एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचकर लापता दोनों बच्चियों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

अफगान महिलाओं की कैद होती आजादी: चिंता नहीं, अब ठोस कार्रवाई जरूरी

आरती कुमारी

अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का संकट एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चिंता के केंद्र में है। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबान अधिकारियों द्वारा कथित रूप से हिजाब संबंधी नियमों के उल्लंघन के आरोप में कम से कम 30 महिलाओं को हिरासत में लिए जाने की खबर ने उस बहस को फिर तेज कर दिया है, जो पिछले कईवर्षों से दुनिया के सामने खड़ीहै। सवाल केवल यह नहीं है कि हेरात में वास्तव में क्या हुआ, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि अफगान महिलाओं की स्वतंत्रता, गरिमा और अधिकारों के लगातार सीमित होते दायरे को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका आखिर कितनी प्रभावी रही है। संयुक्त राष्ट्र महिला यानी UN Women की रिपोर्ट में सामने आए विवरण के अनुसार, हेरात के इंजिल जिले में तालिबान अधिकारियों ने महिलाओं के पहनावे से जुड़े नियमों को लागू करने के लिए सुरक्षा अभियान चलाया। इसी दौरान महिलाओं को हिरासत में लिए जाने की बात सामने आई। हालांकि स्थानीय तालिबान अधिकारियों ने ऐसी गिरफ्तारियों की खबरों से इनकार किया है। इसलिए इस घटना से संबंधित आरोपों को फिलहाल रिपोर्टों में सामने आए दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। किसी भी गंभीर आरोप की स्वतंत्र पुष्टि और निष्पक्ष जांच जरूरी है। लेकिन यह सावधानी अफगानिस्तान में महिलाओं की व्यापक स्थिति पर चर्चा करने की आवश्यकता को समाप्त नहीं करती। कथित हिरासत के बाद हुए विरोध-प्रदर्शन ने मामले को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के मुताबिक प्रदर्शन में महिलाओं के साथ पुरुष और बच्चे भी शामिल थे। तालिबान सुरक्षा बलों पर गोली चलाने और लाठीचार्ज करने के आरोप भी लगाए गए हैं। इन घटनाओं में कम से कम दो लोगों के मारे जाने और 20 से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें सामने आई हैं। यदि स्वतंत्र जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो मामला केवल महिलाओं के पहनावे को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं रहेगा। यह शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार, नागरिक स्वतंत्रता और राज्य की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मानवाधिकार प्रश्न बन जाएगा।

पहनावा व्यक्तिगत पसंद है या सत्ता का आदेश?-हेरात की घटना एक बुनियादी सवाल सामने रखती है—किसी महिला के पहनावे का फैसला आखिर कौन करे? स्वयं महिला या सत्ता? हिजाब किसी महिला की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान अथवा व्यक्तिगत पसंद हो सकता है। अगर कोई महिला अपनी इच्छा से हिजाब पहनना चाहती है तो उसे ऐसा करने की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। लेकिन उसी सिद्धांत के आधार पर यह भी स्वीकार करना होगा कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध किसी विशेष प्रकार के कपड़े पहनने के लिए मजबूर करना उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप है।\महिला अधिकारों की वास्तविक बहस इसलिए हिजाब के पक्ष या विपक्ष की बहस नहीं है। इसका मूल प्रश्न महिला की पसंद और निर्णय लेने की स्वतंत्रता है। एक लोकतांत्रिक और मानवाधिकार आधारित व्यवस्था में सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए—न किसी महिला को हिजाब पहनने के लिए मजबूर किया जाए और न हिजाब उतारने के लिए। राज्य का काम नागरिक की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करना है, न कि उसके व्यक्तिगत जीवन के हर निर्णय पर नियंत्रण स्थापित करना। जब सत्ता व्यक्ति के कपड़े, विचार, शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में उसकी भागीदारी तक को नियंत्रित करने लगे तो मामला केवल सामाजिक नियमों का नहीं रह जाता, बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न बन जाता है। अफगान महिलाओं की समस्या हिजाब से कहीं बड़ी है अफगानिस्तान में महिलाओं के सामने चुनौती केवल ड्रेस कोड तक सीमित नहीं है। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद महिलाओं और लड़कियों के सार्वजनिक जीवन पर अनेक कठोर प्रतिबंध लगाए गए। शिक्षा, रोजगार, खेल, सार्वजनिक गतिविधियों और आवाजाही से संबंधित प्रतिबंधों ने महिलाओं के जीवन का दायरा बेहद सीमित कर दिया है। सबसे गंभीर प्रभाव लड़कियों की शिक्षा पर पड़ा है। शिक्षा से वंचित की जा रही एक पूरी पीढ़ी के सामने भविष्य को लेकर अनिश्चितता खड़ी हो गई है। एक बच्ची जो आज स्कूल नहीं जा पा रही है, वह आने वाले वर्षों में डॉक्टर, शिक्षक, इंजीनियर, पत्रकार, वैज्ञानिक या प्रशासक बनने का अवसर खो सकती है।

इसका अर्थ केवल एक लड़की के सपने का टूटना नहीं है। यह पूरे देश की मानव क्षमता का नुकसान है। किसी भी समाज का विकास तभी संभव है जब उसकी आधी आबादी विकास की प्रक्रिया में समान रूप से भाग ले। महिलाओं को शिक्षा और रोजगार से दूर करके कोई देश आर्थिक रूप से मजबूत नहीं बन सकता। महिलाओं की रोजगार में भागीदारी परिवार की आय बढ़ाती है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार लाती है तथा अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक बनाती है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि महिलाओं की शिक्षा केवल महिला अधिकार का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक भविष्य का प्रश्न भी है।

जिस समाज की आधी आबादी को शिक्षा, रोजगार और निर्णय प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाए, उसकी विकास क्षमता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी।

चिंता और निंदा से आगे बढ़ने का समय-अफगानिस्तान को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय पिछले कई वर्षों से चिंता व्यक्त करता रहा है। संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों और दुनिया के विभिन्न देशों ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर तालिबान से बार-बार अपील की है। लेकिन सवाल यह है कि इन अपीलों का जमीन पर कितना असर पड़ा?

यदि लगातार प्रतिबंध जारी रहते हैं और महिलाओं का सार्वजनिक जीवन लगातार सिकुड़ता जाता है तो केवल बयान जारी करना पर्याप्त नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब ऐसी रणनीति विकसित करनी होगी जिसमें मानवीय सहायता और राजनीतिक दबाव के बीच संतुलन कायम रहे। अफगानिस्तान की आर्थिक और मानवीय स्थिति पहले से गंभीर है। इसलिए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे आम अफगान नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ें। लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं होना चाहिए कि मानवीय संकट के नाम पर महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी कर दी जाए। जरूरत ऐसी नीति की है जिसमें सहायता सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और महिलाओं, बच्चों तथा कमजोर वर्गों की सुरक्षा प्राथमिकता बने। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को स्थानीय नागरिक संगठनों और महिला संगठनों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

दुनिया के लिए एक सार्वभौमिक सिद्धांत-अफगानिस्तान का मुद्दा दुनिया के सामने महिलाओं की स्वतंत्रता को लेकर एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा करता है। अलग-अलग देशों में महिलाओं के पहनावे को लेकर अलग-अलग प्रकार के प्रतिबंध देखने को मिलते हैं। कहीं धार्मिक परिधान पहनने को लेकर रोक होती है, तो कहीं धार्मिक अथवा राजनीतिक सत्ता महिलाओं को विशेष पोशाक पहनने के लिए बाध्य करती है। इन दोनों परिस्थितियों का राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ अलग हो सकता है, लेकिन मूल प्रश्न एक ही है—क्या महिला को अपने पहनावे का निर्णय स्वयं लेने का अधिकार है?

इसका उत्तर स्पष्ट होना चाहिए—हां।-यदि कोई महिला हिजाब पहनना चाहती है तो उसे यह अधिकार मिलना चाहिए। यदि कोई महिला हिजाब नहीं पहनना चाहती तो उसे भी इसके लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। इसी तरह किसी राज्य को महिला के व्यक्तिगत जीवन और पहनावे पर मनमाना नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। महिला अधिकारों की लड़ाई को इसलिए किसी धर्म, संस्कृति या राजनीतिक विचारधारा के समर्थन अथवा विरोध में सीमित करना उचित नहीं होगा। इसका आधार सार्वभौमिक होना चाहिए—महिला स्वयं अपने जीवन के बारे में निर्णय लेने में सक्षम है और उसे यह निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

अफगान महिलाएं भू-राजनीतिक बहस की वस्तु नहीं

अफगान महिलाओं की समस्या को अक्सर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया जाता है। तालिबान की नीतियों की आलोचना हो या अफगानिस्तान के साथ संबंधों की चर्चा, महिलाओं के अधिकारों का मुद्दा बार-बार सामने आता है। लेकिन इस पूरी बहस में यह भूलना खतरनाक होगा कि अफगान महिलाएं किसी भू-राजनीतिक रणनीति की वस्तु नहीं हैं।

वे नागरिक हैं।-उन्हें शिक्षा चाहिए। उन्हें रोजगार चाहिए। उन्हें सुरक्षित वातावरण चाहिए। उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं चाहिए। उन्हें सार्वजनिक जीवन में भाग लेने का अवसर चाहिए। और सबसे महत्वपूर्ण, उन्हें अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का अधिकार चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी केवल तालिबान की आलोचना करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे अफगान महिलाओं की आवाज को मजबूत करने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे। महिला शिक्षकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिक संगठनों को समर्थन देना होगा। मानवाधिकार उल्लंघनों की स्वतंत्र निगरानी के लिए विश्वसनीय तंत्र विकसित करना होगा। बातचीत जरूरी है, लेकिन अधिकारों की कीमत पर नहीं

तालिबान के साथ बातचीत करने वाले देशों के सामने भी बड़ी जिम्मेदारी है। अफगानिस्तान में स्थिरता और मानवीय सहायता के लिए संवाद जरूरी हो सकता है, लेकिन संवाद का अर्थ मानवाधिकारों पर समझौता नहीं होना चाहिए। दुनिया को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि सामान्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बहाली महिलाओं और लड़कियों के मूल अधिकारों की कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकती। मानवीय सहायता जारी रहनी चाहिए, लेकिन साथ ही महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े अधिकारों को अंतरराष्ट्रीय वार्ता के केंद्र में रखना होगा। हेरात की घटना की जांच जरूरी हेरात में महिलाओं की कथित हिरासत और उसके बाद हुए विरोध-प्रदर्शन से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। तालिबान का इनकार भी रिकॉर्ड का हिस्सा होना चाहिए और किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले विश्वसनीय स्रोतों से तथ्य जुटाए जाने चाहिए। लेकिन किसी एक घटना की पुष्टि या खंडन से अफगान महिलाओं की व्यापक स्थिति की तस्वीर नहीं बदलती। पिछले वर्षों में महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी स्वतंत्रताओं पर लगे व्यापक प्रतिबंध गंभीर चिंता का विषय बने हुए हैं। इसलिए अब सबसे जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंता व्यक्त करने की राजनीति से आगे बढ़े। महिलाओं के अधिकार किसी सरकार की कृपा नहीं हैं। शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा, रोजगार, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी और अपने शरीर तथा जीवन से जुड़े फैसले लेने की स्वतंत्रता मानव गरिमा के मूल अधिकार हैं। अफगान महिलाओं को केवल सहानुभूति नहीं चाहिए। उन्हें ऐसा अंतरराष्ट्रीय समर्थन चाहिए जो उनकी आवाज को मजबूत करे, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे और उन्हें अपने भविष्य का फैसला स्वयं करने का अवसर दे। किसी महिला की आजादी का अर्थ यह नहीं कि उसे किसी एक विचारधारा के अनुसार जीने की छूट मिले। आजादी का वास्तविक अर्थ है—वह अपने जीवन का रास्ता स्वयं चुन सके। अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए यही सबसे बड़ा संघर्ष है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यही सबसे बड़ी परीक्षा भी।

नेपाल की बाढ़ - बिहार के लिए खतरे की चेतावनी

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

पटना: नेपाल के भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से मची तबाही के दृश्य दिल दहला देने वाले हैं। पहाड़ों से उतरता पानी जब अपने साथ मलबा, चट्टानें और तेज बहाव लेकर नीचे आता है, तो कुछ ही घंटों में बस्तियों, सड़कों, पुलों और खेतों को अपनी चपेट में ले लेता है। नेपाल में सामने आई यह त्रासदी केवल एक पड़ोसी देश की प्राकृतिक आपदा भर नहीं है। यह बिहार के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। खासकर उत्तर बिहार के लिए, जहां नदियों का एक बड़ा तंत्र नेपाल के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। नेपाल और बिहार के बीच की भौगोलिक निकटता दोनों क्षेत्रों को नदियों के माध्यम से जोड़ती है। नेपाल में होने वाली अत्यधिक वर्षा, बादल फटना, भूस्खलन या अचानक आने वाली बाढ़ का प्रभाव सीमा पार बिहार तक पहुंच सकता है। इसलिए नेपाल में नदी का उफान केवल नेपाल की समस्या नहीं रहता। उसका असर भारत में प्रवेश करने वाली नदियों के जलस्तर, प्रवाह और जलग्रहण क्षेत्रों पर भी पड़ सकता है। बिहार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि उत्तर में नेपाल की पहाड़ियों से निकलने वाली कई नदियां राज्य के मैदानी क्षेत्रों में प्रवेश करती हैं। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में जब भारी बारिश होती है, तो वहां की नदियां तेजी से उफनती हैं। पहाड़ों की ढलान और नदी की तेज गति के कारण पानी बहुत कम समय में नीचे के क्षेत्रों की ओर बढ़ता है। बिहार का मैदान अपेक्षाकृत समतल है। इसलिए पहाड़ों से तेजी से आने वाला पानी यहां पहुंचने के बाद अपेक्षाकृत धीमी गति से फैलता है। नदी का जलस्तर बढ़ने पर उसके किनारे बसे गांव, खेत और निचले इलाके जलमग्न होने लगते हैं। यही कारण है कि नेपाल में होने वाली अत्यधिक बारिश और बाढ़ को बिहार में रहने वाले लोगों के लिए गंभीरता से देखना आवश्यक है। हालांकि यह समझना भी जरूरी है कि नेपाल में आई हर बाढ़ का मतलब पूरे बिहार में बाढ़ नहीं होता है। इसका प्रभाव कई बातों पर निर्भर करता हैकि बाढ़ किस नदी के जलग्रहण क्षेत्र में आई है, उस क्षेत्र में कितनी बारिश हुई है, नदी में कितना पानी आया है, पानी का बहाव किस दिशा में है और बिहार में उस समय नदी की स्थिति क्या है। इसलिए नेपाल की किसी भी बाढ़ को बिहार के लिए सीधे राज्यव्यापी बाढ़ की घोषणा के रूप में देखना सही नहीं होगा। लेकिन जिस नदी का जलग्रहण क्षेत्र प्रभावित हुआ है, उसके बिहार वाले हिस्से में खतरा निश्चित रूप से बढ़ सकता है। उत्तर बिहार के लिए गंडक नदी विशेष महत्व रखती है। नेपाल में इसका ऊपरी प्रवाह और जलग्रहण क्षेत्र होने के कारण वहां की वर्षा का प्रभाव नदी के जलस्तर पर पड़ता है। नेपाल में भारी बारिश होने पर गंडक प्रणाली में पानी बढ़ सकता है और इसका असर बिहार के सीमावर्ती तथा नदी किनारे के इलाकों पर पड़ सकता है। नारायणी नदी नेपाल में गंडक नदी प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है और नदियों का प्रवाह असामान्य रूप से बढ़ता है, तो उसका असर नीचे की ओर बिहार तक पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसी स्थिति में पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों पर विशेष निगरानी की आवश्यकता होती है। इसका अर्थ यह नहीं कि इन सभी जिलों में निश्चित रूप से बाढ़ आ जाएगी, लेकिन गंडक प्रणाली में पानी बढ़ने पर इन क्षेत्रों में जोखिम बढ़ सकता है। यही वह भौगोलिक वास्तविकता है जिसे बिहार की बाढ़ नीति और आपदा प्रबंधन में हमेशा ध्यान में रखना होता है। बिहार को अक्सर नदियों का प्रदेश कहा जाता है। यहां की नदियां राज्य की कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए वरदान भी हैं और बाढ़ के समय चुनौती भी बन जाती हैं। उत्तर बिहार की कई प्रमुख नदियों का संबंध नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों से है। कोसी, गंडक, बागमती, कमला बलान और महानंदा जैसी नदी प्रणालियां नेपाल और बिहार के बीच प्राकृतिक संपर्क बनाती हैं। नेपाल की पहाड़ियों में होने वाली बारिश इन नदियों के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। विशेष रूप से कोसी नदी का इतिहास बिहार के लिए अत्यंत संवेदनशील रहा है। कोसी को लंबे समय से बिहार की बाढ़ की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाता है। इसी तरह गंडक और बागमती भी उत्तर बिहार के अनेक जिलों की भौगोलिक और सामाजिक जिंदगी से जुड़ी हुई हैं। नदियां अपने साथ केवल पानी नहीं लातीं। वे पहाड़ों से मिट्टी और गाद भी लेकर आती हैं। लंबे समय में यही गाद नदी की तलहटी को प्रभावित करती है। नदी की जलधारण क्षमता कम होने पर सामान्य से कम अतिरिक्त पानी भी कई बार आसपास के क्षेत्रों में फैलने लगता है। भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि पहाड़ी क्षेत्रों में बदलता मौसम और अत्यधिक वर्षा आने वाले समय में कितनी बड़ी चुनौती बन सकती है। पहाड़ों में कम समय में बहुत अधिक बारिश होने की घटनाएं अचानक बाढ़ का कारण बन सकती है। ऐसी बाढ़ का सबसे खतरनाक पहलू इसकी गति है। मैदानी इलाकों में बाढ़ कई बार धीरे-धीरे बढ़ती है, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में पानी अचानक उफान पर आ सकता है। इसके साथ मलबा और चट्टानें आने से सड़क और अन्य बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हो सकता है। यदि ऐसी स्थिति किसी ऐसी नदी प्रणाली में उत्पन्न होती है जिसका जलग्रहण क्षेत्र बिहार से जुड़ा है, तो नीचे के मैदानी इलाकों के लिए खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि नेपाल की मौजूदा त्रासदी को बिहार के लिए भविष्य की चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। बाढ़ की समस्या को केवल पारंपरिक मानसूनी वर्षा से जोड़कर देखना अब पर्याप्त नहीं है। मौसम के बदलते स्वरूप ने आपदा प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। कम समय में अत्यधिक वर्षा, बादल फटना और अत्यधिक बारिश की घटनाएं नदी प्रणालियों पर अचानक दबाव डाल सकती हैं। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और बिहार के मैदानी इलाकों की भौगोलिक संरचना अलग है, लेकिन दोनों का जल तंत्र एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इसलिए जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन सीमा के दोनों ओर मिलकर करना जरूरी है। बिहार के लिए चुनौती यह है कि यहां बड़ी आबादी नदी किनारे और बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहती है। लाखों लोगों की आजीविका कृषि पर निर्भर है। बाढ़ आने पर खेतों में लगी फसल, पशुधन, घर, सड़क और स्थानीय बाजार प्रभावित होते हैं। इसलिए किसी बड़ी बाढ़ का प्रभाव केवल कुछ दिनों के जलभराव तक सीमित नहीं रहता, बल्कि महीनों तक आर्थिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। नेपाल और भारत के बीच नदियों को लेकर सहयोग कोई नई आवश्यकता नहीं है, लेकिन बदलती परिस्थितियों में इसे और मजबूत करने की जरूरत है। सीमा पार नदी तंत्र में वास्तविक समय की सूचना साझा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश की स्थिति, नदी का जलस्तर, संभावित अचानक बाढ़ और जलप्रवाह की जानकारी बिहार के संबंधित अधिकारियों तक समय रहते पहुंचनी चाहिए। इसके आधार पर बिहार में संवेदनशील जिलों को पहले से सतर्क किया जा सकता है। सिर्फ बाढ़ आने के बाद राहत पहुंचाना पर्याप्त नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का लक्ष्य बाढ़ आने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन, जल संसाधन विभाग, आपदा प्रबंधन तंत्र और ग्रामीण समुदायों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। बिहार में बाढ़ नियंत्रण के लिए तटबंधों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल तटबंधों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। नदी का व्यवहार लगातार बदलता है। अत्यधिक दबाव की स्थिति में तटबंधों पर भी खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी, संवेदनशील तटबंधों की नियमित जांच और समय रहते मरम्मत जरूरी है। इसके साथ गांव स्तर तक प्रभावी चेतावनी प्रणाली पहुंचानी होगी। यदि किसी क्षेत्र में नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है तो वहां रहने वाले लोगों को समय रहते मोबाइल संदेश, सायरन, स्थानीय प्रशासन और पंचायत स्तर के माध्यम से जानकारी मिलनी चाहिए। चेतावनी ऐसी भाषा और माध्यम में हो जिसे ग्रामीण आसानी से समझ सके। बिहार के लिए यह भी समझना जरूरी है कि बाढ़ को पूरी तरह समाप्त करना हमेशा संभव नहीं होगा। नदियां प्राकृतिक प्रणाली का हिस्सा हैं। इसलिए बाढ़ नियंत्रण के साथ बाढ़ के प्रभाव को कम करने की रणनीति भी जरूरी है। ऊंचे स्थानों पर सुरक्षित आश्रय स्थल, नावों की पर्याप्त व्यवस्था, पशुओं के लिए सुरक्षित स्थान, आवश्यक दवाओं और खाद्यान्न का भंडार तथा संचार व्यवस्था पहले से तैयार रहनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित गांवों में लोगों को यह जानकारी भी दी जानी चाहिए कि आपदा की स्थिति में क्या करना है और क्या नहीं करना है। स्कूल, पंचायत भवन और सामुदायिक केंद्रों को आवश्यकता पड़ने पर राहत केंद्र के रूप में उपयोग करने की व्यवस्था होनी चाहिए।

नई खेलो इंडिया योजना : पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गाँव से ग्लोबल तक भारत की नई खेल यात्रा

विश्वास कैलाश सारंग

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नई खेलो इंडिया योजना का लक्ष्य गाँव से ग्लोबल तक यानि जमीनी स्तर से लेकर ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों की पूरी विकास-श्रृंखला तैयार कर भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय खेल संस्कृति को गाँवों, स्कूलों और सामान्य परिवारों तक पहुँचाया है। तो वहीं प्रतिभा पहचान, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, बेहतर अधोसंरचना और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर पर बढ़ते जोर ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक अधिक व्यवस्थित प्रतिभा विकास मार्ग तैयार किया है। ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन, टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम जैसी व्यवस्थाओं को मजबूती तथा राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रशिक्षण संस्थानों पर बढ़ता निवेश इस सोच को दर्शाता है कि भारत की खेल शक्ति केवल कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में नहीं बल्कि करोड़ों युवाओं की क्षमता को अवसर देने में निहित है। प्रधानमंत्री मोदी जी का खेलों के प्रति यह दृष्टिकोण आज पदक जीतने वाले भारत के साथ स्वस्थ, आत्मविश्वासी, अनुशासित और विश्व मंच पर नेतृत्व करने वाले भारत की कल्पना को आकार देगा। जहाँ हर युवा विकसित भारत 2047 के निर्माण के महायज्ञ में अपनी सार्थक आहुति देगा।

प्रधानमंत्री के विदेश यात्राओं पर सवाल नहीं, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत पर बात हो

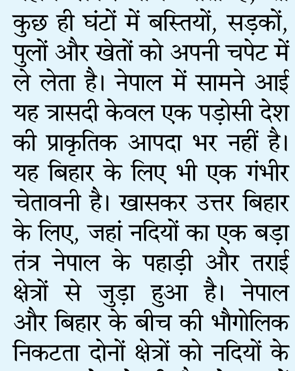

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं को लेकर राजनीतिक विरोधियों द्वारा बार-बार उठाए जाने वाले सवालों को केवल यात्रा-व्यय के चश्मे से देखना भारत की विदेश नीति और बदलती वैश्विक भूमिका को अत्यंत संकीर्ण दृष्टि से देखने के समान है। लोकतंत्र में सरकार के खर्च पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि खर्च के साथ उससे प्राप्त कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राष्ट्रीय हितों के परिणामों का मूल्यांकन किया जाए। प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा को केवल विमान, होटल, सुरक्षा और प्रतिनिधिमंडल के खर्च तक सीमित कर देना वैसा ही है जैसे किसी उद्योग की लागत देखकर उसके उत्पादन और लाभ को भूल जाना। यह तथ्य है कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर सरकारी धन खर्च होता है। संसद में सरकार ने समय-समय पर इन यात्राओं का खर्च भी बताया है। उदाहरण के लिए विदेश मंत्रालय ने लोकसभा में 2015-16 से 2019-20 के बीच प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के लिए चार्टर्ड उड़ानों और हॉटलाइन सेवाओं पर कुल 446.52 करोड़ का व्यय बताया था। बाद में संसद में अलग-अलग अवधियों के लिए यात्रा-व्यय का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। 2022 से 2024 के दौरान प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं में आधिकारिक, साथ जाने वाले, सुरक्षा और मीडिया प्रतिनिधिमंडलों से संबंधित खर्चों का विवरण भी सरकार ने राज्यसभा में रखा। इसलिए खर्च पर चर्चा हो सकती है, होनी भी चाहिए; लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन यात्राओं से भारत को क्या मिला? यहीं से विदेश नीति के मूल्यांकन का वास्तविक अध्याय शुरू होता है। भारत आज जिस प्रकार विश्व राजनीति के केंद्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, उसमें व्यक्तिगत कूटनीतिक संपर्कों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल सरकारी फाइलों और राजनयिक नोटों से नहीं चलते। राष्ट्राध्यक्षों और सरकारों के बीच प्रत्यक्ष संवाद, विश्वास, व्यक्तिगत संबंध, संकट के समय संपर्क और निरंतर राजनीतिक संवाद भी विदेश नीति के महत्वपूर्ण उपकरण होते हैं। प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के समर्थकों का तर्क यही है कि भारत ने पिछले दशक में अनेक देशों के साथ अपने संबंधों को केवल औपचारिक राजनयिक संबंधों से आगे बढ़ाकर रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और सामरिक साझेदारी में बदलने का प्रयास किया है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण परिवर्तन यह भी है कि नई दिल्ली अब केवल किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़े रहने की नीति पर निर्भर नहीं है। अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत हुए हैं तो रूस के साथ भी संवाद जारी रहा है। पश्चिम एशिया में इजरायल और अरब देशों के साथ अलग-अलग स्तरों पर संबंधों को साधने का प्रयास हुआ है। यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भारत ने अपनी सक्रियता बढ़ाई है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं को केवल 'विदेश भ्रमण' कहकर खारिज करना तथ्यात्मक रूप से अधूरा दृष्टिकोण होगा। विदेश नीति का परिणाम हमेशा किसी एक दिन किसी एक समझौते के रूप में दिखाई नहीं देता। कई बार उसका परिणाम वर्षों बाद व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, तकनीकी हस्तांतरण, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री सहयोग या संकट के समय दूसरे देश के समर्थन के रूप में सामने आता है। भारत के लिए आज ऊर्जा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति, वैकल्पिक ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता जैसे विषय सीधे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं। इसी प्रकार सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष, दूरसंचार और डिजिटल तकनीक अब विदेश नीति के अभिन्न हिस्से बन चुके हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का मूल्यांकन केवल यह पूछकर करना कि 'कितना पैसा खर्च हुआ' पर्याप्त नहीं है। यह भी पूछा जाना चाहिए कि 'कितने निवेश आए, कितने समझौते हुए, कितने रणनीतिक संबंध मजबूत हुए और भारत के राष्ट्रीय हित को कितनी मजबूती मिली?' यहां विपक्ष की आलोचना का स्थान अवश्य है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से प्रश्न करना ही है। यदि किसी यात्रा पर अनावश्यक खर्च हुआ है, तो संसद में उसका हिसाब मांगा जाना चाहिए। यदि किसी समझौते में भारत का नुकसान हुआ है, तो उसकी आलोचना होनी चाहिए। यदि किसी यात्रा का परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं निकला, तो सरकार से जवाब मांगा जाना चाहिए। लेकिन हर विदेश यात्रा को स्वतः 'फिजूलखर्ची' घोषित कर देना राजनीतिक आलोचना से अधिक राजनीतिक पूर्वाग्रह बन सकता है।

भारत के प्रधानमंत्री विदेश जाते हैं तो वे केवल नरेंद्र मोदी के रूप में नहीं जाते। वे भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके साथ भारतीय राजनयिक तंत्र, अधिकारी, सुरक्षा विशेषज्ञ, उद्योग जगत और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि भी काम करते हैं। इसलिए यात्रा की सफलता का मूल्यांकन व्यक्तिगत लोकप्रियता के बजाय राष्ट्रीय हित के पैमाने पर किया जाना चाहिए। भारत की विदेश नीति में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हुई है। दुनिया के अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग व्यवसाय, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। प्रधानमंत्री की यात्राओं के दौरान भारतीय समुदाय के साथ संवाद को इसी व्यापक कूटनीतिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रवासी भारतीय भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के महत्वपूर्ण वाहक हैं। इसी तरह 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ भारत की सक्रियता को भी केवल राजनीतिक प्रचार के रूप में देखना उचित नहीं होगा। विकासशील देशों की समस्याओं—खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जलवायु परिवर्तन और विकास वित्त—पर भारत अपनी भूमिका मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रशिक्षण और कूटनीतिक कार्यक्रमों में भी ग्लोबल साउथ, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, ऊर्जा, जलवायु और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर भारत की दृष्टि को सामने रखने की कोशिश दिखाई देती है। विदेश नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा है। आज सीमा सुरक्षा केवल सीमा पर सैनिकों की तैनाती का विषय नहीं है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, रक्षा तकनीक, ड्रोन, उपग्रह, आपूर्ति श्रृंखला और रणनीतिक खनिज सभी राष्ट्रीय सुरक्षा के हिस्से हैं। इसलिए भारत को अमेरिका, फ्रांस, रूस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिम एशिया के देशों सहित अनेक साझेदारों के साथ लगातार संवाद करना पड़ता है। यह भी समझना होगा कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा कोई पर्यटन यात्रा नहीं होती। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम अत्यंत व्यस्त होते हैं। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बैठक, द्विपक्षीय वार्ता, बहुपक्षीय सम्मेलन, उद्योग जगत से संवाद, भारतीय समुदाय से संपर्क और रणनीतिक समझौतों पर चर्चा—इन सबके बीच एक यात्रा कई स्तरों पर काम करती है। फिर भी सरकार के पक्ष में होने का अर्थ यह नहीं कि आलोचना का अधिकार समाप्त हो जाता है। सरकार को प्रत्येक खर्च में पारदर्शिता रखनी चाहिए। विदेश यात्राओं की लागत, उनके उद्देश्य और प्राप्त परिणामों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाना चाहिए। यदि किसी यात्रा से अपेक्षित आर्थिक या रणनीतिक लाभ नहीं हुआ, तो उसकी समीक्षा भी होनी चाहिए। लेकिन विपक्ष को भी एक जिम्मेदार वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहिए। केवल 'इतना पैसा खर्च हुआ' कहना पर्याप्त नहीं है। विपक्ष यदि कहता है कि यात्रा पर इतना खर्च हुआ, तो उसे यह भी बताना चाहिए कि उसी यात्रा से क्या हासिल नहीं हुआ और उससे बेहतर विकल्प क्या हो सकता था। राजनीतिक विमर्श का स्तर तब ऊंचा होगा जब विदेश नीति को दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय हित के आधार पर देखा जाएगा। भारत का प्रधानमंत्री चाहे नरेंद्र मोदी हों या भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति—प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं भारत की विदेश नीति का हिस्सा रहेंगी। इसलिए सिद्धांत यह होना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा का मूल्यांकन व्यक्ति के आधार पर नहीं, परिणाम के आधार पर हो।

यदि किसी यात्रा से भारत को निवेश मिलता है, व्यापार के नए अवसर खुलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ओलम्पियन निक्की प्रधान के गांव जाने वाले रास्ते पर अधूरा पुल बना ग्रामीणों के लिए बना परेशानी का सबब

खूंटी। एनएच-20 स्थित नील फैक्ट्री से खूंटी-सिमडेगा मार्ग के पेलौल गांव तक बनी सड़क अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बनने लगी है। लगभग पौने तीन वर्ष पूर्व इस मार्ग का निर्माण कराया गया था, लेकिन अब सड़क कई स्थानों पर टूटने लगी है। वहीं, इसी मार्ग पर प्रस्तावित पुल का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है, जिससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें कम होने की बजाय लगातार बनी हुई है। इस मार्ग पर 09 दिसंबर 2023 को पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने 22.40 मीटर लंबे पुल का शिलान्यास किया था। शिलान्यास के ढाई वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद पुल निर्माण अधूरा है। पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, खूंटी की ओर से कराया जा रहा है। फिलहाल ग्रामीणों के दबाव के बाद ठेकेदार ने वहां तीन ह्यूम पाइप लगाकर अस्थायी कच्चा डायवर्सन बनाया है। इससे बड़े वाहन पार नहीं हो पा रहे हैं। हालांकि ऑटो, बाइक व चारपहिया वाहनों का आवागमन किसी तरह हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज बारिश होते ही डायवर्सन के ऊपर से पानी बहने लगता है व आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। यह मार्ग कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण है। खूंटी-सिमडेगा पथ पर स्थित पेलौल से नील फैक्ट्री के बीच ओलंपियन निक्की प्रधान का गांव हेसेल भी पड़ता है। इसके अलावा सांसद कालीचरण मुंडा का गांव माहिल, पेरका व हांसा सहित आसपास के कई गांव इसी रास्ते से जुड़े हैं। यही मार्ग गानालोया, ओस्केया, बम्हनी, बालो, तोरपा व तपकरा की ओर जाने वाले लोगों के लिए भी उपयोगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने के बाद आवागमन सुगम होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन पुल का निर्माण अधूरा रहने से बरसात के दिनों में फिर वही पुरानी समस्या सामने आ जाती है। लोगों ने विभाग से जल्द पुल निर्माण पूरा कराने की मांग की है। अधूरे पुल के बारे में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष जायसवाल कहते हैं कि एक पुल क्या दर्जनों पुल पुलिया व सैकड़ों सड़कों का निर्माण अधूरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार राज्य को विकास कि पटरी पर लाने में पूरी तरह नाकाम रही है।

जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण के लिए 29 अगस्त से 3 सितंबर तक विशेष ग्राम सभा का आयोजन

गिरिडीह। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 एवं अन्य विधिवत कार्यों के तहत जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण की प्रक्रिया को सुगम बनाने के उद्देश्य से गिरिडीह सदर प्रखंड अंतर्गत चयनित पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायतवार विशेष ग्राम सभा की तिथि एवं संबंधित राजस्व ग्राम का विवरण निम्नवत है— करहरबारी पंचायतः राजस्व ग्राम गुरियाटांड़ में 29 अगस्त 2026 को विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। पतरोडीह पंचायतः राजस्व ग्राम पतरोडीह एवं खपडाडीह में 31 अगस्त 2026 को विशेष ग्राम सभा होगी। महेशलुंडी पंचायतः राजस्व ग्राम महेशलुंडी में 01 सितंबर 2026 को विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। बरमसिया पंचायतः राजस्व ग्राम गमाई में 02 सितंबर 2026 को विशेष ग्राम सभा होगी। अकदोनीकला पंचायतः राजस्व ग्राम बनियाडीह अंश में 02 सितंबर 2026 को विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। चूंजका पंचायतः राजस्व ग्राम चूंजका में 03 सितंबर 2026 को विशेष ग्राम सभा होगी। **अकदोनीखुर्द पंचायतः** राजस्व ग्राम अकदोनीखुर्द में 03 सितंबर 2026 को विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों के आमजनों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि को विशेष ग्राम सभा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण से संबंधित प्रक्रिया का लाभ उठाएं। साथ ही, संबंधित प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधा उपलब्ध कराते हुए जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण की कार्रवाई सुनिश्चित करें।जिला प्रशासन द्वारा आमजनों की सुविधा एवं जनहित को प्राथमिकता देते हुए यह पहल की गई है, ताकि पात्र नागरिकों को जन्म प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

भाई-बहनों का त्योहार रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

गुमला। भाई-बहनों का अटूट संबंध और कच्चे धागों से बंधे पवित्र रक्षा बंधन का त्योहार पर भाई की कलाईयों में बहनों ने बांधी राखियां और उनके जीवन में हमेशा खुशियां भरी रहें बहनों ने जहां मन्नतें मांगी वहीं भाइयों ने भी इस पवित्र और अटूट रिश्ते को लेकर बहनों की खुशियों के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प लिया। सावन माह के पूर्णिया में आने वाले यह त्योहार को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं भाई-बहन और कोई जो दूर में रहते हैं। देश-विदेश के कोने-कोने से डाकिया बाबू इस पवित्र रक्षा बंधन में आने वाले भाइयों की कलाईयों में बहनों द्वारा भेजे गए राखियां की लिफाफे को पहुंचाने में शामिल थे। वहीं रक्षा बंधन को लेकर तरह-तरह की मिठाइयां एवं राखियां की दूकानों पर अच्छी खासी भीड़ देखी गई। यहां बताते चलें कि रक्षा-बंधन का त्योहार सिर्फ हिंदू धर्मावलंबी ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों की बहनों ने भी अपने भाइयों की कलाईयों में राखी बांधने में शामिल रहते हैं। इसलिए यह रक्षा-बंधन जो भाई-बहनों का अटूट रिश्ते को सामने लाने का त्योहार विश्वविख्यात हो गया है। यह प्राचीन काल से चला आ रहा है और भाई-बहनों के लिए यह सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर आयोजन समिति गठित, निकलेगी भव्य कलश यात्रा

सिमडेगा/बोलबा। प्रखंड के मालसाड़ा खंडानिशान में ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर सर्वप्रथम दानगद्दी से जल उठाकर खंडानिशान शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा की। वहीं आगामी 4 सितंबर को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में महोत्सव को श्रद्धा, भक्ति व उल्लास के साथ मनाने के लिए सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों को महोत्सव के सफल आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। गठित समिति में ललन रौतिया को अध्यक्ष, जगनाथ रौतिया को उपाध्यक्ष, रवींद्र रौतिया को सचिव व महेंद्र रौतिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं समिति के सदस्यों में विक्रम रौतिया, मनोज रौतिया, गोवर्धन रौतिया, कमल रौतिया, गोविंद रौतिया, लखन रौतिया, इंद्रजीत बड़ाइक, नितेश बड़ाइक व राजेश तेली को शामिल किया गया। बैठक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को भव्य व आकर्षक रूप से आयोजित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया कि महोत्सव के अवसर पर क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सहभागिता से अखंड हरि कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे व सामाजिक एकता का संदेश देने वाला पर्व है। समिति के सदस्यों व ग्रामीणों ने आपसी सहयोग व जनभागीदारी से महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया

गुमला की बेटियों ने रचा इतिहास, सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप में तीसरी बार बनी राष्ट्रीय चैंपियन

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। 65वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप के अंडर-17 बालिका वर्ग में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रही संत पैट्रिक स्कूल, गुमला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। नई दिल्ली के डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्टेडियम में 27 अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले में गुमला की बेटियों ने मिजोरम की एनसीसी टीम को 2-0 से पराजित कर तीसरी बार राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। यह उपलब्धि गुमला की बेटियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन का परिणाम है। सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप के राष्ट्रीय मंच पर गुमला की टीम ने पिछले वर्षों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वर्ष 2022 के 61वें संस्करण में टीम ने फाइनल मुकाबले में मणिपुर को 3-1 से हराकर पहली बार राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद वर्ष 2023 के 62वें संस्करण में हरियाणा को फाइनल में 3-0 से पराजित कर लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय चैंपियन बनी थी। अब वर्ष 2026 के 65वें संस्करण में मिजोरम को 2-0 से हराकर टीम

ने तीसरी बार राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने संत पैट्रिक स्कूल, गुमला की पूरी टीम, कप्तान, कोच एवं प्रशिक्षक बीना केरकेट्टा तथा टीम से जुड़े सभी सहयोगी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि गुमला की बेटियों ने अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर जिले एवं राज्य का नाम रोशन किया है। उपायुक्त ने कहा कि सुब्रतो कप जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर गुमला की बेटियों का तीसरी बार राष्ट्रीय चैंपियन बनना पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जिले की बेटियों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। खिलाड़ियों ने जिस आत्मविश्वास और खेल भावना के साथ पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन किया, वह जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कोच एवं प्रशिक्षक बीना केरकेट्टा के मार्गदर्शन तथा खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत और अभ्यास की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम की सफलता के पीछे खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास, बेहतर रणनीति, अनुशासन और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस उपलब्धि में खिलाड़ियों के अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन तथा टीम को सहयोग प्रदान करने वाले सभी लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। गुमला की बेटियों की यह ऐतिहासिक उपलब्धि जिले की समृद्ध खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के साथ-साथ नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि गुमला की बेटियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि पर पूरा जिला गर्व महसूस कर रहा है।

विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में विजेता भैया बहनों को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

कोडरमा। विद्या विकास समिति झारखंड द्वारा आयोजित हजारीबाग विभाग का विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव और प्रश्न मंच प्रतियोगिता गिरिडीह में आयोजित थी जिसमें कोडरमा, हजारीबाग और गिरिडीह में चलने वाले सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के संकुल स्तर पर चयनित भैया बहनों ने प्रतिभागिता की जिसमे कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर के भैया बहनों ने संस्कृति बोध परियोजना में किशोर वर्ग और बाल वर्ग में भैया क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान को प्राप्त किये। वैदिक गणित की प्रतियोगिता में अपने विद्यालय को शिशु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ वहीं बाल वर्ग दूसरे स्थान पर रहा। विज्ञान प्रश्न मंच में भी शिशु वर्ग प्रथम स्थान पर रहा और बाल वर्ग दूसरे स्थान पर रहा। बाल वर्ग कथा कथन में बहन आलिया शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। मूर्ति कला में भी अपने विद्यालय की बहन ने दूसरे स्थान को प्राप्त किया। विजेता भैया बहनों को वंदना सभा मे सम्मानित किया गया। प्रांतीय नियमानुसार प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समूह प्रांत स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। भैया बहनों की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य आनंद मोहन ने सबों को बधाई दी है और कहा है कि हमारे भैया बहन आगे की परीक्षाओं में सफल होंगे ही ऐसा मेरा विश्वास बोलता है क्योंकि परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता। इस मौके पर विद्यालय के आचार्य जी व दीदी के द्वारा इन भैया बहनों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

बाबूलाल मरांडी खनन कंपनियों की चिंता छोड़ झारखंड के हितों की बात करें : विनोद पांडेय

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा वित्त मंत्री को लिखे पत्र पर पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबूलाल मरांडी को झारखंड की खनिज संपदा से ज्यादा चिंता खनन कंपनियों की लागत और मुनाफे की है। पांडेय ने कहा कि उन्हें तय करना चाहिए कि वे झारखंड के नेता के रूप में बात कर रहे हैं या खनन कंपनियों के प्रवक्ता के रूप में। विनोद पांडेय ने कहा कि कोयला और लौह-अयस्क झारखंड की खनिज संपदा हैं। इन पर राज्य के उचित अधिकार और राजस्व की मांग करना गलत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि खनन कंपनियों की लागत और ट्रकों पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ का हिसाब बताने वाले लोग झारखंड की जमीन, जंगल, पानी, प्रदूषण, विस्थापन और खनन प्रभावित लोगों की कीमत का हिसाब क्यों नहीं बताते। उन्होंने कहा कि यदि खनिज झारखंड का है तो उसके लाभ में राज्य का उचित हिस्सा भी होना चाहिए। ओडिशा में खनिजों की नीलामी के उदाहरण पर पांडेय ने कहा कि किसी दूसरे राज्य में क्या हुआ, यह अलग विषय है। ओडिशा की नीलामी का उदाहरण देकर झारखंड के अधिकार के सवाल को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने बाबूलाल मरांडी से यह बताने को कहा कि झारखंड की खनिज संपदा से राज्य को कितना राजस्व, स्थानीय लोगों को कितना रोजगार और खनन प्रभावित क्षेत्रों को कितना वास्तविक लाभ मिला। बालू और पत्थर की व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि जहां कमियां हैं, राज्य सरकार उन्हें दूर कर रही है। सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी व्यवस्था के साथ स्थानीय लोगों और स्थानीय वाहनों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि खनन व्यवस्था की समस्याएं आज पैदा नहीं हुई हैं और इसमें पूर्ववर्ती भाजपा सरकारों की विरासत भी शामिल रही है। DMFT के मुद्दे पर झामुमो महासचिव ने कहा कि यह राशि खनन प्रभावित क्षेत्रों और लोगों के लिए है। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र से झारखंड के हिस्से का पैसा और अधिकार वर्षों तक क्यों रोका गया। पांडेय ने कहा कि बाबूलाल मरांडी राज्य सरकार से सवाल जरूर पूछें, लेकिन उन्हें अपनी केंद्र सरकार से भी पूछना चाहिए कि झारखंड की खनिज संपदा का उचित हिस्सा राज्य को कब मिलेगा, खनिज अधिकारों को प्रभावित करने वाले कानूनों पर भाजपा का स्पष्ट रुख क्या है और खनिज संपदा का सबसे अधिक लाभ झारखंड के लोगों को मिलेगा या खनन कंपनियों को। उन्होंने कहा कि यदि बाबूलाल मरांडी को दिल्ली और खनन कंपनियों का पक्ष रखना है तो वे खुलकर रखें, लेकिन इसे झारखंड के हित की राजनीति का नाम नहीं दिया जाना चाहिए। झारखंड अपने खनिज का हिसाब भी मांगेगा और अपने अधिकार की मांग भी करेगा।

बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रावणी महोत्सव का समापन, पूर्णिमा मेले में उमड़ा भक्तों का सैलाब

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। बाबा आम्रेश्वर धाम, अंगराबारी में श्रावणी महोत्सव का समापन शुक्रवार को सावन पूर्णिमा के पारंपरिक मेले के साथ हो गया। पूर्णिमा के अवसर पर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना व श्रावणी मेले का आनंद लेने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा दूर-दराज इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे। शुक्रवार सुबह मौसम साफ रहने के कारण बाबा आम्रेश्वर धाम स्थित पवित्र स्वयंभू शिवलिंग पर जलार्पण व पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। दूर-दराज से अंगराबारी पहुंचे भक्तों ने बाबा आम्रेश्वर के पवित्र शिवलिंग का पूजन-दर्शन किया व श्रावणी मेले का आनंद उठाया। सुबह से शाम तक चले सावन पूर्णिमा के इस पारंपरिक मेले में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मेले में

डिज्नीलैंड, इलेक्ट्रिक झूला, टावर झूला सहित मनोरंजन के विभिन्न साधनों का बच्चों व युवाओं ने भरपूर आनंद उठाया। परिसर में प्रसाद, खिलौने, श्रृंगार सामग्री व अन्य वस्तुओं की सैकड़ों दुकानें सजी थीं, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की। मेले में सुरक्षा व विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए थे। दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती पूरे मेला परिसर में की गई थी। वहीं, जगह-जगह लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी मेला परिसर की निगरानी की जा रही थी। पुलिस प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस सहायता केंद्र व खोया-पाया केंद्र भी स्थापित किए गए थे। इधर, सूचना व जनसंपर्क विभाग की ओर से सूचना सहायता केंद्र-सह-प्रदर्शनी शिविर लगाकर लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी गई। इस बीच, पिछले बुधवार से धाम परिसर में शुरू हुआ 48 घंटे का अखंड हरि कीर्तन भी शुक्रवार की शाम संपन्न हो गया। अखंड हरि कीर्तन के समापन व पूर्णाहुति के बाद शुद्ध घी से निर्मित प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। इसके साथ ही बाबा आम्रेश्वर धाम में आयोजित श्रावणी महोत्सव का भक्तिमय वातावरण में विधिवत समापन हो गया।

रक्षाबंधन पर छलका अपनापन, चोटिल रंजन चौधरी की कलाई पर कई बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग़।बीते सावन माह की अंतिम सोमवारी की सुबह न्यू एरिया पहली गली के समीप एक बाइक सवार दंपत्ति को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होने से गिरकर चोटिल हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी इन दिनों चिकित्सकीय सलाह पर घर में बेड रेस्ट पर हैं। दुर्घटना में उनके घुटने और हाथ में चोट आई है। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद वे चिकित्सकों की सलाह के अनुसार स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी के चोटिल होने की जानकारी मिलने के बाद से ही बड़ी संख्या में शुभचिंतक,

सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, समाजसेवी, समाज के प्रबुद्धजन और आम लोग लगातार उनके आवास पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जान रहे हैं। शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, सहित कई गणमान्य लोगों ने उनके आवास पहुंचकर मुलाकात की। सभी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। वहीं रक्षाबंधन का पर्व रंजन चौधरी के लिए भावनात्मक रूप से खास रहा। भाजपा नेत्री रेणुका साहू, ज्योत्सना गुप्ता, पूनम मिश्रा, जन सहयोग केंद्र की रीता कुमारी, महिला पत्रकार अपराजिता पांडेय और बेला देवी समेत कई बहनों ने उनके आवास पहुंचकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। बहनों ने उनके जल्द स्वस्थ होने और जीवनभर सकुशल रहने की मंगलकामना की। इस दौरान भाई-बहन के आत्मीयता और अपनापन का भाव देखने को मिला। रंजन चौधरी को राखी बांधने के बाद बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने और स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन की कामना का भी पर्व है। वहीं रंजन चौधरी ने सभी के स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के प्रति आभार जताया। लगातार बड़ी संख्या में लोगों के उनके आवास पहुंचने से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि रंजन चौधरी के साथ लोगों का आत्मीय जुड़ाव कितना गहरा है। शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होकर पुनः पूरी ऊर्जा के साथ जनसेवा एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय होने की कामना की।

इंटीरियो बाय गोदरेज ने देवघर में खोला अपना पहला एक्सक्लूसिव स्टोर

नई सोच एक्सप्रेस

देवघर।गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटीरियो बाय गोदरेज ने झारखंड के देवघर में अपने नए स्टोर के शुभारंभ की घोषणा की है, जिससे राज्य में कंपनी की रिटेल मौजूदगी और मजबूत हुई है। 4000 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर देवघर में इंटीरियो बाय गोदरेज का पहला एक्सक्लूसिव स्टोर है, जो शहर और आसपास के इलाकों के ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फर्नीचर की पूरी रेंज पेश करता है। इस लॉन्च पर बात करते हुए, इंटीरियो बाय गोदरेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हैड ऑफ कंज्यूमर बिजनेस, डॉ. देव नारायण सरकार ने कहा कि झारखंड के देवघर में हमारा नया स्टोर उभरते बाजारों में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने और उपभोक्ताओं के करीब उच्च गुणवत्ता वाले फर्नीचर समाधान पहुंचाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बेहतर

रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी के साथ देवघर में बुनियादी ढांचे का लगातार विकास हो रहा है। इससे क्षेत्र में ब्रांडेड फर्नीचर की मांग भी बढ़ रही है। शहर के एक प्रमुख संपर्क मार्ग पर स्टोर की रणनीतिक स्थिति हमें देवघर और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते उपभोक्ता आधार तक पहुंचने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस स्टोर के शुरू होने के साथ हमें उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष में राजस्व 70 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। इस विस्तार के साथ हम झारखंड में अपने रिटेल नेटवर्क को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को फर्नीचर खरीदारी का बेहतर और सुविधाजनक अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देवरी प्रखंड के बड़ाडीह के ग्रामीण जुए से परेशान

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह | देवरी प्रखंड के बड़ाडीह फुटबॉल मैदान के आगे श्मशान शेड एवं उसके बगल में पिछले तीन माह से जुए का संचालन किया जा रहा है। बताया गया कि कुछ दिन पहले पुलिस भी मौके पर गई थी तो कुछ दिन जुए का खेल बंद रहा, लेकिन इधर फिर जुए का संचालन शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। सूत्रों ने बताया कि उक्त क्षेत्र में सुबह दस बजे से लेकर रात दस बजे तक लोग जुआ खेलते रहते हैं। वहां जुआ खेलने काफी दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों से विवाद होने का डर बना रहता है। वहां कई लोग तो शराब पी कर आते हैं। ऐसे में ग्रामीणों को कई तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है, जबकि वहां मैदान में बच्चे खेलने जाते हैं, लेकिन जुआ होने से बच्चे खेल भी नहीं पा रहे हैं। महिलायें अपने मवेशियों को चराने वही आते हैं। ग्रामिणों का कहना है कि दिन भर जुआरियों का आना जाना रहता है। यहां बरगडीहा, मिर्गागंज, जमुआ, लाकी ससैन, रेम्बा, भोजपूरोधोटंकी मण्डरा चतरो आदि जगहों से बच्चे खेलने आते हैं, जबकि वहां पर आये दिन मारपीट होती रहती है। यहां के ग्रामीण जिला प्रसासन से जुए से छुटकारा दिलाने की मांग कर रहे हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 30 अगस्त को निकलेगा 'वॉकथॉन 2.0'

नई सोच एक्सप्रेस

झुमरीतिलैया। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 30 अगस्त को झुमरीतिलैया में विशाल 'वॉकथॉन 2.0' पैदल मार्च का आयोजन किया जाएगा। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में देशभर की 850 शाखाओं में एक साथ आयोजित होने वाले इस महाअभियान के तहत झुमरीतिलैया में मारवाड़ी युवा मंच झुमरीतिलैया शाखा एवं प्रेरणा शाखा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी। पैदल मार्च सुबह 6:30 बजे सुभाष चौक से शुरू होगा। प्रतिभागी झंडा चौक होते हुए चांडक कैंपस पहुंचेंगे, जहां यात्रा का समापन एवं मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में शहर के हजारों नागरिकों, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। प्रतिभागी हाथों में पर्यावरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक

करेंगे। वॉकथॉन में स्कूली बच्चों और एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी भी रहेगी। शिवतारा विद्या मंदिर एवं सेक्रेड हार्ट स्कूल के छात्र-छात्राएं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। वहीं 45 एनसीसी बटालियन कोडरमा के कैडेट्स अनुशासन के साथ मार्च में शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के अलावा नगर परिषद झुमरीतिलैया के अध्यक्ष रमेश हर्षधर, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा, नगर पंचायत कोडरमा के अध्यक्ष साजिद हुसैन, भाजपा नगर अध्यक्ष अनुप जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। वॉकथॉन को विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का भी समर्थन मिला है। रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा, श्री श्याम सेवा परिवार, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज और जैन समाज सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे।

टी-शर्ट का हुआ विमोचनः कार्यक्रम की तैयारियों के तहत वॉकथॉन 2.0 की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन किया गया। विधायक डॉ. नीरा यादव, नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोहर राम, सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार, रणधीर कुमार, सोनू चंद्रवंशी सहित मारवाड़ी युवा मंच झुमरीतिलैया शाखा के

» सुभाष चौक से शुरू होकर झंडा चौक होते हुए चांडक कैंपस तक जाएगा पैदल मार्च, हजारों नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद

अध्यक्ष मोहित संघई, झारखंड प्रांत के भवन संयोजक राज पचीसिया, कोषाध्यक्ष महावीर खेतान, संयोजक चंद्रशेखर जोशी, अरविंद चौधरी, मनोज चौरसिया एवं अश्वनी तिवारी की उपस्थिति में टी-शर्ट लॉन्च की गई। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल किसी संस्था का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ी के बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा अभियान है। उन्होंने युवाओं, बच्चों और सभी वर्ग के लोगों से 30 अगस्त की सुबह 6:30 बजे सुभाष चौक पहुंचकर वॉकथॉन में भाग लेने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

रक्षाबंधन के दिन सिंघरावां में सड़क हादसा, ट्रेलर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

- पर्व की खुशियां मातम में बदलीं, सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

चौपारण (हजारीबाग)। भाई-बहन के प्रेम और खुशियों का पावन पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को सिंघरावां निवासी एक परिवार के लिए गम में बदल गया। जीटी रोड स्थित सिंघरावां में सड़क पार करने के दौरान एक ट्रेलर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिंघरावां निवासी मिथिलेश साव के 10 वर्षीय पुत्र आरव कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रक्षाबंधन के अवसर पर परिवार के सदस्य घर पर मौजूद थे। इसी दौरान आरव घर के बाहर था। आरोप है कि जीटी रोड से गुजर रहे ट्रेलर संख्या RJ 52 GA 4116 के चालक ने दूसरी गाड़ी को पास देने के दौरान वाहन को सड़क किनारे की ओर मोड़ दिया, जिसकी चपेट में आरव आ गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। ग्रामीणों ने ट्रेलर को रोक लिया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। इसके बाद परिजन घायल बच्चे को इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मां ललिता देवी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता मिथिलेश साव और मामा रवि कुमार समेत परिजनों के गम से पूरे क्षेत्र का माहौल गमगीन हो गया।

जीटी रोड पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में आक्रोशःघटना के बाद ग्रामीणों में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि जीटी रोड पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सड़क किनारे बसे गांवों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए जा रहे हैं।ग्रामीणों ने वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण, गांवों के समीप प्रभावी यातायात व्यवस्था तथा सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में भी ऐसी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहेगा। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व के दिन 10 वर्षीय आरव कुमार की असामयिक मौत से पूरे सिंघरावां क्षेत्र में शोक का माहौल है। त्योहार की खुशियां चंद घंटों में एक परिवार के लिए गहरे दुख में बदल गईं।

श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति करणपुरा की बैठक आयोजित,नई पूजा कमिटी का गठन

साहिबगंज। आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर शुक्रवार को श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति,करणपुरा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूजा आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण,व्यवस्थित एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से पूजा कमिटी का गठन किया गया। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने आगामी दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा,पूजा-पंडाल की व्यवस्था,साफ-सफाई,सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर अपने-अपने सुझाव रखे। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से पूजा कमिटी का गठन करते हुए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने पर सहमति बनी। समिति के सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा क्षेत्र की आस्था और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इसे आपसी भाईचारे,सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी लोग मिलकर कार्य करेंगे। समिति की ओर से बताया गया कि पूजा को लेकर आने वाले दिनों में तैयारियों को गति दी जाएगी। पंडाल निर्माण,विद्युत सज्जा,साफ-सफाई, पूजा-अर्चना सहित श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर दुर्गा पूजा को सफल बनाने का संकल्प लिया। मौके पर श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति करणपुरा के सदस्य एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जिला स्थापना समिति की बैठक में 13 अनुसेवियों का पदस्थापन, 16 के स्थानांतरण पर फैसला

पश्चिमी सिंहभूम। जिला समाहरणालय में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति की बैठक हुई। उपायुक्त के प्रकोष्ठ में आयोजित बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए जयदीप तिग्गा, स्थापना उपसमाहर्ता कुमार हर्ष सहित स्थापना शाखा के कर्मी मौजूद थे। बैठक में स्थापना से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा करते हुए प्रशासनिक जरूरत के अनुरूप कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति ने अनुकंपा के आधार पर नियुक्त 13 अनुसेवियों को जिले के अलग-अलग कार्यालयों में पदस्थापित करने का निर्णय लिया। इसके अलावा प्रशासनिक कार्यहित और कार्यालयों में कामकाज को बेहतर ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से 16 अनुसेवियों के स्थानांतरण और पदस्थापन पर भी सहमति बनी। बैठक में सरकारी सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने के लिए प्राप्त पांच नए आवेदनों की भी जांच की गई। समिति ने निर्धारित नियमों, प्रावधानों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर सभी पांच आवेदनों को नियुक्ति के लिए मंजूरी प्रदान की। इनमें दो आवेदकों को अनुसेवक और तीन आवेदकों को लिपिक पद पर नियुक्ति की अनुशंसा की गई। समिति के इस निर्णय से सेवाकाल के दौरान दिवंगत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हुआ है। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने स्थापना से संबंधित मामलों के निपटारे में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र आश्रितों के मामलों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक निर्णय लेते समय पारदर्शिता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि पात्र लोगों को समय पर सरकारी प्रावधानों का लाभ मिल सके। बैठक में समिति के समक्ष रखे गए अन्य स्थापना संबंधी मामलों पर भी चर्चा की गई और प्रशासनिक कार्यहित में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत

धनबाद। धनबाद जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र के रंगलीटांड में शुक्रवार को तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चियां और एक बच्चा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एक बच्चे को डूबता देख उसे बचाने के प्रयास में बाकी दोनों बच्चे भी गहरे पानी में चले गए और तीनों डूब गए।मृतकों की पहचान रलझल, कुंदरो और आभा के रूप में की गई है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे इलाके में मातम का माहौल है।स्थानीय लोगों के अनुसार, तीनों बच्चे शुक्रवार को रंगलीटांड स्थित तालाब में नहाने गए थे। परिजनों के मुताबिक, तीनों अक्सर इसी तालाब में नहाने जाते थे। शुक्रवार को भी वे तालाब में नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान एक बच्ची अचानक तालाब के गहरे हिस्से में चली गई और डूबने लगी। उसे डूबता देखकर साथ मौजूद दोनों बच्चों ने उसे बचाने की कोशिश की।

पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार की झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव ने की कड़ी निंदा

नई सोच एक्सप्रेस

बालूमाथ/लातेहार। बालूमाथ प्रखंड सह अंचल परिसर में आयोजित पर्यावरण लोकसुनवाई कार्यक्रम के दौरान में समाचार संकलन के लिये पहुंचे हुये पत्रकारों व मीडियाकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना की विभिन्न स्तरों पर निंदा की जा रही है। इसी क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के लातेहार जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव ने इस घटना को अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुये इसकी कड़ी निंदा की है। सुशील कुमार यादव ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और समाज की आवाज को आमजनों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में उनके द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है। समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों को रोकना अथवा उनके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार किया जाना अत्यंत ही निंदनीय घटना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिये सम्मानजनक एवं सुरक्षित वातावरण मिलना ही चाहिये। गौरतलब है कि गुरुवार को बालूमाथ प्रखंड सह अंचल परिसर में एनएलसी इंडिया

लिमिटेड के नॉर्थ धाधू वेस्ट पार्ट कोल ब्लॉक के लिये झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के द्वारा पर्यावरण लोकसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का कवरेज एवं समाचार संकलन के लिये पहुंचे हुये मीडियाकर्मियों के साथ में कथित दुर्व्यवहार किये जाने के मामले को लेकर बालूमाथ स्थित रॉयल होटल में पत्रकारों का एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पत्रकार सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने की। बैठक में पत्रकारों ने लोकसुनवाई कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। पत्रकार सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों को समाचार कवरेज करने से रोके जाने की बात सामने आई हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण महिलाओं को आगे करते हुये पत्रकारों को कवरेज से रोकने का प्रयास किया गया है। पत्रकारों के द्वारा अपना परिचय दिये जाने के बावजूद भी उन्हें कार्यक्रम की कवरेज करने की अनुमति नहीं दिये जाने पर भी बैठक में गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस बैठक में रांची से पहुंचे पत्रकार तीर्थनाथ कुशवाहा ने कहा कि पत्रकारों के साथ में कथित रूप से किये गये दुर्व्यवहार को गंभीरता से लिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित लोगों के द्वारा इस मामले में पत्रकारों से माफी नहीं मांगी जाती है, तो भविष्य में मीडियाकर्मी ऐसे कार्यक्रमों के कवरेज को लेकर उचित निर्णय लेने के लिये बाध्य होंगे। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि ग्रामीणों द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों एवं बैठकों के समाचार कवरेज को तब तक नहीं किया जायेगा, जब तक पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार करने वाले लोगों के द्वारा इस मामले में माफी नहीं मांगी जाती है। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण, विकास और जनहित से जुड़े लोकसुनवाई जैसे कार्यक्रमों में पत्रकारों की उपस्थिति पारदर्शिता के लिये भी अति आवश्यक होता है। ऐसे में समाचार संकलन करने पहुंचे पत्रकारों के कार्य में बाधा उत्पन्न किया जाना एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि संबंधित पक्षों को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुये पत्रकारों की गरिमा और उनके पेशेवर दायित्वों का सम्मान करना चाहिये। यदि किसी प्रकार की गलतफहमी या विवाद उत्पन्न हुआ है, तो उसे आपसी संवाद और सम्मानजनक तरीके से सुलझाया जाना चाहिये। सुशील कुमार यादव ने कहा कि पत्रकारों की आवाज को दबाने या उनके कार्य में अनावश्यक रूप से बाधा डालने की किसी भी कोशिशों का कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिये। लोकतंत्र की मजबूती के लिये स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तथा निर्भीक पत्रकारिता अत्यंत ही महत्वपूर्ण है एवं पत्रकारों को सम्मानपूर्वक अपनी कार्य को करने का अवसर मिलना चाहिये।

ललमटिया डैम में वज्रपात से दो युवकों की हुई मौत

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के ललमटिया डैम में मछली मारने के दौरान में अचानक वज्रपात होने से दो युवक घायल हो गये।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गया घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुये मामले का जांच शुरू कर दिया। बज्रपात में दोनों को आनन-फानन में इलाज के लिये लातेहार सदर अस्पताल में लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद में दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतकों की पहचान नवाडीह निवासी दिनेश कुमार (30 वर्ष), पिता सुरेंद्र भुइयां तथा मुकेश कुमार (40 वर्ष) के रूप में की गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दोनों मछली पकड़ने के लिये ललमटिया डैम गये हुये थे। इसी दौरान में अचानक तेज बिजली चमकी और वज्रपात हुआ जिसकी चपेट में दोनों आ गये। दोनों की मौत की खबर से नवाडीह गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना है।

पेड़ों को चुनरी बांधकर मनाया रक्षाबंधन, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण। रक्षाबंधन का पर्व जहां भाई-बहन के अटूट प्रेम और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है, वहीं बच्छई पंचायत के ग्राम डुमरी में इस पर्व को पर्यावरण संरक्षण के अनूठे संदेश के साथ मनाया गया। गांव निवासी एवं हरियाली दूत दिनेश साव ने रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर पेड़ों को चुनरी बांधकर उनकी रक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया।इस अनोखी पहल के माध्यम से ग्रामीणों को पेड़-पौधों के संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। दिनेश साव ने कहा कि जिस प्रकार रक्षाबंधन के अवसर पर भाई अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प लेता है, उसी प्रकार हम सभी का दायित्व है कि जीवनदायिनी प्रकृति और पेड़-पौधों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वच्छ हवा, वर्षा और स्वस्थ पर्यावरण के लिए पेड़ों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक

पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करने की अपील की।इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा पेड़ों की रक्षा करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व को पेड़ों और प्रकृति से जोड़कर मनाने की यह पहल समाज में पर्यावरण के प्रति प्रेम, जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करेगी।कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति के कोषाध्यक्ष छोटन कुमार साव, पूर्व सचिव संतोष कुमार रजक, भुनेश्वर रजक, वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र रजक, राघो रजक, चुरामन साव, राधे रमन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में सभी ने एक स्वर में "पेड़ बचाएं, पर्यावरण बचाएं" का संदेश देते हुए प्रकृति की रक्षा और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने सांसद मनीष जायसवाल को बांधी राखी, स्नेह के साथ लिया सुरक्षा और सम्मान का संकल्प

बहनों का स्नेह मेरे लिए अनमोल है, उनकी सुरक्षा और सम्मान मेरा संकल्प है : मनीष जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा, हजारीबाग की बहनों ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में सांसद मनीष जायसवाल की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व मनाया। इस दौरान महिला मोर्चा की बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ सांसद मनीष जायसवाल का तिलक किया, आरती उतारी और उनकी कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया।भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने पूजा की थाली में राखी, अक्षत, तिलक-चंदन और मिठाई सजाकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद सांसद मनीष जायसवाल को रक्षासूत्र बांधते हुए उनके सुखद, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बहनों ने ईश्वर से सांसद मनीष जायसवाल के यश और कीर्ति में निरंतर वृद्धि की प्रार्थना की। रक्षाबंधन के अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने भाजपा महिला मोर्चा की सभी बहनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोहिनूर तो देखा नहीं, लेकिन अनमोल होती हैं बहनें। मैं आजीवन उनकी सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेता हूं। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर है। भाजपा महिला मोर्चा की बहनों द्वारा बांधा गया यह रक्षासूत्र उनके लिए स्नेह और आशीर्वाद का प्रतीक है।

बाढ़ के खतरे के बीच प्रशासन अलर्ट, राहत शिविरों और गंगा घाटों का अधिकारियों ने लिया जायजा

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव तैयारियों को तेज कर दिया है। बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को समय पर राहत और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी साहिबगंज श्री बासुकीनाथ टुडू ने साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर सहित विभिन्न गंगा घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राहत शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने शिविर में पेयजल, भोजन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था

समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया गया कि राहत शिविरों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए तथा जरूरतमंद लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद अधिकारियों ने शकुंतला सहाय घाट, ओझा टोली घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान गंगा के जलस्तर, घाटों की वर्तमान स्थिति एवं संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया गया।अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं भी

सुनीं। ग्रामीणों से जिला प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही राहत सामग्री, आवश्यक सुविधाओं एवं अन्य सहायता के संबंध में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने लोगों को भरोसा दिलाया कि संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रशासन प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशुपालकों से भी बातचीत की और बाढ़ की स्थिति में पशुओं के लिए उपलब्ध चारा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि राहत एवं बचाव की तैयारियों में मानव जीवन के साथ-साथ पशुधन की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि गंगा के जलस्तर में होने वाले बदलाव पर लगातार नजर रखी जाए और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की नियमित निगरानी की जाए। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर राहत और जरूरी सहायता पहुंचाना है। इसके लिए राहत शिविरों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ गंगा घाटों एवं बाढ़ प्रभावित इलाकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

ग्रिज़ली विद्यालय छात्रावास में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

नई सोच एक्सप्रेस

कोडरमा। ग्रिज़ली विद्यालय में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह, विश्वास एवं आपसी जिम्मेदारी के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में रहने वाले छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय सभागार में विशेष समारोह आयोजित किया गया। वहीं, झील रेस्टोरेंट के समीप स्थित ग्रिज़ली गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं के लिए भी रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक-दूसरे के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं, जबकि भाइयों ने बहनों के प्रति अपने स्नेह, सम्मान एवं सुरक्षा के संकल्प को व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच मिठाइयां भी वितरित की गईं। रक्षाबंधन समारोह की विशेष बात यह रही कि विद्यार्थियों के अभिभावक भी

विद्यालय पहुंचे और अपने वार्ड के भाई-बहनों के साथ रक्षाबंधन पर्व की खुशियां साझा कीं। इससे घर से दूर रह रहे छात्रावास के विद्यार्थियों को पारिवारिक स्नेह, अपनत्व एवं भावनात्मक जुड़ाव का सुखद अनुभव हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित यह समारोह विद्यार्थियों के लिए परिवार जैसी आत्मीयता और भारतीय संस्कृति की सुंदर परंपरा से जुड़ने का अवसर बना। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी, सम्मान एवं आपसी सहयोग की भावना का प्रतीक है। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए ऐसे आयोजन उन्हें परिवार और अपनेपन का एहसास कराते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने रिश्तों में प्रेम, संवेदनशीलता, सम्मान एवं सहयोग की भावना को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह की आकर्षक सजावट में विद्यालय के आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षक सिंपल कुमारी एवं संजय राय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी रचनात्मक सजावट ने समारोह के वातावरण को और अधिक सुंदर एवं उत्सवपूर्ण

» भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और अपनत्व से सराबोर हुआ विद्यालय परिसर

बना दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के हॉस्टल कोऑर्डिनेटर मुकेश सिंह, हॉस्टल सुपरिंटेंडेंट सुबोध, राजीव नयन, सुलेखा सहित अन्य शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक एवं छात्रावास के विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए पर्व की खुशियों में सहभागिता निभाई। रक्षाबंधन का यह आयोजन विद्यार्थियों के बीच प्रेम, एकता, आपसी सम्मान एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने वाला एक भावपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ। समारोह का समापन हर्ष, उल्लास एवं आत्मीयता के वातावरण में हुआ।

एसटी-एससी केस में मंत्री डॉ. इरफान अंसारी कोर्ट में हुए पेश

नई सोच एक्सप्रेस

दुमका। एससी-एसटी केस में स्वास्थ्य मंत्री सह जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी की शुक्रवार को अदालत में पेश हुए। पेशी अपर जिला व सत्र न्यायाधीश, तृतीय राजेश सिन्हा के न्यायालय में हुई। मामले में शुक्रवार को सूचक की गवाही हुई। मामले में अब अगली तिथि 10 सितंबर को निर्धारित हुई। मंत्री डॉ. अंसारी की पेशी एसटी-एसी केस 06/2023 में हुई। यह मामला दो मार्च 2023 को दर्ज हुई थी। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के केस में पैरवी कर रहे अधिवक्ता राजा खान ने बताया कि जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में हुए जमीन विवाद में मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर एसटी-एससी केस दर्ज हुई थी, जबकि जमीन विवाद से मंत्री डॉ. अंसारी का कोई लेना-देना नहीं है। क्षेत्र की सुशीला देवी नामक महिला राजनीति से प्रेरित होकर किसी अन्य से हुए जमीन विवाद में मंत्री डॉ. अंसारी पर जाति सूचक संबोधन का आरोप लगायी थी।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

प्राइड ऑफ महाराष्ट्र' पुस्तक का विमोचन, 32 उद्यमियों की संघर्ष गाथा शामिल

पुणे। लेखक गौतम कोतवाल की 55वीं पुस्तक 'प्राइड ऑफ महाराष्ट्र' का विमोचन साहित्यकार डॉ. श्रीपाल सबनीस की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में किया गया। ग्रीन वर्ल्ड की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले 32 उद्यमियों के संघर्ष, सफलता और प्रेरक यात्राओं को पुस्तक में शामिल किया गया है। डॉ. श्रीपाल सबनीस ने कहा कि मराठी उद्यमियों के योगदान के बिना महाराष्ट्र का इतिहास अधूरा है। उद्यमियों ने राज्य की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकें नई पीढ़ी को रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने की प्रेरणा देती हैं। रयात शिक्षा संस्था के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चंद्रकांत दलवी ने उद्यमियों की सफलता की कहानियों को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। लेखक गौतम कोतवाल ने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य सफल उद्यमियों के संघर्ष और सामाजिक जिम्मेदारियों को सामने लाना है। समारोह में एमएसएसजी सॉल्यूशंस के निदेशक हितेश ज्ञानदेव उपाध्याय और वेव्स टेलीफोन कंपनी के निदेशक नितिन चव्हाण को 'महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित नेता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं यशवंत मनखेड़कर सहित विभिन्न क्षेत्रों के अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

सूर्य घर योजना में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, अनावश्यक आवेदन रद्द करने वाले बैंकों पर भी शिकंजा

बक्सर । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को जिला पदाधिकारी बक्सर साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लापरवाही बरतने वाले बिजली विभाग के अभियंताओं और अनावश्यक रूप से आवेदन अस्वीकृत करने वाले बैंकों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान डुमरांव, ब्रह्मपुर और रघुनाथपुर के कनीय अभियंता अनुपस्थित पाए गए। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अभियंताओं से स्पष्टीकरण मांगते हुए अनुपस्थिति वाले दिन का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। साथ ही लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई के लिए विभाग को प्रस्ताव भेजने का निर्देश कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर को दिया। जिला पदाधिकारी ने विद्युत विभाग के कनीय अभियंताओं को प्रतिदिन निर्धारित आवेदन प्राप्ति के लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा सोलर पैनल अधिष्ठापन के लक्ष्य को भी पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में बैंकों द्वारा अस्वीकृत किए गए आवेदनों की समीक्षा का भी निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त को निर्देशित किया गया कि स्वीकृति नहीं देने अथवा अनावश्यक रूप से आवेदन अस्वीकृत करने वाले बैंकों की अलग से समीक्षा कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। वहीं, अग्रणी जिला प्रबंधक को संबंधित बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर स्वीकृत आवेदनों के विरुद्ध ऋण एवं अनुदान वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने 'मिशन प्रभाकिरण' के तहत आमजनों से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभाग और बैंक समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक इसका लाभ पहुंच सके।

शिक्षक विजेंद्र प्रसाद सिंह की हत्या मामले के आरोपी अमरजीत यादव ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

सलखुआ। प्रखंड अंतर्गत चिरैया थाना क्षेत्र में हुए चर्चित शिक्षक विजेंद्र प्रसाद सिंह हत्याकांड के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था।चिरैया थाना कांड संख्या 26/25 के इस मामले में माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के खिलाफ इश्तिहार निर्गत किया गया था। कोर्ट के आदेश के आलोक में चिरैया थाना अध्यक्ष इंद्रजीत तांती और अपर थाना अध्यक्ष प्रेमचंद चौधरी ने पुलिस बल के साथ आरोपी के रघुनाथपुर स्थित घर पहुंचकर इश्तिहार तामिला किया था।थाना अध्यक्ष इंद्रजीत तांती ने बताया कि न्यायालय के सख्त आदेश और पुलिस की लगातार बढ़ती दबिश के कारण आरोपी के पास कोई रास्ता नहीं बचा था। इसी दबाव में आकर रघुनाथपुर निवासी अमरजीत यादव , पिता ज्योति यादव ने शुक्रवार को न्यायालय में सरेंडर कर दिया। पुलिस अब आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

राखी के धागे में बंधा भाई-बहन का स्नेह, बहनों ने मांगी लंबी उम्र

पिपरासी। |प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की रौनक नजर आई। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और सुख-समृद्धि के साथ स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपना स्नेह जताया और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर गांवों से लेकर बाजारों तक उत्सवी माहौल रहा। पर्व के एक दिन पहले से ही राखी और मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। शुक्रवार को भी बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। बहनों ने भाइयों के लिए रंग-बिरंगी राखियां खरीदीं, वहीं मिठाई की दुकानों पर भी लोगों की आवाजाही बढ़ी रही। घर-घर में पूजा-अर्चना के बाद राखी बांधने और मिठाई खिलाने का सिलसिला चला। भाई-बहनों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन को लेकर आपसी प्रेम, विश्वास और भाई-बहन के रिश्ते की मिठास देखने को मिली।

रक्षाबंधन पर महिला सुरक्षा का संदेशः एसपी ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) को दिखाई हरी झंडी

बगहा। रक्षाबंधन के मौके पर शनिवार को पुलिस केंद्र बगहा में महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) की टीम को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र में रवाना किया। टीम को महिलाओं और बालिकाओं के बीच पहुंचकर सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े अभियान चलाने की जिम्मेदारी दी गई है।एसपी राजेश कुमार ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। अभया ब्रिगेड की टीम क्षेत्र में जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और पुलिस सहायता की जानकारी देगी। साथ ही किसी महिला या बालिका के सामने परेशानी अथवा असुरक्षा की स्थिति आने पर उसे आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने टीम के सदस्यों को आमजन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

लोनावला में अमावी के साथ मिलकर 'ताज माउंट कुसूर रिसॉर्ट एंड विलाज' की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।भारत की विख्यात हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी ने महाराष्ट्र के लोनावला में 'ताज माउंट कुसूर रिसॉर्ट एंड विला' को शुरू करने की घोषणा की। देश के इकलौते, हॉस्पिटैलिटी पर केंद्रित, रियल एस्टेट ब्रांड 'अमावी' के साथ मिलकर तैयार किए गए इस प्रोजेक्ट के साथ, ताज ने पहली बार लग्जरी विला सेगमेंट में कदम रखा है। मुंबई और पुणे के बीच स्थित लोनावला, महाराष्ट्र के सबसे पसंदीदा और प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों में से एक है। अपनी खूबसूरत घाटियों, झीलों और झरनों के लिए मशहूर ये हिल स्टेशन लगातार पर्यटकों, वेलनेस की तलाश करने वालों और 'सेकंड होम' खरीदने वालों को आकर्षित करता रहा है। पुनीत छटवाल, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईएचसीएल ने कहा,"एक सदी से भी अधिक समय से, ताज ने अपने भव्य महलों, ऐतिहासिक सिटी होटलों, सफारी और रेजिडेंस के ज़रिए लग्जरी हॉस्पिटैलिटी की परिभाषा तय करता आ रहा है। दुनिया के सबसे मजबूत लग्जरी होटल ब्रांड और भारत के सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में पहचाना जाने वाला 'ताज', लग्जरी हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगातार अपनी बादशाहत को और मजबूत कर रहा है। 'ताज माउंट कुसूर रिसॉर्ट एंड विला' के साथ हमने ब्रांडेड विला सेगमेंट में शानदार शुरुआत की है।" खूबसूरत पहाड़ियों में 34 एकड़ में फैला 'ताज माउंट कुसूर रिसॉर्ट एंड विला' एक इंटीग्रेटेड लग्जरी प्रोजेक्ट है। इसमें 32 ब्रांडेड विला और 100 कमरों का एक शानदार ताज रिसॉर्ट शामिल है, जहाँ से आस-पास की झील और घाटी का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है. यहाँ रहने वाले लोग जंगल, नेचर ट्रेल्स, जेन गार्डन, स्टार्गेजिंग डेक, गोल्फ शूटिंग ग्रीन, फिटनेस लॉन और मल्टी-पर्पज स्पोर्ट्स कोर्ट का आनंद ले सकते हैं। इस खास प्रोजेक्ट में 'क्लब अमावी' भी शामिल है, जहां आप वेलनेस, मनोरंजन, बैंक्वेट और डाइनिंग जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं का लुफ्त उठा सकते हैं। अपूर्व कुमार, संस्थापक-प्रबंध निदेशक,अमावी-क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स ने कहा,"लोग अपने लिए अधिक समय निकालने के मकसद से 'सेकंड होम' खरीदते हैं ताकि वे परिवार के साथ, प्रकृति की गोद में और खुद के साथ कुछ पल बिता सकें। लेकिन अक्सर, ये घर एक और ज़िम्मेदारी बन जाते हैं। 'अमावी' में हमारा उद्देश्य इसी सोच को बदलना है। 'ताज माउंट कुसूर रिसॉर्ट एंड विला' एक घर की निजता और स्थायित्व के साथ-साथ ताज हॉस्पिटैलिटी की बेमिसाल सेवा और देखभाल का एक बेहतरीन संगम है।"

विश्व भर में मनाया गया रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।रक्षाबंधन का त्योहार आज पूरे विश्व भर में मनाया जाता है आज के दिन बहनें अपने भाई की लंबी आयु के लिए उनके कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधते हैं और उनकी लंबी आयु की कामना करती हैं और भाई भी इस मौके पर अपनी बहनों को उसकी रक्षा का वचन देते हैं। रक्षाबंधन का त्यौहार भाई बहन के प्यार का अटूट बंधन होता है इस प्यार में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में आज डॉ भूपेश कुमार सिंह एवं भाभी जी पूजा बाजपेयी और भतीजे खुश एवं शुभ को राखी बांधती हुई। बहनअधिवक्ता मानसी चंदेल एवं दीपिका चंदेल मानसी चंदेल अधिवक्ता ने बताया कि हमारे भैया भारत सरकार में बड़े ईमानदार और उच्च अधिकारी हैं उतनी ही अच्छे स्वभाव के हमारे प्यारे भैया हैं और भाभी जी हमारी बड़ी स्नेह और प्यार करने वाले हैं हमारे छोटे दो भतीजे हैं खुश एवं शुभ दोनों का बचपन में लव और कुश की तरह जुड़वा पैदा होने वाले अनमोल रत्न की तरहां है और बड़े ही प्यारे हैं। अधिवक्ता मानसी वे दीपिका चंदेल एवं दीपिका चंदेल का कहना है कि हमारे भैया बहुत अच्छे हैं और हम बहनों को बड़ा प्यार स्नेह करते हैं। हम परमात्मा भगवान श्री कृष्ण से यही प्रार्थना करते हैं कि उनको और तरक्की दे और कामयाबी दे

दंगल टीवी 31 अगस्त से हर सोमवार से शनिवार, रात 9.30 बजे शुरू होने जा रही देवर-भाभी के रिश्तें की बेहद खूबसूरत कहानी "हमारी भाभी नंबर 1

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।दंगल टीवी अपना नया ओरिजिनल शो, हमारी भाभी नंबर 1 लाने के लिए तैयार है। पहले प्रोमो को पहले ही दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, जो एक दिल को छू लेने वाले लेकिन दिलचस्प फैमिली ड्रामा की झलक दिखाता है। दूसरा प्रोमो घर की बहुओं के बीच बढ़ते झगड़े को दिखाकर कहानी को और बढ़ाता है, जो परिवार के अंदर होने वाली मुश्किलों और झगड़ों का इशारा करता है। यह शो 31 अगस्त, सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे दंगल टीवी पर प्रीमियर होने वाला है। कहानी के सेंटर में लक्ष्य है, जिसे प्यार से लालो के नाम से जाना जाता है, एक छोटा लड़का जिसे उसकी भाभी माँ, बंसरी, जिसका रोल सोनल खिलवानी ने किया है, ने प्यार से पाला है। बंसरी के लिए, लालो सिर्फ़ उसका देवर नहीं है, वह उसके अपने बच्चे जैसा है और एक आशीर्वाद है जिसके लिए वह बहुत शुक्रगुजार है। प्रोमो में तन्वी सावंत के मुस्कान के रूप में घर में आने से एक अचानक मोड़ आता है। उसकी एंट्री एक छिपे हुए इरादे का इशारा करती है, क्योंकि लालू उसे अपनी भाभी से मिलवाता है, और बताता है कि वह उसके लिए यशोदा माँ जैसी रही है। इस पर, मुस्कान जवाब देती है, "लेकिन अब वह मेरे पति हैं, और ज़िम्मेदारी भी...", यह बताते हुए कि वह अब लालू को एक अलग नज़रिए से देखती है। हालाँकि, भाभी उसके इरादे जल्दी भांप जाती है और उसे चेतावनी देते हुए बताती है: "जिसकी नीयत खोती है, उसका ही क्या है नुकसान।" परिवार, विश्वास, भावनाओं और रहस्य के साथ, हमारी भाभी नंबर 1, 31 अगस्त से, सोमवार से शनिवार रात 9.30 बजे दंगल टीवी के दर्शकों के लिए एक दिलचस्प नया चैप्टर लाने का वादा करता है।

रक्षाबंधन पर पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर सुरक्षा का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

बिहिया।रक्षाबंधन के पावन अवसर पर अल्फा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की मुख्य शाखा में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास, सम्मान और सुरक्षा की भावना को समर्पित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जगदीशपुर अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक राहुल कुमार, बिहिया थाना प्रभारी सुन्देश्वर कुमार दास सहित पुलिस विभाग की टीम मौजूद रही। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं ने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की तथा समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने भी बहनों के प्रति सुरक्षा, सम्मान और सहयोग का भाव व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या असुरक्षा की स्थिति में महिलाएं बिना झिझक पुलिस से संपर्क करें। जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस प्रशासन और बिहिया थाना उनकी सहायता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम से विद्यालय परिवार और पुलिस प्रशासन के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना और मजबूत हुई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. गणेश कुमार, प्रबंध निदेशक राजू रंजन, प्रधानाचार्या संजू कुमारी, उपप्रधानाचार्य अंकित कुमार सिन्हा, प्रशासक अंकित कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। देवघर मोती टोला शाखा के प्रधानाचार्य मनीष कुमार भी मौजूद रहे।

भारत-नेपाल सीमा पर ट्रैफिकिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, चार नाबालिग लड़कियां मुक्त, दो ट्रैफिकर भी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में भारत-नेपाल की पानीटंकी सीमा पर छह लड़कियों को ट्रैफिकिंग गिरोह के चंगुल से मुक्त कराया गया, जिनमें 14 से 17 साल की उम्र की चार नाबालिग लड़कियां भी शामिल थीं। इन्हें नेपाल के एक डांस बार में काम कराने के लिए ले जाया जा रहा था। बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की सहयोगी संस्था कोसी लोक मंच और एसएसबी की बीआईटी पानीटंकी टीम ने साझा और त्वरित कार्रवाई करते हुए न सिर्फ इन नाबालिगों को सुरक्षित बचाया, बल्कि बाल दुर्व्यापारियों को भी गिरफ्तार कर लिया। लड़कियों के हाव भाव को देखते हुए एसएसबी के जवानों ने कोसी लोक मंच के साथ मिलकर तुरंत हस्तक्षेप किया और उन्हें सीमा पार करने से पहले ही रोक लिया। पूछताछ के दौरान लड़कियों ने बताया कि वे सभी त्रिपुरा की रहने वाली हैं और उन्हें अच्छे पैसों का लालच देकर डांस बार में काम कराने के लिए ले जाया जा रहा था। हालांकि, उन्हें यह ठीक-ठीक नहीं पता था कि आखिर उन्हें कहां और किसके पास ले जाया जा रहा है, वहां किस तरह का काम करना होगा, या नेपाल में कितने दिनों तक रुकना पड़ेगा। इसके अलावा, उनके पास इस यात्रा से जुड़ा कोई वैध दस्तावेज भी नहीं था। जांच के दौरान यह भी पता चला कि मुक्त कराई गई लड़कियों में से एक नाबालिग और एक बालिग के परिवार वालों ने पहले ही त्रिपुरा में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा रखी थी। पूछताछ और प्रारंभिक जांच के बाद एसएसबी ने सभी छह लड़कियों और दोनों ट्रैफिकर्स को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कोसी लोक मंच के हवाले कर दिया। इसके बाद कोसी लोक मंच खरीबाड़ी पुलिस थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई, ताकि जरूरी जांच और कानूनी कार्रवाई शुरू हो सके। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय सचिव ऋषि कांत ने कहा, "भारत-नेपाल सीमा पर हाल के दिनों में एक चिंताजनक पैटर्न उभरकर सामने आया है, जिसमें नौकरी या डांस बार में काम दिलाने का झांसा देकर नाबालिग लड़कियों की ट्रैफिकिंग की जा रही है। लड़कियों को अपने गंतव्य और काम की प्रकृति के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी न होना इस मामले को और भी गंभीर बना देता है। ऐसी में एसएसबी का समय रहते हस्तक्षेप करना बेहद अहम है, ताकि नाबालिग लड़कियों को ट्रैफिकिंग के जाल में फंसने से बचाया जा सके।"

संत रविदास जयंती के अवसर पर 21 पवित्र कलश वितरित

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर भाजपा उत्तर-पूर्वी जिला की ओर से महावर धर्मशाला में 21 पवित्र कलश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष यू.के चौधरी के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान महामंडलेश्वर नवल किशोर, महंत राजू नाथ चंदेल, वाल्मीकि संत पंकज शाह, भाजपा के वरिष्ठ नेता वी. संतोष, प्रदेश नेता सारिका जैन, निगम पार्षद प्रीति गुप्ता, रेखा रानी, पूर्व निगम चेयरमैन प्रमोद गुप्ता सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन, भक्ति, सामाजिक समरसता और समाज के उत्थान में उनके योगदान को याद किया। महंत राजू नाथ चंदेल ने संत रविदास की गंगा भक्ति का उल्लेख करते हुए 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' संदेश को रेखांकित किया। भाजपा नेता वी.संतोष ने लोगों से संत रविदास के आदर्शों और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की अपील की। जिला अध्यक्ष यूके चौधरी ने संत रविदास को नमन करते हुए समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने और एकजुट रहने का आह्वान किया।महामंडलेश्वर नवल किशोर और संत पंकज शाह ने भी जात-पात से ऊपर उठकर सामाजिक एकता और भाईचारा मजबूत करने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोलाब लिटरेरी फोरम द्वारा भव्य साहित्यिक सम्मेलन में दो पुस्तकों का लोकार्पण एवं मुशायरों का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

लोलाब।अदबी मरकज़ कमराज के संरक्षण में लोलाब लिटरेरी फोरम द्वारा एक भव्य साहित्यिक सम्मेलन में दो पुस्तकों का लोकार्पण और मुशायरों का आयोजन किया गया। इनमें से एक मुशायरा साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के ग्राम लोक कार्यक्रम के सहयोग से आयोजित किया गया जबकि दूसरा फोरम का नियमित साहित्यिक मुशायरा हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जावेद ज़ाहिद द्वारा पवित्र कुरआन शरीफ़ के पाठ से हुआ। इसके पश्चात मसूद अहमद ख़ान ने हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की शान में नात प्रस्तुत की। स्वागत भाषण जुबैरउलसलाम भट ने किया जबकि पूरे कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अब्बास ने किया। प्रथम मुशायरे का संचालन आबिद अशरफ़ ने किया, जबकि दूसरे मुशायरे की अध्यक्षता एवं संचालन नासिर मसूर ने किया। दोनों मुशायरों में कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं की भरपूर सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण दो पुस्तकों का लोकार्पण रहा। पहली पुस्तक कैरोन जिसकी लेखिका निकहत यासमीन हैं और दूसरी पुस्तक शल्स शिहेल्थ नासिर मसूर के नातिया कलाम का संग्रह है। दोनों पुस्तकों की समीक्षाएँ मक़बूल फ़ायक़ और अयूब दिलबर ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर दोनों लेखकों को उनके साहित्यिक योगदान के सम्मान में शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस साहित्यिक सम्मेलन की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार मीर दर्दपुरी ने की। इस आयोजन में कुपवाड़ा ज़िले तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से साहित्यकारों, कवियों, शिक्षाविदों और साहित्य प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पूरे कार्यक्रम का पेशेवर वीडियो दस्तावेज़ीकरण स्वतंत्र पत्रकार इरफ़ान गनी भट तथा जावेद ज़ाहिद की टीम द्वारा किया गया।

बक्सर के डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का रात में औचक निरीक्षण, लापरवाही पर बीएचएम से मांगा स्पष्टीकरण

नई सोच एक्सप्रेस

बक्सर/डुमरांव। जिला पदाधिकारी बक्सर साहिला ने 27 अगस्त की देर रात अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में चिकित्सकीय व्यवस्था, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस सेवा तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में अपेक्षित स्तर की कार्यप्रणाली नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता की डिजिटल डिस्प्ले व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को उपलब्ध दवाओं की जानकारी आसानी से मिल सके। वहीं, अस्पताल के प्रवेश द्वार पर स्ट्रेचर उपलब्ध रखने तथा सहायता काउंटर संचालित करने को कहा। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का ड्यूटी रोस्टर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने, अस्पताल में आरओ पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मरीजों को मिलने वाली सभी सुविधाओं की नियमित निगरानी पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने अस्पताल में पीकू सुविधा जल्द से जल्द शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल में स्वच्छता, दवा, एम्बुलेंस और मरीजों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

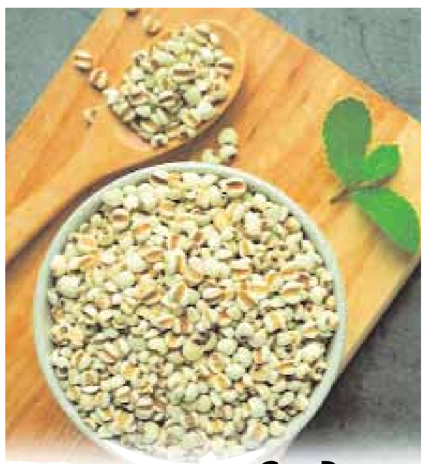

पॉपकॉर्न से ज्यादा हेल्दी होता है जवार धानी

पॉपकॉर्न आखिर किसे पसंद नहीं होते? मूवी डेट हो या घर पर पार्टी इसका सेवन जरूर किया जाता है। मार्केट में मिलने वाले पॉपकॉर्न में प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी जगह आप जवार धानी का सेवन कर सकते हैं। यह एक प्रकार का साबुत अनाज है, जो पॉपकॉर्न की तरह दिखता है। यह पॉपकॉर्न से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। साथ ही, यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदा करता है।

ग्लूटन फ्री स्नैक्स

अगर आपको ग्लूटन वाली चीजों से एलर्जी है, तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। यह एक अच्छा ग्लूटन फ्री स्नैक्स है, जिसके सेवन से आपका पाचन भी स्वस्थ रहेगा।

वेट लॉस में मदद करे

जवार धानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके सेवन से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगती है। इस कारण आप अगले मील में कम कैलोरी इंटेक करेंगे। साथ ही, आपको जल्द वजन घटाने में मदद मिलती है।

कई बीमारियों में फायदेमंद

अगर आपको डायबीटीज, हाइपरटेंशन या स्ट्रोक की समस्या है, तो यह आपके लिए अच्छा विकल्प है। इसमेंफाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है।

गट को हेल्दी बनाए रखे

खराब खानपान के कारण गट हेल्थ को नुकसान होता है। इससे पाचन क्रिया भी धीमी होती है, साथ ही गट इंफेक्शन का खतरा भी रहता है। ऐसे में जवार धानी बेहतरीन विकल्प है। यह जल्दी पच जाता है, साथ ही गट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

मैग्नीशियम से भरपूर

जवार धानी में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द से राहत देता है। महिलाओं में होने वाली मेनोपॉज की स्थिति में भी यह फायदेमंद है।

माइक्रोन्यूट्रिएंट से भरपूर

जवार धानी में माइक्रोन्यूट्रिएंट भी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें जिंक, फास्फोरस, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए गए हैं। यह शरीर में नए सेल्स और टिशूज बनाने में मदद करते हैं।

जवार धानी का सेवन करने का सही तरीका

- जवार धानी को आप घर पर पॉपकॉर्न बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्वाद में भी काफी बेहतर होता है।
- जवार धानी को खिचड़ी या दलिया बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट या डिनर ऑप्शन हो सकता है।
- जवार धानी से आप उपमा या सूप भी बना सकते हैं. रात में लाइट डिनर के लिए यह सही ऑप्शन है।
- अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह पर ही करें।

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय, पेट दर्द और गैस समेत 10 बीमारियां होंगी दूर

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें

हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं।

हृदय रोग से बचाव जैसे, हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं। क्योंकि लगातार कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहने से दिल की सेहत पर काफी बुरा असर पड़ता है.

- आपको यह बात हैरान कर सकती है कि एक समय 55 प्लस की उम्र में होनेवाली कार्डियोवस्कुलर डिजीज आजकर 25 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगी हैं। इतना ही नहीं हमारे देश में हार्ट अटैक के कुल मामलों में आधी संख्या उन लोगों की है, जिनकी उम्र 50 से कम है।
- इस आधी संख्या में भी 25 प्रतिशत लोग वो हैं जिनकी उम्र 40 साल से भी कम है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दिल की बीमारियां कितनी तेजी से हमारे समाज को बीमार बना रही हैं। खासतौर पर हमारे युवाओं को।
- अपने दैनिक जीवन में कुछ चुनिंदा बातों का ध्यान रखकर कई घंटों तक एक ही स्थान पर बैठकर काम करनेवाले लोग हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं। इसके लिए आपको जो चीजें जानने की जरूरत है, उनके बारे में यहां बताया जा रहा है.

सीट पर बैठे हुए ही करें स्ट्रेचिंग

- घंटों की सिटिंग जॉब और लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में फिजिकल ऐक्टिविटीज करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आप उन सूक्ष्म व्यायाम के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं, जिन्हें आप काम के दौरान ही 2 से 3 मिनट का समय निकालकर बीच-बीच में कर सकें।
- ये सूक्ष्म व्यायाम आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन का सही स्तर बनाए रखने में सहायता करते हैं। इससे आपके हृदय की पंपिंग प्रक्रिया बाधित नहीं होती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहता है।

भोजन में जरूरी हैं कुछ बदलाव

- सीटिंग जॉब वालों को अपनी डायट में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे, कम मसालों का सेवन करें.
- यानी आपका भोजन बहुत अधिक स्पाइसी नहीं होना चाहिए।
- भोजन में डीप फ्राइड चीजों का उपयोग कम करें इनके स्थान पर फ्रूट सलाद, सब्जियों की सलाद, ड्राई फ्रूट्स और उबली हुई सब्जियों को शामिल करें।
- डिब्बाबंद फूड और पैक्ड रेडी टु ईट फूड्स से जितना हो सके दूर रहें। क्योंकि इनमें प्रिजर्वेटिव्स की भारी मात्रा होती है, साथ ही फैट भी अधिक होता है।

पर्याप्त नींद लें

- नींद लेना हमारी आंखों की सेहत के लिए ही नहीं बल्कि हमारे ब्रेन, हार्ट और पूरे शरीर की सेहत के लिए जरूरी है। क्योंकि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारा शरीर डैमेज हुई सेल्स की रिपेयरिंग कर रहा होता है।
- ऐसे में जो लोग 7 से 8 घंटे की पूरी नींद नहीं लेते हैं, उनके शरीर में आंतरिक कमजोरी और बीमारियां पनपने की आशंका अधिक रहती है।

खुश रहना है जरूरी

- खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव मुक्त रहें। क्योंकि हमारे दिल और दिमाग की ज्यादातर बीमारियों की वजह तनाव होता है। जिन परिस्थितियों को आप अपने अनुसार ढाल नहीं पा रहे हैं, बेहतर होगा कि आप उनके अनुसार खुद ढल जाएं।
- शांति और खुशहाली से जीवन जीने की यह एक कुंजी है। वैसे भी बेहतर है कि हम सभी एक स्वस्थ जिंदगी जी पाएं, जो खुशियों से भरी हो। क्योंकि तनावपूर्ण जिंदगी कितनी भी लंबी क्यों ना हो बोझिल ही होती है और कोई खुशी नहीं देती।

कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के साथ निर्माता बने कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा 'चंदू चैंपियन' के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज़ के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया। स संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे।

कार्तिक के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज़ डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

क्या रणबीर की ब्रह्मास्त्र 2 में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण?

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है।

दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाई देंगी।

दीपिका की भूमिका को लेकर क्या कहा गया था?

दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने कहा, 'हाल ही में आई वे सभी खबरें गलत हैं, जिनमें कहा गया है कि दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा हैं या किसी भी तरह से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। हालांकि, दीपिका के इसमें शामिल होने की अटकलें यूं ही नहीं लगी थीं। साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन शिवा' में एक्ट्रेस की एक बहुत छोटी सी झलक दिखी। इसमें उन्हें 'अमृता' के तौर पर दिखाया गया था। अमृता एक शक्तिशाली अस्त्र चलाने वाली और 'अस्त्रावर्स' की पौराणिक कथाओं में एक अहम किरदार थीं। हालांकि उनका चेहरा बस कुछ ही पल के लिए दिखाया गया, लेकिन यह सीन बहुत अहम था। इसमें दीपिका का किरदार 'अमृता' एक बच्चे को लिए हुए 'देव' से भागती हुई दिखाई देती है। देव एक रहस्यमयी किरदार है, जिसके बारे में फिल्म के आखिर में पता चलता है। इस सीन ने उस कहानी की नींव असरदार ढंग से रखी, जिसे 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाए जाने की उम्मीद थी।

दीपिका का वर्क फ्रंट

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अल्लू अर्जुन की 'राका' को लेकर व्यस्त हैं। इसमें वे अहम भूमिका अदा करेंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की 'किंग' में भी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण की निजी जिंदगी की बात करें तो वे प्रेग्नेंट हैं। रणवीर सिंह के साथ अगले महीने वे दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर म्यूज़िक की दुनिया में रखा कदम

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूज़िक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज़ या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज़ में साथ आते हैं।

तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर राय रखी

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।'' तनुश्री ने लिखा, ''वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।'' तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ''ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे।

अर्जुन रेड्डी के 9 साल

शालिनी पांडे ने डेब्यू को किया याद

मुंबई 'अर्जुन रेड्डी' को रिलीज़ हुए नौ साल पूरे हो गए हैं, लेकिन यह कल्ट तेलुगु फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में गिनी जाती है। गौरतलब है कि इस फिल्म के साथ ही फिल्म की नायिका शालिनी पांडे के फिल्मी सफर के भी नौ साल पूरे हो गए हैं, क्योंकि इसी फिल्म के जरिए उन्होंने प्रीति के किरदार में अपना अभिनय करियर शुरू किया था। इस अवसर पर शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर फिल्म और अपने डेब्यू को याद किया है। शालिनी ने 'अर्जुन रेड्डी' से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'यहीं से शुरुआत हुई थी। सब कुछ यहीं से शुरू हुआ था।' इसी के साथ फिल्म और उनके किरदार को मिले अपार प्यार के लिए आभार जताते हुए उन्होंने आगे लिखा है, 'हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, और प्रीति को हमेशा के लिए अपने दिलों का हिस्सा बनाने के लिए भी धन्यवाद।'

'गांधारी' में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'गांधारी' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।

तापसी ने कहा, 'फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता।'

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ''मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, 'गांधारी' का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।''

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।''

लॉर्ड्स से उठी इमरान खान की रिहाई की मांग, बेटों के साथ एथर्टन का साक्षात्कार प्रसारित

एजेंसी, लॉर्ड्स

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर दुनिया भर के पूर्व क्रिकेटरों ने आवाज उठायी है। इसी कड़ी में अब लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान से भी इमरान को जेल से रिहा करने की मांग उठी है। इस दौरान इमरान खान के बेटों, सुलेमान और कासिम खान का इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथर्टन के साथ एक साक्षात्कार भी प्रसारित किया गया है। इसमें एथर्टन के साथ बातचीत में उन्होंने अपने पिता की जेल में गिरती सेहत और जान के खतरे पर गहरी चिंता व्यक्त की। वहीं इस प्रसारण से पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भड़क गया और उसने सीरीज छोड़ने तक की धमकी दे दी।

गौरतलब है कि इस समय पाक टीम इंग्लैंड दौरे पर हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान से बातचीत के दौरान इमरान के बेटों ने कहा कि उनके पिता पिछले तीन सालों से जेल में बंद हैं जहां उनकी हालात दिन पर दिन खराब हो रही है। इस साक्षात्कार से भड़की पीसीबी ने इसके प्रसारण को रोकने के भी प्रयास किये पर विफल रही। पिछले सप्ताह, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने भी इमरान को अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया था पर पाक अधिकारियों ने उनकी एक नहीं मानी। प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें सरकारी अस्पताल पहुंचाया और एक सामान्य चेक-अप के तुरंत बाद वापस जेल भेज दिया। इमरान की बहनों और बेटों ने इसे अदालत के आदेशों का सीधा उल्लंघन बताया है और अपने पिता के व्यक्तिगत डॉक्टरों से मिलने की तत्काल अनुमति की मांग की है। इमरान की इस दुर्दशा ने पूरे विश्व क्रिकेट बिरादरी को एकजुट कर दिया है। पिछले ही सप्ताह माइक एथर्टन सहित दुनिया भार की टीमों के इक्कीस पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक बेहद कड़ा और भावुक पत्र लिखा, जिसमें उनके पूर्व साथी के लिए उचित, मानवीय और सम्मानजनक चिकित्सा देखभाल की मांग की गई। इससे पहले भी इसी साल फरवरी में 14 पूर्व कप्तानों ने ऐसी ही अपील की थी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने भी कहा था कि इमरान के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिये। दूसरी ओर पाकिस्तान सरकार ने इमरान पर अत्याचार के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इमरान की गिरफ्तारी के बाद से उनके परिवार, वकीलों और डॉक्टरों ने उनसे कई बार बात की है।

आईपीएल जरूरी, लेकिन क्रिकेट में गहराई टेस्ट से आती है : श्रीनाथ

इंदौर में एमपीसीए पुरस्कार समारोह के बाद बोले पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज; युवा खिलाड़ियों को टी-20 के साथ टेस्ट खेलने की सलाह

एजेंसी, इंदौर

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने युवा क्रिकेटरों को टी-20 के साथ टेस्ट क्रिकेट पर भी ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आईपीएल महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि खेल में गहराई चाहिए तो वह पांच दिवसीय क्रिकेट में है। यही वजह है कि टेस्ट क्रिकेट को सभी प्रारूपों की जननी कहा जाता है। श्रीनाथ बुधवार रात इंदौर में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में शामिल होने के बाद पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी के लिए टी-20 प्रारूप में ढलना अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन टी-20 खेलने वाले खिलाड़ी के लिए टेस्ट क्रिकेट में आना उतना आसान नहीं है। इसलिए युवा खिलाड़ियों को लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के साथ टी-20 क्रिकेट भी खेलना चाहिए।

युवा खिलाड़ियों को सही दिशा देने की जरूरत : श्रीनाथ ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को सही दिशा देने में राज्य क्रिकेट संघों, माता-पिता और प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलना जरूरी है, ताकि वे अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ सकें। श्रीनाथ वर्तमान में आईसीसी के मैच रेफरी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

एमपीसीए ने बांटे 2.94 करोड़ रुपये : एमपीसीए के वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया। समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और एमपीसीए अध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया मौजूद रहे।

अल्वारेज के ट्रांसफर को लेकर बार्सिलोना और मैड्रिड में गतिरोध बरकरार

एजेंसी, मैड्रिड

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर जूलियन अल्वारेज के ट्रांसफर को लेकर स्पेनिश क्लब बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड के बीच खींचतान जारी है। बार्सिलोना के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा ने कहा है किया कि क्लब ने अल्वारेज को लेकर मैड्रिड को दिया गया अपना प्रस्ताव अभी भी बरकरार रखा है पर समय सीमा तेजी से निकल रही है जिससे इस मामले के शीघ्र निपटाना होगा। ट्रांसफर की समयसीमा अगले सप्ताह समाप्त तक ही है पर मैड्रिड का रवैया अब तक साफ नहीं है। जिससे इस मामले में गतिरोध बना हुआ है। एक रिपोर्ट

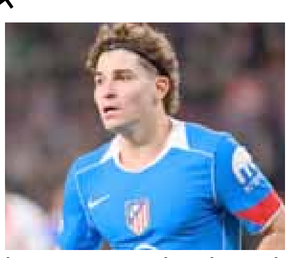

के अनुसार बार्सिलोना ने गर्मियों की शुरुआत से ही अल्वारेज को शामिल करने प्रयास शुरु कर दिये थे। टीम उन्हें रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के संभावित विकल्प के तौर पर देखती है। क्लब ने इस युवा स्ट्राइकर के लिए 10 करोड़ यूरो से अधिक का भारी-भरकम प्रस्ताव दिया था पर उसे मैड्रिड ने स्वीकार नहीं किया था। लापोर्टा ने कहा कि अल्वारेज भी बार्सिलोना से खेलना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्लब अपनी रणनीति पर बरकरार है और एटलेटिको के प्रति सम्मान रखते हुए अपने प्रस्ताव को बरकरार रखेगा। लापोर्टा ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस सौदे को अंतिम रूप दे पाएंगे। गौरतलब है कि अल्वारेज का भविष्य इस बार सबसे चर्चित ट्रांसफर चर्चाओं में से एक बना हुआ है। इस खिलाड़ी ने जुलाई में ही कहा था कि वह एटलेटिको छोड़ना चाहते हैं, और जून में भी उन्होंने संकेत दिया था कि सभी पक्षों के लिए एक स्थानांतरण बेहतर हो सकता है।

डिविलियर्स ने सचिन से विराट को बेहतर बताने वाले बयान पर सफाई दी

एजेंसी, जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने हाल ही में अपने एक बयान में विराट कोहली को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से बेहतर बताया था जिसे कारण वह आलोचना का भी शिकार हुए थे। अब अपने उसी बयान को लेकर डिविलियर्स ने सफाई दी है। डिविलियर्स का कहना है कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया है। वह केवल अपनी राय बता रहे थे। उनका इससे मतलब नहीं है कि किसका टेस्ट रिकॉर्ड बेहतर है। डिविलियर्स के अनुसार उन्होंने खेल के कुछ हालातों को लेकर कोहली की तुलना तेंदुलकर से किये जाने के दौरान उन्हें बेहतर बताया था हालांकि वह जानते हैं कि रिकार्ड के मामले में सचिन नंबर एक पर हैं। डिविलियर्स ने कहा, विराट और सचिन के बारे में मेरी टिप्पणी को लेकर थोड़ी गलतफहमी हो गई थी। यह मेरी निजी राय है। मैं किसी को हटा नहीं रहा हूं। मैं बस अपनी नजरिए से बात कह रहा हूं। सचिन ने भारत के लिए चीजों को आगे बढ़ाया और सभी युवा खिलाड़ियों को दिखाया कि दुनिया भर में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या जरूरी है। मैंने कहा था कि विराट ने शॉर्ट बॉल पर अच्छा खेलकर दिखाया कि भारतीय बल्लेबाजी का एक अलग अंदाज भी हो सकता है।

भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम एशियाई कप क्वालीफायर में जीत के इरादे से उतरेगी

एजेंसी, क्वालालंपुर

भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर-17 पुरुष एशियाई कप क्वालीफायर के लिए निकले ड्रॉ में ग्रुप ई में रखा गया है। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें जीत हासिल कर अगले साल 12 से 29 मई 2027 तक उज्बेकिस्तान में आयोजित होने वाले मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम के साथ ग्रुप ई में मेजबान मलेशिया, फिलिस्तीन, सिंगापुर और गुआम जैसी टीमों से होगा, जिससे यह क्वालीफायर चरण भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। ग्रुप ई के सभी क्वालीफायर

मुकाबले 11 से 20 नवंबर तक मलेशिया में एकल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे, जिसमें प्रत्येक टीम को अपने समूह के सभी विरोधियों के खिलाफ एक बार खेलना होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 14 नवंबर को उसका सामना गुआम से होगा। 17 नवंबर को उसे फिलिस्तीन के साथ मुकाबला तय है, और अंत में 20 नवंबर को मेजबान मलेशिया के खिलाफ एक निर्णायक मैच से भारतीय टीम अपने क्वालीफायर चरण का समापन करेगी। इन मैचों में शानदार प्रदर्शन के आधार पर ही भारतीय टीम मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना सकती है। । इन क्वालीफायर में एशिया भर की कुल 35 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें पांच-पांच टीमों के सात अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। प्रतियोगिता का प्रारूप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, क्योंकि प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष पर रहने वाली टीम ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2027 के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी।

बिजनेस

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। चांदी के भाव में आज लगातार पांचवे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,62,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,49,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मिड डे मार्केट : शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी की सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आई। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 194.46 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,128.05 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी का जोर बन जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। शेयरों की लगातार की जा रही खरीदारी के कारण पहले एक घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स 400 अंक से अधिक उछल कर 77,357.97 अंक तक आ गया। इसके बाद अगले डेढ़ घंटे तक यह

सूचकांक इसी स्तर के आसपास बना रहा। हालांकि, दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में कमजोरी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 113.56 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,047.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 31.75 अंक यानी 0.13 प्रतिशत उछल कर 24,122.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण पहले एक घंटे में ही सुबह 10:15 बजे के करीब निफ्टी लगभग 100 अंक की तेजी के साथ 24,188.30 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि यह तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में कमजोरी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 5.90 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,096.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,128 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,607 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,521 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और विप्रो के शेयर 4.30 प्रतिशत से लेकर 2.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर 1.33 प्रतिशत से लेकर 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

रक्षाबंधन के दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 297 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

दो दिनों की गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रक्षाबंधन के दिन शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के दोनों प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 297.01 अंक यानी 0.38 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,230.60 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 60.25 अंक यानी 0.25 फीसदी बढ़कर 24,151.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, टाइटन और पावर ग्रिड में उल्लेखनीय बढ़त दिख रही है।

नासिक से 453 टन प्याज लेकर 'कांदा एक्सप्रेस' पहुंची दिल्ली, उपभोक्ता को मिलेगा 35 रुपये प्रति किलो

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और आसपास के शहरों में प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 453.65 टन प्याज लेकर पहली 'कांदा एक्सप्रेस' शुक्रवार को दिल्ली पहुंची। ये प्याज उपभोक्ताओं को 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध होगा। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने शुक्रवार को बताया कि 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर पहली 'कांदा एक्सप्रेस'

आज सुबह नई दिल्ली पहुंची है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की प्याज वाली मोबाइल वैन आज से शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्याज को दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इसका कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे नजदीकी शहरों में भी भेजा जाएगा। खरे ने बताया कि चेन्नई जाने वाली 'कांदा एक्सप्रेस' के रैक को शुक्रवार को लोड किया जाएगा, जिसके बाद तीन अन्य गंतव्यों मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी के लिए एक के बाद एक रैक रवाना की जाएंगी।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार सुबह एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.36 फीसदी टूटकर 88.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा भी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, जो आम तौर पर तेल की कीमतों में उछाल लाता है।दिनभर के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 88.10 से 88.73 डॉलर के

दायरे में रहा, जबकि डब्ल्यूटीआई 83.03 से 83.76 डॉलर के बीच कारोबार करता दिखा। हालांकि, इस बार बाजार की प्रतिक्रिया अलग है। आम तौर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका से कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार में ऐसी कोई चिंता नहीं दिख रही है। यही कारण है कि ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक सूतर से नीचे आ गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।